THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 204 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक अमावस्या 2082 सोमवार, 20 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपावली के पावन अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों तथा शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं ।

–डॉ. गिरीश कुमार संघी
प्रधान संपादक

आज अवकाश

स्वतंत्र वार्ता कार्यालय में दि. 20.10.2025 को अवकाश रहने के कारण हमारा अगला अंक दि. 22.10.2025 को प्रकाशित होगा।

प्रबंधक

बीआरएस भाजपा की 'बी' टीम : सीएम

> राजीव गांधी सद्भावना यात्रा में कई वरिष्ठ कांग्रेसियों ने भाग लिया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना राज्य के चुनावों में विपक्षी बीआरएस की साज़िश की राजनीति को लेकर उस पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने बीआरएस पर जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के आने वाले उपचुनाव में वोटों को बांटने के लिए बीजेपी की 'बी' टीम होने का आरोप लगाया।

रविवार को चारमीनार में राजीव गांधी सद्भावना यात्रा की याद में हुए कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के साथ एक सीक्रेट समझौता किया है। लोकसभा चुनावों में भाजपा को 21 परसेंट वोट मिलना राज्य में बीआरएस पार्टी की साज़िश की राजनीति को साबित करने के लिए काफी था। उन्होंने कहा कि अब, बीआरएस ने जुबली हिल्स उपचुनाव में भी यही पॉलिटिकल स्ट्रैटेजी अपनाई है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगले असेंबली चुनावों में भी बीआरएस और भाजपा की मिलीभगत की पॉलिटिक्स देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने लोगों से जुबली हिल्स उपचुनावों में वोटों को बांटने की बीआरएस की कोशिश को नाकाम करने की अपील की। यह दोहराते हुए कि युवाओं को देश की एक्टिव पॉलिटिक्स में अहम भूमिका निभानी चाहिए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर

ज़ोर दिया कि असेंबली चुनाव लड़ने के लिए उम्र सीमा को 21 साल करने के लिए भारतीय संविधान में बदलाव करना समय की ज़रूरत है। उन्होंने 18 साल की उम्र में एडल्ट वोट देने का अधिकार देने के लिए पूर्व पीएम राजीव गांधी की तारीफ़ की, जिससे देश को संसदीय लोकतंत्र की भावना को मज़बूत करने में मदद मिली। रेवंत रेड्डी ने देश की एकता की रक्षा के लिए राजीव गांधी द्वारा निकाली गई सद्भावना यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा, 'आज, हम राजीव गांधी की भावना को जारी रखने के लिए यह प्रोग्राम कर रहे हैं। मैं सलमान खुर्शीद को राजीव गांधी सद्भावना अवॉर्ड देने के लिए ऑर्गनाइज़र को बधाई देता हूं।' मुख्यमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि गांधी परिवार ने पूरे देश को प्रेरित किया है और गांधी शब्द भारत का दूसरा नाम है। रेवंत रेड्डी ने कहा, 'आयरन लेडी इंदिरा गांधी ने देश की एकता की रक्षा के लिए अपनी जान दे दी। राजीव गांधी ने इंदिरा गांधी की विरासत को आगे बढ़ाया और अपनी जान भी कुर्बान कर दी। राजीव गांधी से प्रेरित होकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूरे देश में भारत जोड़ो यात्रा शुरू की। गांधी परिवार की तीन पीढ़ियां देश के लिए एक बड़ी प्रेरणा थीं।'

'वे सनातन से जितना दूर जाएंगे मतदाता उनसे उतना ही दूर होंगे'

कर्नाटक सीएम के बयान पर संघ का पलटवार

बंगलूरू, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के सनातन को लेकर दिए गए बयान पर विवाद हो गया है। भाजपा और संघ के नेताओं ने सीएम सिद्धारमैया के बयान पर पलटवार किया है। दरअसल सीएम सिद्धारमैया ने अपने एक बयान में लोगों से सनातनियों की संगति से दूर रहने की अपील की है। भाजपा और संघ के नेताओं ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई और दावा किया कि सिद्धारमैया अपनी सरकार की विफलता से ध्यान हटाने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। सिद्धारमैया के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा सांसद जगदीश शेट्टार ने सीएम पर निशाना साधते हुए कहा, 'केवल अपनी सुविधा के लिए वह ये सभी बयान दे रहे हैं, क्योंकि उनका प्रशासन और कानून-व्यवस्था विफल है। भ्रष्टाचार बहुत ज्यादा है, इसलिए, ध्यान भटकाने के लिए, वे आरएसएस के खिलाफ बिना किसी ठोस सबूत के आरोप लगा रहे हैं।' विश्व हिंदू परिषद के नेता विनोद बंसल ने सीएम के बयान पर कहा, 'कर्नाटक के मुख्यमंत्री, जिनके माता-पिता के नाम में 'राम' है, जिनकी पत्नी का नाम 'पार्वती' है और जो खुद सिद्धारमैया कहलाते हैं, लोगों को 'सनातनियों' की संगति से दूर रहने की सलाह दे रहे हैं।

> 500 सालों का सनातन संघर्ष <

जहां रामभक्तों पर गोलियां चलीं वहां हमने दीप जलाए

> अयोध्या से सीएम योगी की हुंकार

अयोध्या, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीराम के राज्याभिषेक समारोह के लिए राज दरबार की थीम पर रामकथा पार्क सज-धजकर तैयार है। 90 फीट चौड़े मंच पर आज शाम राम दरबार सजेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर संतों को दीवाली का उपहार भी दिया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब दुनिया भर के सनातन धर्मावलंबी अयोध्या आ रहे हैं। भारत के अलग-अलग कोनों से लोग रामलला का दर्शन करने आ रहे हैं।

आज अयोध्या में विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण किया गया। हम नहीं भूल सकते हैं कि कांग्रेस ने कहा था कि राम तो हैं ही नहीं। राम तो मिथक हैं। उन्होंने सपा पर हमला करते हुए कहा कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान समाजवादी पार्टी के लोगों ने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। उन्होंने गोली चलवाई थी हम दीप जला रहे हैं। उन्होंने ताले लगवाए थे हम आस्था को आजाद कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'हर दीया हमें याद दिलाता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं हो सकता।

पहले चरण में लालू-नीतीश की पार्टी की सबसे अधिक सीटें दांव पर

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान छह नवंबर को है। पहले चरण में 18 जिले के 121 सीटों पर चुनाव होना है। अब तक 1698 विभिन्न दलों के साथ ही निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन किया है।

20 अक्टूबर तक नाम वापसी की अंतिम तिथि है। खास बात यह है कि पहले चरण में राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाईटेड की सबसे अधिक सीटें दांव पर लगी है। इस बार महागठबंधन की ओर से राजद ने 71, कांग्रेस ने 25, भाकपा माले 13, वीआईपी और सीपीआई छह-छह, सीपीएम और आईआईपी ने दो प्रत्याशी उतारे हैं।

टिकट कटने पर राबड़ी आवास के बाहर फूट-फूटकर रोए आरजेडी नेता

फाड़ा कुर्ता,बड़ा आरोप भी लगाया

पटना/मोतिहारी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्वी चंपारण जिले की मधुबन विधानसभा सीट से राष्ट्रीय जतना दल के पूर्व प्रत्याशी मदन साह का दर्द रविवार को राबड़ी आवास के बाहर फूट पड़ा। उन्होंने पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर अपना कुर्ता फाड़ लिया और फूट-फूटकर रोने लगे।

इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव के राजनीतिक सलाहकार संजय यादव पर टिकट बेचने का गंभीर आरोप लगाया। मदन साह का आरोप है कि कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के करीबी व राज्यसभा सांसद संजय यादव ने मुझसे दो करोड़ सत्तर लाख रुपये की मांग की थी। पैसे नहीं देने पर मेरा टिकट काट दिया गया। मैं बर्बाद हो गया हूं। बेटा-बेटी की शादी तक टाल दी थी चुनाव के लिए। लालू यादव ने खुद कहा था कि तैयारी करो, पिछली बार कम वोटों से हारे थे। इधर, पार्टी की ओर से इस पूरे मामले पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मधुबन से लड़े से विधानसभा चुनाव

बता दें कि मदन साह 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद के टिकट पर मधुबन से चुनाव लड़े थे, जहां उन्हें भारतीय जनता पार्टी के राणा रणधीर सिंह ने मात्र 5,878 वोटों के अंतर से हराया था। उस हार के बाद पार्टी ने उन्हें प्रोत्साहित किया और अगली बार मौका देने का भरोसा दिया था। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान मदन साह पर यह आरोप लगा कि उन्होंने राजद उम्मीदवार की जगह एनडीए प्रत्याशी को अंदरखाने से मदद की।

आरोप है कि उनकी भूमिका के चलते ही जदयू की लवली आनंद ने राजद उम्मीदवार ऋतु जयसवाल को करीब 30,000 वोटों से हरा दिया। इसी वजह से पार्टी नेतृत्व उनसे नाराज चल रहा था।

हिंदी पर सीएम स्टालिन के बयान पर भड़की तमिलनाडु भाजपा

बोली-यह अज्ञानता नहीं, यह तो अहंकार है

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु भाजपा ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि केंद्र की योजनाओं के हिंदी नामों को लेकर स्टालिन का सवाल अहंकार और अज्ञानता से भरा है। भाजपा ने कहा कि हिंदी देश की आधिकारिक भाषा है और इसे लेकर सवाल उठाना गलत है। भाजपा के तमिलनाडु प्रमुख प्रवक्ता नारायणन थिरुपथी ने स्टालिन के कई सवालों और आरोपों के जवाब अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में दिए। थिरुपथी ने स्टालिन के हर आरोप पर तीखे सवाल उठाए और कहा कि मुख्यमंत्री को दूसरों पर आरोप लगाने से पहले खुद के आसपास देखने की जरूरत है।

हिंदी भाषा पर बयान को लेकर हमला

बता दें कि, सीएम स्टालिन ने एक दिन पहले पूछा था कि केंद्र सरकार सभी योजनाओं और कानूनों के नाम सिर्फ हिंदी और संस्कृत में ही क्यों रखती है? इसके जवाब में थिरुपथी ने कहा, 'अगर आप यह सवाल इसलिए पूछ रहे हैं क्योंकि आपको यह जानकारी नहीं कि भारत की आधिकारिक भाषा हिंदी है, तो यह आपकी अज्ञानता है। और अगर जानते हुए पूछते हैं, तो यह आपका अहंकार है।' सीएम स्टालिन ने यह भी पूछा था कि भाजपा जिन नेताओं को भ्रष्ट कहती थी, वे पार्टी में आते ही साफ-सुथरे कैसे बन जाते हैं? इस पर थिरुपथी ने जवाब दिया, 'अगर भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं, तो अपने ही नेता और पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को देखिए, जो 'कैश फॉर जॉब' घोटाले में आरोपी हैं और अभी आपकी पार्टी में हैं। जवाब आपको खुद देना चाहिए।' सीएम स्टालिन ने केंद्र सरकार पर वैज्ञानिक सोच के खिलाफ अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगाया था। इस पर थिरुपथी ने पलटवार किया और कहा कि 'आप और आपके डिप्टी सीएम बहुसंख्यक समाज की आस्थाओं का मजाक उड़ाकर हिंदू धर्म और सनातन को अपमानित करते हैं।

तिरप जिले में असम राइफल्स ने अगवा दो मजदूरों को छुड़ाया

उग्रवादियों का अपहरण का प्रयास नाकाम

ईटानगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में असम राइफल्स ने त्वरित और समन्वित अभियान चलाकर एनएससीएन-के (रिबेल) के कब्जे से दो अगवा मजदूरों को सकुशल छुड़ा लिया। यह घटना 18 अक्टूबर को दादम सर्कल के लाहो गांव में हुई थी, जब उग्रवादियों ने निर्माण स्थल से दोनों मजदूरों का अपहरण कर लिया था। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, खुफिया जानकारी मिलते ही असम राइफल्स की टुकड़ियां तुरंत सक्रिय हुईं और नीयानू क्षेत्र में एक सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। तलाशी के दौरान उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवानों ने संयम और पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए जवाबी कार्रवाई की।

छह साल बाद ईसी ने सक्रिय किया आर्थिक इंटेलिजेंस पैनल

चुनाव में धन-शक्ति पर लगाम कसने की तैयारी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने छह साल बाद अपनी आर्थिक खुफिया समिति को दोबारा सक्रिय किया है। जिससे आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे, शराब और नशीले पदार्थों के इस्तेमाल पर अंकुश लगाया जा सके।

चित्तपुर प्रशासन ने आरएसएस के मार्च पर लगाई रोक

हाईकोर्ट ने कहा-संघ और भीम आर्मी को अलग-अलग समय दें

बंगलूरू, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वे संघ और भीम आर्मी के मार्च के लिए अलग-अलग समय आवंटित करें। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को मार्च के मार्ग के बारे में जिला कलेक्टरों के समक्ष एक नई याचिका दायर करने का निर्देश दिया। इसके बाद उच्च न्यायालय ने सुनवाई 24 अक्टूबर तक स्थगित कर दी।

गौरतलब है कि भीम आर्मी और दलित पैंथर्स ने भी चित्तपुर में प्रदर्शन की अनुमति मांगी है। कर्नाटक के कलबुर्गी में चित्तपुर जिला प्रशासन ने 19 अक्तूबर को संघ के मार्च को मंजूरी नहीं दी थी। चित्तपुर जिला प्रशासन ने शांति और कानून-व्यवस्था भंग होने का हवाला देते हुए संघ के रूट मार्च को अनुमति देने से इनकार कर दिया।

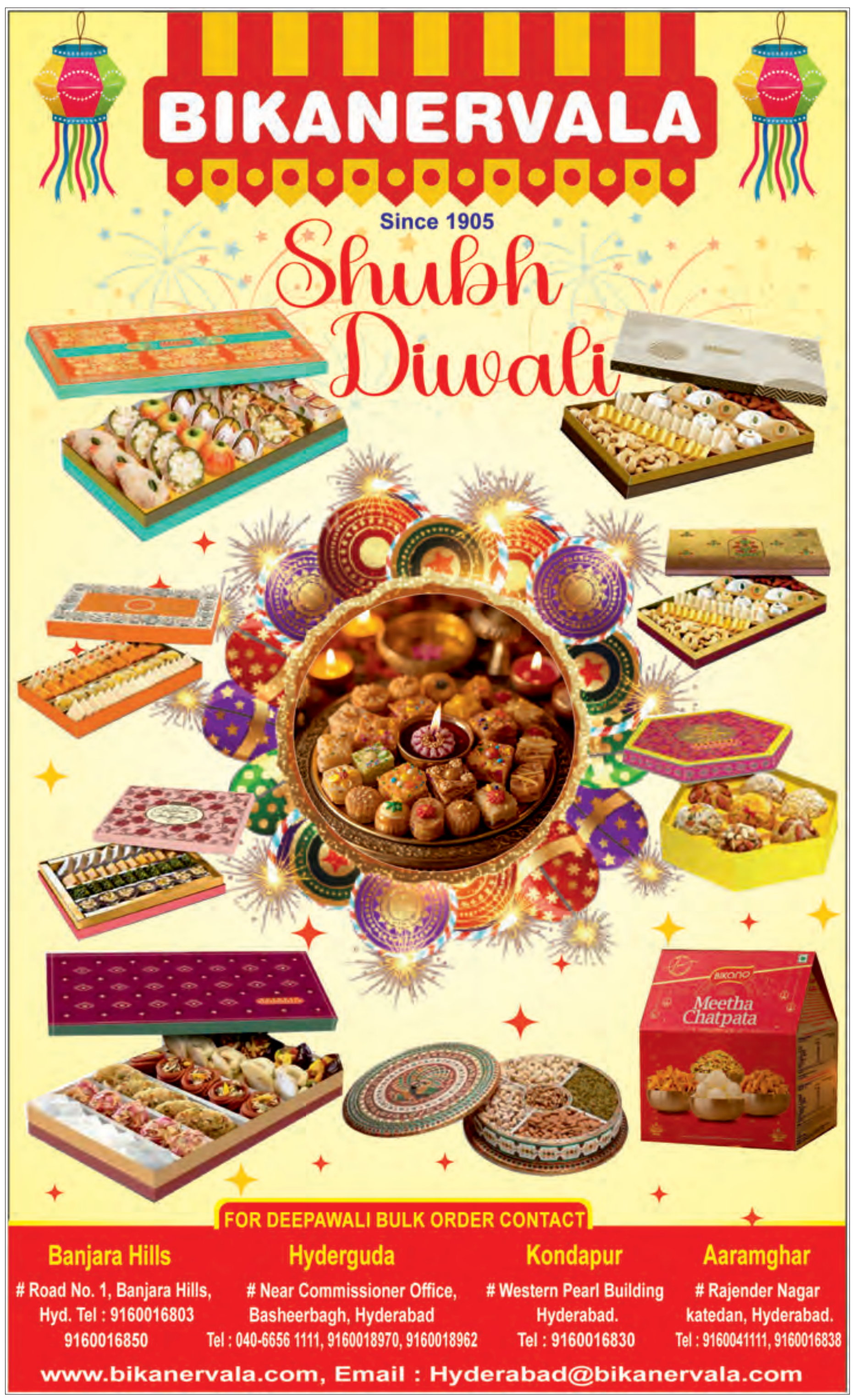

'महाराष्ट्र में 96 लाख फर्जी वोटर : राज ठाकरे

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में 96 लाख फर्जी वोटर जोड़े जाने का गंभीर आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि अगर वोटर लिस्ट को साफ नहीं किया गया, तो स्थानीय निकाय चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठेंगे। उन्होंने चुनाव आयोग को खुली चुनौती दी, 'पहले मतदाता सूची साफ करें, फिर चुनाव कराएं।'

मुंबई में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा, 'अगर फर्जी वोटरों के सहारे चुनाव होंगे, तो यह महाराष्ट्र के मतदाताओं का सबसे बड़ा अपमान होगा।' उन्होंने दावा किया, मुंबई में 8 से 10 लाख, ठाणे, पुणे और नासिक में 8 से 8.5 लाख और बाकी अन्य जिलों में लाखों फर्जी नाम जोड़े गए हैं।

हाल ही में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, एनसीपी-एसपी और मनसे समेत कई विपक्षी दलों ने राज्य निर्वाचन आयोग से शिकायत की थी। उनका कहना है कि मतदाता सूचियों में डुप्लिकेट नाम, फर्जी पते और गड़बड़ियां पाई गई हैं। विपक्ष चाहता है कि 31 जनवरी 2026 से पहले होने वाले ग्रामीण और शहरी निकाय चुनावों से पहले इन सूचियों में सुधार किया जाए।

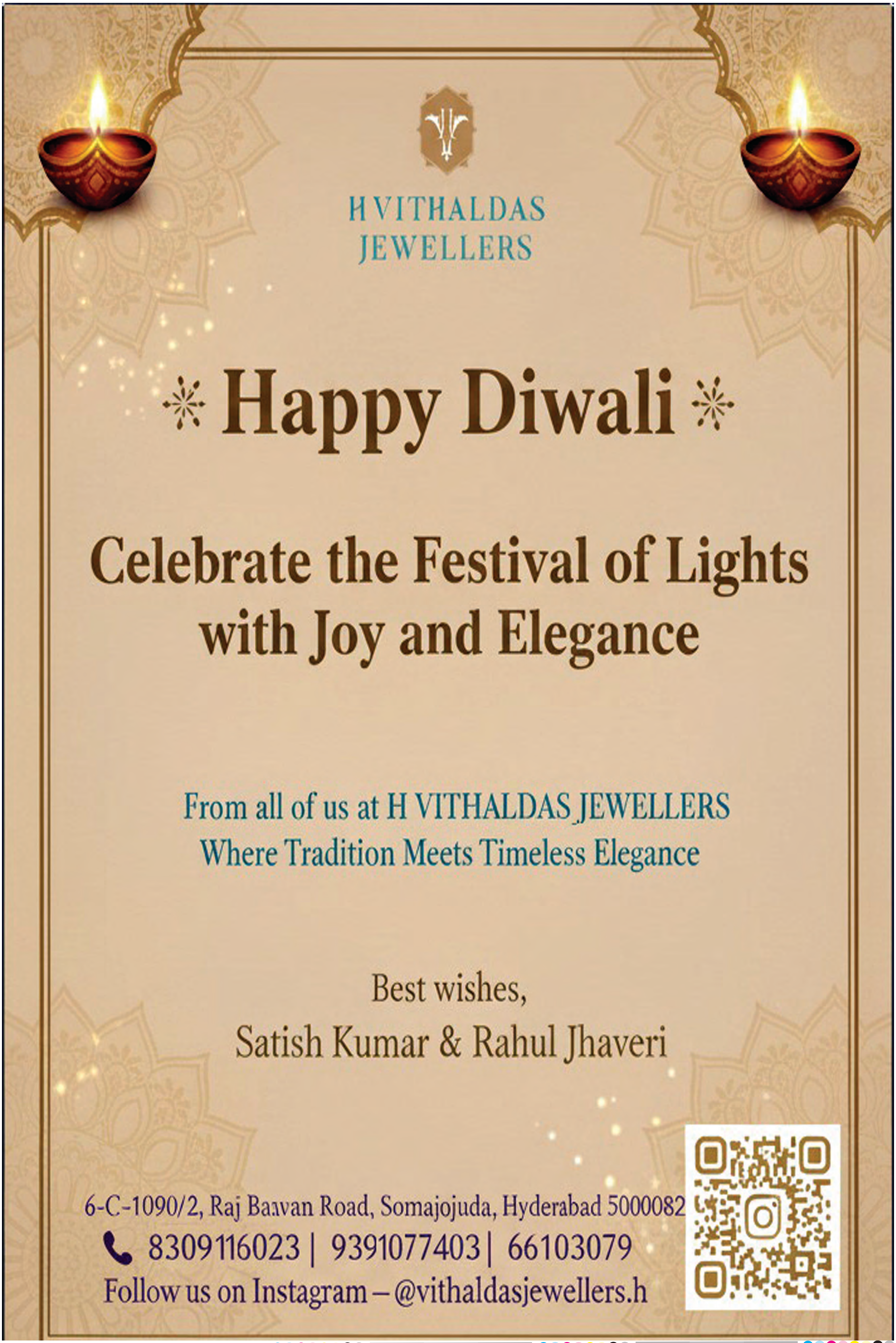
H VITHALDAS
JEWELLERS
Happy Diwali
Celebrate the Festival of Lights
with Joy and Elegance
From all of us at H VITHALDAS JEWELLERS
Where Tradition Meets Timeless Elegance
Best wishes,
Satish Kumar & Rahul Jhaveri
6-C-1090/2, Raj Baavan Road, Somajojuda, Hyderabad 5000082
8309116023 | 9391077403 | 66103079
Follow us on Instagram – @vithaldasjewellers.h

SHREE GUJARATI PRAGATI SAMAJ
संगठन, शक्ति, सहकार, सेवा
श्री गुजराती प्रगति समाज
4-3-259, गुजराती गली, बैंक स्ट्रीट, सुलतान बाज़ार, हैदराबाद
दीपावली, नव-वर्ष एवं लाभ पंचमी
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
ATITHI GRUH "DEEPAK BHAVAN" ✆ 040-24753716
KALYAN MANDAPAM ✆ 040-24754657
PRAGATI MAHAVIDYALAYA DEGREE & PG COLLEGE
PRAGATI MAHAVIDYALAYA JUNIOR COLLEGE
SRI GUJARATI VIDYA MANDIR HIGH SCHOOL
SRI GUJARATI VIDYA MANDIR - JUNIOR, DEGREE COLLEGE FOR GIRLS
PRAGATI NUTAN VIDYALAYA - LKG to Vth CLASS
MUSHEERABAD PROPERTY LAND
Education institute for KG to PG, Guest House, Girls Hostel & BHAGINI Mahila Mandal etc.,
નૂતન સ્નેહ સમ્મેલન
કાર્યક્રમમાં હાર્દિક સ્વાગત કરીએ છીએ. આપ સર્વેને નુતન વર્ષા અભિનંદન.
સુપ્રસિદ્ધ કલાકારો તેમજ સાથી કલાકાર દ્વારા પ્રસ્તુત કરે છે
લોકડાયરો
તારીખ: 22-10-2025 બુધવાર સાંજે 5.30 વાગ્યે
સ્થળ: ઘનશ્યામ ભવન, વસંત કોલોની પાસે, કાચીગુડા, હૈદરાબાદ
સાગર કાચા, લોક ગાયક
દિલુદાન ગઢવી, હાસ્ય/સાહિત્યકાર
શીતલબેન ભૂવા, ગાયિકા
શ્રીમાન ગોવિંદ દાસ શાહ
પ્રમુખ
શ્રીમાન મહેશભાઈ પટેલ
ઉપપ્રમુખ
શ્રીમાન રાહુલ છેડા
સેક્રેટરી
શ્રીમાન અંબાલાલ પટેલ
ખજાનચી
શ્રીમતી ભારતીબેન એ. પટેલ, પ્રોગ્રામ સંચાલક

नाबालिग ने शादी के 11 दिन बाद बच्चे को दिया जन्म,19 दिन बाद पति को हो गई जेल

कानपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक नाबालिग मां और उसके बच्चे के मामले में फैसला सुनाया और दोनों को राजकीय शेल्टर होम से रिहा नहीं किया। दरअसल, ये मामला उत्तर प्रदेश के कानपुर से सामने आया है, जहां एक लड़की की 3 जुलाई, 2025 को शादी हुई थी। उसने अपनी मर्जी से शादी की और शादी के महज 11 दिन बाद यानी 14 जुलाई, 2025 को उसने एक बेटे को जन्म भी दे दिया। लड़की की हाई स्कूल की मार्कशीट के मुताबिक उसका जन्म 5 अक्टूबर, 2008 को हुआ था।

यानी शादी के समय लड़की की उम्र सिर्फ 16 साल 9 महीने थी, जो कि कानून के मुताबिक नाबालिग मानी जाती है। इसी बीच लड़की के पिता ने बेटी के अपहरण का केस दर्ज कराया था, जिसके बाद 22 जुलाई को लड़की के पति को गिरफ्तार कर लिया गया था और साथ ही लड़की को भी हिरासत में लेकर बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश किया गया।

बिहार में नामांकन का आज आखिरी दिन

इंडिया गठबंधन में सस्पेंस बरकरार नेता कितने साथ-कितने अलग

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी होने वाली है, लेकिन इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

वहीं एनडीए ने लगभग अपने सभी मनमुटाव दूर कर लिए हैं और बिहार चुनाव में मजबूत नजर आ रही है। वहीं इंडिया गठबंधन के दलों में कई सीटों पर खींचतान जारी है। जिसकी वजह झारखंड के प्रमुख दल जेएमएम ने इस गठबंधन को छोड़ दिया है। वहीं कुछ सीटों पर आरजेडी और कांग्रेस में गंभीर तकरार है और दोनों ही अपने कैंडिडेट उतार सकते हैं।

जेएमएम ने अलग रास्ता अपनाया

महागठबंधन इंडिया में सहयोगी दलों के बीच सहमति बनाने की कोशिशें जारी हैं। हालांकि, झारखंड के प्रमुख दल जेएमएम ने इस गठबंधन को छोड़कर बिहार की छह सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इससे गठबंधन को एक बड़ा झटका लगा है। गठबंधन के नेता पहले नए साथियों को शामिल करने की जरूरत का हवाला दे रहे थे, लेकिन जेएमएम के अलग होने से स्थिति और जटिल हो गई है

आरजेडी और कांग्रेस में मनमुटाव

गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी आरजेडी ने अपने उम्मीदवारों के टिकट बांटने शुरू कर दिए हैं, लेकिन अभी तक उसकी पूरी सूची सामने नहीं आई है। कई सीटों पर आरजेडी ने अपने ही गठबंधन साथियों के उम्मीदवारों के खिलाफ टिकट दे दिए हैं, जिससे तनाव पैदा हो गया है। वहीं, कांग्रेस ने 48 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, और अब उसने पांच और सीटों के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इनमें किशनगंज सीट भी शामिल है, जहां कांग्रेस ने अपने मौजूदा विधायक को हटाकर एआईएमआईएम से आए एक नेता को टिकट दिया है। आरोप हैं कि कांग्रेस ने टिकट बेचे हैं, जबकि पार्टी नेता कह रहे हैं कि समझौता होने वाला है।

आठ सीटों पर आमने-सामने की आशंका

गठबंधन में समन्वय की कमी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कम से कम आठ सीटों पर एक ही गठबंधन के दो-दो उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से तीन सीटों पर आरजेडी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला हो सकता है। वहीं, सत्तारूढ़ एनडीए में भी सब कुछ ठीक नहीं दिख रहा। जद(यू) ने अंतिम समय में अमौर सीट पर अपना उम्मीदवार बदल दिया और पूर्व भाजपा नेता सबीर अली को टिकट दे दिया, जिन्हें 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने के कारण पार्टी से निकाला गया था।

कितनी सीटों पर लड़ रहे नितीश?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू, जो भाजपा के बराबर 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, ने आखिरी समय में अमौर से पूर्व राज्यसभा सांसद साबिर अली को मैदान में उतारने का फैसला किया, जहाँ से उसने पहले सबा ज़फ़र को उम्मीदवार बनाया था, जो 2020 की उपविजेता थीं और जिन्होंने पांच साल पहले भी भाजपा के चुनाव चिन्ह पर यह सीट जीती थी। दिलचस्प बात यह है कि अली को 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने के कारण जद (यू) से निकाल दिया गया था, जिन्हें पार्टी सुप्रीमो अपना कट्टर विरोधी मानते थे। बाद में अली भाजपा में शामिल हो गए और उन्हें पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का महासचिव बनाया गया है।

एनडीए की मढ़ौरा सीट पर कोई उम्मीदवार नहीं

सत्तारूढ़ गठबंधन को मढ़ौरा सीट पर भी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, यहां केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की उम्मीदवार भोजपुरी अभिनेत्री से नेता बनीं सीमा सिंह का नामांकन पत्र तकनीकी आधार पर खारिज कर दिया गया। यह सीट अब पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक जितेंद्र कुमार राय के पक्ष में एकतरफा मुकाबले की ओर बढ़ती दिख रही है, जिन्हें सिर्फ जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार अभय सिंह ही चुनौती दे सकते हैं। हालांकि, पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी ने एक छोटी सी चूक पर अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए चुनाव आयोग को ज्ञापन दिया है।

क्लोन हमसफर एक्सप्रेस पर पथराव से हड़कंप

ड्राइवर की खिड़की का शीशा टूटा, पुलिस जांच में जुटी

कानपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में अहमदाबाद से दरभंगा जा रही क्लोन हमसफर एक्सप्रेस 09465 ट्रेन में भीमसेन के पास अज्ञात लोगों द्वारा पथराव किए जाने से हड़कंप मच गया। पथराव के कारण ट्रेन के ड्राइवर के पास वाली खिड़की का शीशा टूट गया। अज्ञात शरारती तत्वों ने भीमसेन होर्डिंग लाइन पर ट्रेन में पथराव किया। पथराव की घटना के तुरंत बाद ड्राइवर ने कंट्रोल रूम को सूचित किया। पथराव की सूचना मिलते ही कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ जवानों ने तुरंत ट्रेन को अटेंड किया।

हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन को कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर- पांच पर लाया गया, जहां सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि पथराव की यह घटना झांसी मंडल के अंतर्गत हुई है, लेकिन ट्रेन को सुरक्षा कारणों से कानपुर सेंट्रल पर अटेंड किया गया है। पथराव करने वाले अज्ञात लोगों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। आरपीएफ और रेलवे पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

'दलितों के साथ अन्याय रोकने के लिए सत्ता हासिल करना जरूरी'

मायावती बोलीं- तभी होगा बहुजन का कल्याण

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को राज्यवार पार्टी की समीक्षा की। इसके बाद कार्यकर्ताओं के लिए निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि गांव-गांव के लाखों-लाख लोगों ने उत्तर प्रदेश के सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने के लिए तन, मन, धन, जोश, उमंग और ललक दिखाई थी। इसका अनुसरण दूसरे राज्यों को भी करने की जरूरत है। ताकि, बसपा अपना मिशन पूरा करके गरीबों, शोषित-पीड़ितों की मंशानुरूप राज्य की स्थापना कर सके। मायावती ने कहा कि देश में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, मंहगाई, महिला असुरक्षा तथा व्यापक जातिवादी व साम्प्रदायिक द्वेष, हिंसा अभिशाप है। हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण लोगों का जीना मुश्किल है। आज सरकारें संविधान के जनहित व जनकल्याणकारी उद्देश्यों को त्याग कर राजनीतिक स्वार्थ में लिप्त हैं।

आरजेडी ने नहीं दिया टिकट तो निर्दल चुनाव लड़ेंगी रितु जायसवाल? कर दिया बड़ा ऐलान

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में राजद के अंदर नेतृत्व और टिकट वितरण को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। राजद की महिला प्रदेश अध्यक्ष रितु जायसवाल ने पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए साफ किया है कि अगर उन्हें परिहार से टिकट नहीं दिया गया तो वह स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगी। उनका कहना है कि परिहार की मिट्टी और जनता के सुख-दुख, संघर्ष और उम्मीदों को उन्होंने करीब से महसूस किया है। इसलिए किसी अन्य क्षेत्र से चुनाव लड़ना उनके लिए अस्वीकार्य है। रितु जायसवाल ने बताया कि जैसे ही यह चर्चा फैली कि उन्हें परिहार की बजाय बेलसंड से टिकट दिया जा सकता है, परिहार की जनता ने सोशल मीडिया और फोन के माध्यम से उन्हें समर्थन संदेश भेजना शुरू कर दिया। लोगों की एक ही अपील थी- 'मैडम, परिहार को मत छोड़िए।' जनता का यह समर्थन उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद महत्वपूर्ण साबित हुआ।

परिहार की वर्तमान स्थिति के लिए ये लोग जिम्मेदार- रितु जायसवाल

रितु जायसवाल ने पार्टी नेतृत्व के सामने स्पष्ट किया कि परिहार की वर्तमान स्थिति के लिए सिर्फ वर्तमान बीजेपी विधायक गायत्री देवी ही नहीं, बल्कि पूर्व विधायक डॉ। रामचंद्र पूर्वे भी जिम्मेदार हैं। डॉ। पूर्वे ने पिछले विधानसभा चुनाव में राजद के एमएलसी रहते हुए पार्टी से गद्दारी की थी, जिसके कारण रितु को मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था।

पार्टी निर्णय नहीं बदलती है तो निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव- जायसवाल

रितु ने आरोप लगाया कि पार्टी ने इस बार डॉ। पूर्वे की बहू को परिहार से टिकट दिया है, जिसे उन्होंने गद्दारी का 'पुरस्कार' बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की राजनीतिक चालों से क्षेत्र के विकास और जनता की उम्मीदों को नजरअंदाज किया जा रहा है। रितु ने साफ किया कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व को स्पष्ट रूप से अवगत करा दिया है कि अगर पार्टी निर्णय नहीं बदलती है, तो वह परिहार से ही स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय आसान नहीं है, लेकिन यह उनके मन की आवाज़ और परिहार की जनता के भावनाओं का सम्मान भी है।

परिवार में शांति बनी रहे, इसलिए पत्नी गई मायके

पति ने कर ली दूसरी शादी तो मच गया बवाल

गाजीपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर एक विवाहिता ने अपने पति के खिलाफ धोखा देने का आरोप लगाया. कहा कि उसके पति ने शादीशुदा होते हुए दूसरी महिला से भी निकाह कर लिया. यही नहीं, इस बात को उससे छिपाए भी रखा. साथ ही जब वो अपने पति के पास रहने गई तो उसे धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया गया. मामला जमानिया कोतवाली इलाके के एक गांव का है. यहां की रहने वाली एक महिला की शादी 6 साल पहले बलिया जनपद में हुई थी. ससुराल में कुछ विवाद के चलते उसे मायके भेज दिया गया था.

3 सालों तक ससुराल के लोगों ने उसकी सुध नहीं ली. जब विवाहिता ने 3 साल बाद पता किया तो पता चला कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है और इसीलिए उसकी सुध नहीं ले रहा है. अब महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है.

एआईएमआईएम ने मैदान में उतारे 25 कैंडिडेट

ओवैसी ने 2 हिन्दुओं को भी दिया टिकट

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है और सियासी रंग देखने को मिल रहे हैं। अब एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी पार्टी की तरफ से उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। इसमें 25 कैंडिडेट्स को चुनाव के मैदान में उतारा गया है। इनमें से 2 हिंदू कैंडिडेट हैं।

ढाका से उम्मीदवार बनाए गए राणा रंजीत सिंह से तो पहले ही चर्चा में आ चुके हैं। हाथ में कलावा, माथे पर तिलक और सिर पर मुस्लिम टोपी पहनकर वह एआईएमआईएम के कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसके बाद सुर्खियों में आ गए। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने अपने 25 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है।

पार्टी ने इस बार सीमांचल के साथ-साथ उत्तर और दक्षिण बिहार के कई इलाकों में भी अपने उम्मीदवार उतारकर सियासी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। इसके साथ ही ढाका (21) – राणा रंजीत सिंह और सिकंदरा (240) – मनोज कुमार दास को टिकट दिया है। यह दोनों नेता हिंदू हैं। ऐसे में आइए जानते हैं ये दोनों नेता कौन हैं।

कौन हैं राणा रंजीत सिंह और मनोज दास?

रंजीत राणा पूर्वी चंपारण की ढाका सीट भी इस बार चर्चा में हैं, ये मुस्लिम बहुल सीट है, लेकिन असदुद्दीन ओवैसी ने ढाका सीट से कट्टर हिंदू नेता राणा रंजीत सिंह को एआईएमआईएम का उम्मीदवार बनाया है। राणा रंजीत सिंह पूर्व सांसद सीताराम सिंह के बेटे और बीजेपी के पूर्व मंत्री रणधीर सिंह के भाई हैं। वह जब नामांकन का पर्चा भरने पहुंचे तो उनके सिर पर मुस्लिम टोपी, माथे पर तिलक और हाथ में कलावा था।

पर्चा भरने से पहले उन्होंने जय श्रीराम, जय बजरंग बली और आई लव मोहम्मद के नारे लगाए। जिसके बाद चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया था। बता दें कि, सिकंदरा विधानसभा सीट से एआईएमआईएम ने मनोज दास को टिकट दिया है। वह लगातार जनता के बीच जाकर जनसमर्थन जुटा रहे हैं।

बीच सड़क पर प्रसूता ने दिया बच्चे को जन्म

ई- रिक्शा में गूंजी किलकारी; लोगों ने की पुलिस की प्रशंसा

मैनपुरी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रसव कराने के लिए अस्पताल ले जाई जा रही प्रसूता ने बीच सड़क पर पुलिसकर्मियों के सहयोग से ई-रिक्शे में शिशु को जन्म दे दिया। इस घटनाक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही तो पुलिस का मानवीय चेहरा देखने को मिला। नगर के मुहल्ला पुरोहिताना निवासी गुलशन गोस्वामी ई- रिक्शा चलाकर स्वजन का भरण पोषण करते हैं। उनकी 35 वर्षीय पत्नी प्रीति उर्फ हरियाणा गर्भवती थीं।

प्रसव पीड़ा होने पर गुलशन दोपहर साढ़े 12 बजे के करीब अपनी मां के साथ प्रीति को को ई रिक्शा से ही सौ शैय्या अस्पताल ले जा रहे थे। परंतु रास्ते में अत्यधिक प्रसव पीड़ा होने लगी। कचहरी रोड पर होंडा एजेंसी के सामने पहुंचते ही प्रीति को प्रसव शुरू हो गया तो बीच सड़क पर ही रिक्शा रोक दिया गया। इसी दौरान यहां से गुजरते कोतवाली प्रभारी फतेह बहादुर सिंह भदौरिया और महिला थानाध्यक्ष हेमलता सिंह ने महिला के चीखने की आवाज सुनीं तो दोनों रुक गए। महिला थानाध्यक्ष ने महिला पुलिस कर्मियों से रिक्शा पर चादर से पर्दा किया। कोतवाली प्रभारी ने वाहनों के आवागमन को रोका।

उन्होंने जिला अस्पताल के सीएमएस को दो बार काल कर एंबुलेंस भेजने के लिए बोला और हेल्पलाइन 108 नंबर भी डायल किया। परंतु 20 मिनट तक एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। इस बीच महिला ने बीच सड़क पर ई- रिक्शा में ही बालक को जन्म दिया।

नई पत्नी ने करा दी व्यापारी के घर 30 लाख की चोरी

भाई की जान बचाने के लिए की वारदात, फिल्मी है कहानी

मेरठ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीपी नगर के महावीर जी नगर में कपड़ा व्यापारी के घर 30 लाख की चोरी का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। घर में चोरी करने वाला पीड़ित के साले का साला निकला और चोरी की साजिश पत्नी ने की थी। पुलिस ने चोरी के आरोप में पीड़ित की पत्नी, सास, साला और साले का साला गिरफ्तार किया है। कपड़ा व्यापारी के साले को किडनी की बीमारी है और उसके इलाज के लिए मोटी रकम की जरूरत थी। इसलिए व्यापारी की पत्नी ने ही अपने भाई की जान बचाने के लिए चोरी की साजिश मां, भाई और भाई के साले के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने 25 लाख के जेवरात, नकदी समेत अन्य सामान बरामद किया है।

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने पत्रकार वार्ता में बताया कि महावीरजी नगर में कपड़ा व्यापारी पीयूष मित्तल के घर 30 लाख की चोरी हुई थी। सीसीटीवी फुटेज में चौंकाने वाले मामला सामने आया। चोरी व्यापारी के साले रवि बंसल के साले दीपक मित्तल ने की थी।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ तो उसने सनसनीखेज खुलासा किया। एसपी सिटी ने बताया कि कपड़ा व्यापारी की पत्नी पूजा, सास अनीता, साला रवि और गौतमबुद्धनगर के सादोंपुर की झाल निवासी रवि का साला दीपक मित्तल चोरी के आरोप में गिरफ्तार किए हैं। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि घर की हालत सही न होने और भाई रवि की किडनी खराब होने के चलते पूजा ने छह महीने पहले पीयूष के साथ शादी की थी। आरोपियों को जेल भेजा गया है।

निर्दलीय चुनाव लड़ेंगी अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति ! स्थानीय लोगों ने किया स्वागत

रोहतास, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुरी स्टार और अभिनेता पवन सिंह से चल रहे विवाद के बीच अब उनकी पत्नी ज्योति सिंह ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में उतरने का ऐलान कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, ज्योति सिंह काराकाट विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं।

उनके समर्थकों में इस फैसले को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। ज्योति सिंह संभवतः सोमवार को नामांकन दाखिल कर सकती हैं। हाल ही में ज्योति सिंह के पिता रामबाबू सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि अगर पवन सिंह उनकी बेटी को स्वीकार कर लेते हैं तो वह चुनाव नहीं लड़ेंगी, लेकिन यदि ऐसा नहीं हुआ तो काराकाट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरेंगी। ज्योति सिंह बीते लोकसभा चुनाव से ही काराकाट क्षेत्र में लगातार सक्रिय रही हैं। वे कई निजी आयोजनों में शामिल होती रही हैं और लोगों से लगातार मुलाकात कर रही हैं। कुछ दिन पहले ज्योति सिंह ने जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर से मुलाकात की थी। इसके बाद यह चर्चा थी कि वह जन सुराज के टिकट पर चुनाव लड़ सकती हैं। हालांकि अब संकेत मिल रहे हैं कि प्रशांत किशोर के साथ उनकी बात नहीं बनी, जिसके चलते वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगी।

बिहार चुनाव 2025 में वंशवाद का बोलबाला उम्मीदवारों की लिस्ट में नेताओं के रिश्तेदारों की भरमार

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में वंशवाद का दबदबा कायम है। इस चुनाव में भी बड़ी संख्या में उम्मीदवार या तो किसी स्थापित नेता के बेटे, बेटी व पत्नी हैं या निकट संबंधी हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ अरुण कुमार पांडे का कहना है कि वंशवाद के मामले में बिहार में कोई भी राजनीतिक दल खुद को नैतिक रूप से श्रेष्ठ नहीं कह सकता। बिहार के 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों छह और 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

विभिन्न राजनीतिक दलों से कई चर्चित नेता अपने परिवार के सदस्यों को चुनावी मैदान में उतार रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव (पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद के छोटे बेटे एवं उत्तराधिकारी) राघोपुर से, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सम्राट चौधरी (पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के बेटे) तारापुर से, राजद के ओसामा शहाब (गैंगस्टर से राजनेता बने दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे) रघुनाथपुर से मैदान में हैं।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता सासाराम से, पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा के पुत्र एव भाजपा के नितिश मिश्रा झंझारपुर से चुनाव लड़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पुत्रवधू दीपा मांझी, जन सुराज की जागृति ठाकुर (प्रख्यात समाजवादी नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर की पौत्री) मुरवा से, और चाणक्य प्रसाद रंजन (जनता दल-यूनाइटेड सांसद गिरधारी प्रसाद यादव के पुत्र) राजद उम्मीदवार के रूप में बेलहर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

इसके अलावा जद(यू) की कोमल सिंह (लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) सांसद वीणा देवी की पुत्री) गायघाट से, जद(यू) के चेतन आनंद (पार्टी सांसद लवली आनंद के पुत्र) नवीनगर से, भाजपा के नितिन नवीन (भाजपा के दिवंगत नेता नवीन किशोर सिन्हा के पुत्र) बांकीपुर से, संजीव चौरसिया (भाजपा नेता गंगा प्रसाद चौरसिया के पुत्र) दीघा से, और राजद के राहुल तिवारी (राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी के पुत्र) शाहपुर से चुनाव लड़ रहे हैं।

इसी तरह राकेश ओझा (भाजपा के दिवंगत नेता विशेश्वर ओझा के पुत्र) शाहपुर से, वीणा देवी (राजद में हाल में शामिल हुए सूरजभान सिंह की पत्नी) मोकामा से और शिवानी शुक्ला (राजद के बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला की पुत्री) लालगंज से मैदान में हैं। पूर्व सांसद विजय कुमार के पुत्र ऋषि मिश्रा जाले से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। वंशवाद पर ए.एन. सिन्हा समाज अध्ययन संस्थान (पटना) में अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक विद्यार्थी विकास ने कहा, 'राजनीति में जिस तरह से यह (वशंवाद) हो रहा है,

त्योहार पर दर्दनाक हादसा, गंगा में नहाने गई तीन लड़कियां डूबी

गाजीपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजीपुर के करंडा थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह 6.15 बजे लीलापुर अमवाघाट पर गंगा नदी में नहाते समय तीन लड़कियां डूब गईं। स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा डूबी हुई लड़कियों की तलाश के प्रयास जारी रहीं, लेकिन समाचार लिखे जाने तक किसी का पता नहीं चल पाया था। करंडा थाना क्षेत्र के प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि डूबी हुई लड़कियों की पहचान रामजनपुर निवासी पूनम यादव (18) पुत्री रामबचन, रोली यादव (16) पुत्री राजदेव और खुशी यादव (14) पुत्री बबलू के रूप में हुई है। तीनों गांव की अन्य महिलाओं और लड़कियों के साथ गंगा नदी में स्नान करने आई थीं।

नहाते समय वे गहरे पानी में चली गईं, जिससे यह हादसा हुआ। बताया जा रहा था कि तीनों के घर में दीवाली की तैयारी चल रही थी। गंगा स्नान के बाद छोटी दीवाली का पूजन होना था। इससे पहले इस दर्दनाक हादसे से तीनों लड़कियों के परिवार में कोहराम मच गया।

2027 में पीडीए सरकार करोड़ों रुपए के दीए खरीदेगी

क्या डैमेज कंट्रोल है अखिलेश यादव की ये पोस्ट?

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने बयान देते हुए कहा था कि योगी सरकार अयोध्या में दीयों पर हर साल बार-बार इतना पैसा क्यों खर्च कर रही है? यह समझ से परे है। अब उन्होंने एक्स पर ट्वीट करते हुए करोड़ों के दीए खरीदने की बात कही है, जिसके बाद कहा जा रहा है कि वह डैमेज कंट्रोल की कोशिश कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा, "उप्र के प्रजापति समाज के लिए हम ये संकल्प उठाते हैं कि 2027 की दिवाली पर पीडीए सरकार उनके करोड़ों रुपये के दीये ख़रीदेगी, जिनसे उनकी इतनी आमदनी हो सके कि उनके घरों में कई महीनों तक दिवाली का प्रकाश बना रहे।"

बीजेपी पर बाहर से दीए खरीदने का आरोप

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर प्रदेश के दिया बनाने वालों को छोड़ बाहर से दीए खरीदने पर निशाना साधा है। अखिलेश ने कहा कि आज की भाजपा सरकार दूर के तटीय राज्य के लोगों को ये काम देकर उप्र के प्रजापति समाज का हक़ मार रही है। हम चाहते हैं दीया भी उत्तर प्रदेश का हो, बाती भी, तेल भी और रोशनी भी। भाजपा दीपोत्सव के ठेकों में उत्तर प्रदेश के लोगों की उपेक्षा करके दीया तले अंधेरा करने का पाप न करे। उन्होंने आगे कहा कि दीपावली पर्व की शुभकामनाओं के साथ, यही हमारी कामना है कि सच्ची दिवाली का उजाला हर घर तक पहुंचे।

क्रिसमस पर जगमगाते हैं शहर

अखिलेश ने ये भी कहा कि पूरी दुनिया में क्रिसमस के दौरान सभी शहर जगमगा उठते हैं और यह सिलसिला महीनों तक चलता है। हमें उनसे सीखना चाहिए, हमें दीयों और मोमबत्ती पर क्यों खर्च करना और इतना क्यों दिमाग लगाना? हम इस सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं? इसे हटा देना चाहिए।

सुविचार: कवा कोयल की आजवा को दबा सकता है, लेकिन अपनी आवाज को मधुर नहीं कर सकता...

कठोर धरणी एक्ट की वजह से हुआ बीआरएस का पतन : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू सर्वेयर को नियुक्ति पत्र सौंपा

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने "कठोर" धरणी एक्ट लाने के लिए बीआरएस सरकार को गद्दी से उतार दिया।

उन्होंने कहा कि लोगों की सरकार ने राज्य में सत्ता में आने के तुरंत बाद धरणी को खत्म कर दिया और किसानों को उनकी ज़मीन पर मालिकाना हक खोने से बचाया। आज रेवेन्यू सर्वेयर को नियुक्ति पत्र देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार मुट्ठी भर लोगों को ज़मीन पर मनमाना अधिकार देने के लिए धरणी एक्ट लाई थी। लोगों ने विधानसभा चुनाव में बीआरएस सरकार के खिलाफ बड़ा जनादेश दिया था। उन्होंने कहा, "हमने धरणी को खत्म करने का वादा किया था और राज्य में सत्ता में आने के तुरंत बाद उसे पूरा किया।" इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में हर संघर्ष ज़मीन के इर्द-गिर्द घूमता है और हथियारबंद किसानों का संघर्ष ज़मींदारों के दबदबे से आज़ादी दिलाने के लिए था, उन्होंने कहा कि "हम सभी ज़मीन को प्यारी माँ मानते हैं"। पिछली सरकार पर जॉब नोटिफिकेशन जारी न करने के लिए कड़ी आलोचना करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार जॉब नोटिफिकेशन जारी करके सभी खाली जगहें भर रही है। उन्होंने कहा, "जॉब रिक्रूटमेंट प्रोसेस शुरू करके हम बेरोज़गारों की आँखों में खुशी देख रहे हैं।" मुख्यमंत्री ने सर्वेयर से ज़मीन मालिकों के अधिकारों की रक्षा करने और ज़मीन की सीमा तय करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सर्वेयर ने गलती की तो सरकार को नतीजे भुगतने होंगे। यह कहते हुए कि सभी को ज़िम्मेदारी से काम करना चाहिए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि अधिकारियों को भी 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन यूएस डॉलर की इकॉनमी बनाने के लक्ष्य को पाने के लिए सरकार का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, "उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए हमें आपके सहयोग की ज़रूरत है। सर्वेयर तेलंगाना के विकास में पार्टनर हैं। हम सभी को किसानों के साथ भी खड़ा होना चाहिए, जिन्हें देश की रीढ़ माना जाता है।"

सर्वेयर को किसानों के लिए सरकार का दिवाली गिफ्ट : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना के किसानों को, जो दशकों से बहुत नाखुश थे, लाइसेंसी सर्वेयर की नियुक्ति के रूप में दिवाली का गिफ्ट दिया है। शिल्प कलावेदिका में हुए कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शामिल हुए, ट्रेंड सर्वेयर को लाइसेंस बांटे गए। अपनी बात में, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने ज़ोर दिया कि मौजूदा सरकार धरणी पहल के तहत पिछली सरकार की गलतियों को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी के तहत 3,456 लोगों को लाइसेंस दिए गए हैं।

उन्होंने कहा, "बीसी, ईबीसी, एससी और एसटी जैसी कैटेगरी के करीब 10,000 लोगों ने खाली पोस्ट के लिए एप्लीकेशन दी हैं। सरकार ने 7,000 कैंडिडेट को ट्रेनिंग दी है, जिनमें से 3,456 को फील्ड-लेवल ट्रेनिंग के बाद चुना गया है। मुख्यमंत्री अब इन लोगों को ऑफिशियली लाइसेंस दे रहे हैं।"

पोंगुलेटी ने आगे बताया कि ज़मीन खरीदने और टाइटल डीड से जुड़े जीपीओ सिस्टम में कमियों की वजह से करीब 9.80 लाख एप्लीकेशन मिली हैं, जिन्हें कांग्रेस सरकार सिस्टमैटिक तरीके से ठीक कर रही है। मंत्री ने सर्वेयर से कहा कि वे जनता और सरकार के सिद्धांतों का पालन करते हुए, छोटी-मोटी गड़बड़ियों से बचते हुए और यह पक्का करते हुए कि वे लोगों के हितों के खिलाफ काम न करें, अपनी ड्यूटी पूरी लगन से करें। उन्होंने सर्वेयर से कहा कि वे अपने काम से जनता की खुशी बढ़ाने का वादा करें, जो उनके लाइसेंस मिलने पर मिली खुशी को दिखाता है और इस तरह सरकार की रेप्युटेशन को बढ़ाता है।

फ्लाइट में महिला से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

महिला ने विमान के उतरने के बाद शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नई से हैदराबाद जा रही एक उड़ान में 38 वर्षीय महिला आईटी पेशेवर के साथ कथित तौर पर अनुचित छूने के आरोप में एक 40 वर्षीय पुरुष को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को हुई, जब आरोपी नशे में था और उत्तर प्रदेश जा रहा था। महिला अपने पति के बगल में बैठी थी और आरोपी उनके पास ही था। दंपति सो रहे थे, लेकिन विमान उतरने के समय महिला ने देखा कि कोई उसे गलत तरीके से छू रहा है और शोर मचाया। महिला ने हवाई अड्डे पर आरजीआईए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी ने दावा किया कि यह गलती से हुआ। जांच जारी है।

कोत्तागुडेम के आदिवासी युवाओं को हैदराबाद की कंपनियों में प्लेसमेंट

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप मंत्रालय (एमएसडीई) के तहत फर्नीचर और फिटिंग्स स्किल काउंसिल (एफएफएससी) ने शनिवार को यहां विद्यानगर में एफएफएससी -एनएसटीआई कैंपस में मल्टीपर्पस असिस्टेंट - फर्नीचर प्रोडक्शन और इंस्टॉलेशन के ट्रेनी के 8वें बैच का कॉन्वोकेशन सेरेमनी ऑर्गनाइज़ किया।

कॉन्वोकेशन में तेलंगाना के अलग-अलग हिस्सों के स्टूडेंट्स ने ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी की, जिसमें कोत्तागुडेम जिले के आदिवासी गांवों से लाए गए 10 स्टूडेंट्स भी शामिल थे, जिनका कोत्तागुडेम और भद्राचलम के जिला कलेक्टर जितेश वी. पाटिल ने स्वागत किया। जितेश वी. पाटिल ने ग्रामीण और आदिवासी युवाओं को इंडस्ट्री-ओरिएंटेड स्किल ट्रेनिंग देने की पहल की तारीफ़ की और आने वाले बैच के लिए अपने ज़िले के आदिवासी इलाकों से और ज़्यादा स्टूडेंट्स को जोड़ने का अपना इरादा बताया।

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग, जियागुडा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज सोमवार, 20 अक्टूबर 2025 को कार्तिक अमावस्या है
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
Online गौ सेवा के लिये
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेड रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज सोमवार, 20-10-2025 एवं कल मंगलवार, 21-10-2025 अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
अन्नकुट गोपाष्टमी 30-10-2025
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-
गुड़ - दलिया या चुनिभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टगण

आज सोमवार दिनांक 20 अक्टूबर 2025
शुभ दीपावली एवं सोमवती अमावस्या है।
शुभ दीपावली पर हार्दिक शुभकामनाएँ।
चलिये, माँ सरस्वती पूजन, माँ लक्ष्मी पूजन सहित गौ पूजन भी कीजिये।
सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyderabad - 500 052, Cell : 99853 85399, 99894 03635, 94404 37618, 99121 42260, 92465 22435, 93472 11966, 94412 10591, 94414 22085
BANKERS : BANK OF BARODA NALLAKUNTA BRANCH, HYD. A/C. : 75450200001071 IFSC CODE : BARB0VJNAKU
TO AVAIL 80G KINDLY DONATE IN AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST (Provide Pan No. & Obtain Certificate) CANARA BANK, Basheerbagh Branch, A/c : 0878132000033 IFSC CODE : CNRB0000878

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल, शमशाबाद
शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज, हैदराबाद
गौमाता को हरी घास की सेवा कर पुण्य के भागी बनें।
OM SHIV MANDIR GOSHALA MAHAVEER CO.OP URBAN BANK LTD. Shamsherganj Branch C/A No. 003103000000072 IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
SHIV MANDIR GOSHALA AP MAHESH BANK CO.OP URBAN BANK LTD. Begum Bazar Branch C/A No. 002001200018617 IFSC CODE: APMC00002
आज सोमवार, 20 अक्टूबर 2025 को कार्तिक अमावस्या है
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हें सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
Digital Donation are accepted on Google Pay/Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9849710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546
गाय का दूध गौशाला में उपलब्ध है। Home Delivery Available
गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेड रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

श्री धर्मसाई गौशाला
धर्मगिरी, शमशाबाद, आरआर डिस्ट्रीक तेलंगाना-501218
सस्नेह निमंत्रण
कार्तिक अमावस्या
आज सोमवार, 20 अक्टूबर 2025 को कार्तिक अमावस्या है
गौ माता पूजन : सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर गौ सेवा, दान पुण्य के भागीधार बने
C/o Sree Dharmasai Temple, Dharmagiri, Shashabad
SRI DHARMASAI GOW RAKSHA TRUST A/c no-922020006836112 AXIS BANK, Shamshabad branch IFSC code-UTIB0000867 Paytm,GOOGLE PAY, Phone pe:- 9440828585
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेड रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

दीपावली की सभी गौ भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं
आज सोमवार, 20-10-2025 एवं कल मंगलवार 21-10-2025 को अमावस्या है।
दीपावली अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौ सेवा कर पुण्य के भागी बनें। दीपावली अमावस्या पर गौ सेवा (गोसेवा) का विशेष आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व बताया गया है। यह दिन कार्तिक मास की अमावस्या होने के कारण पवित्र माना जाता है, जब लक्ष्मीपूजन के साथ-साथ गौमाता की पूजन और गौ सेवा करने से अत्यधिक पुण्य प्राप्त होता है।
हिंदू परंपरा के अनुसार, दीपावली की रात को लक्ष्मी, नारायण और गौमाता की उपस्थिति को अत्यंत शुभ माना जाता है। गौमाता को धन, समृद्धि और ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी का प्रतीक भी माना गया है। इस प्रकार, दीपावली की अमावस्या पर गौ सेवा करना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और प्रकृति-संतुलन का प्रतीक कार्य है जो जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाता है।
नारायणी गौ सेवा सदन
रोड न. 17, शालिवाहन नगर, मुसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद।
Bank account detail : NARAYANI GOW SEVA SADAN, A/C No. 50200065063209, for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC0001996, TYPE OF ACCOUNT CURRENTACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD.
G Pay PhonePe 9581348889
संपर्क सूत्र : अमन सोनी 6304421076, डी पी तिवारी 9246522435, मोहन बाबू 9573888111, सज्जन डागा 9490929321, पवन अग्रवाल 9346169887
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेड रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

SBI
अपनी दिवाली को खुशियों से रोशन करें।
CELEBRATIONS UNLIMITED
कार लोन
पर्सनल लोन
गोल्ड लोन
म्यूचुअल फंड पर लोन
प्रोसेसिंग फीस में छूट | रियायती ब्याज दरें
सहायता के लिए 1800 1234 | 2100 पर कॉल करें

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 20 अक्टूबर- 2025

सुशिक्षित केरल 'ड्रग्स की दलदल में कैसे जकड़ा

रामस्वरूप रावतसरे

केरल का नाम आते ही जेहन में सबसे पहले शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र आते हैं क्योंकि वामपंथी मीडिया ने इन दोनों को हमेशा आदर्श की तरह पेश किया है। लेकिन क्या अब केरल वाकई एक आदर्श राज्य है? असल में सिर्फ पर्दे के पीछे ही नहीं खुले तौर पर भी केरल ड्रग्स के संकट से जूझ रहा है। शहरों से लेकर गाँवों तक केरल का कोई कोना इस समस्या से अछूता नहीं है। ड्रग्स के कारण सैकड़ों जिंदगियाँ तबाह हो चुकी हैं और अनगिनत परिवार टूट गए हैं। अब तक पंजाब को भारत का 'ड्रग्स का गढ़' माना जाता था लेकिन ताजा रिपोर्ट्स केरल की एक भयावह तस्वीर पेश करती हैं। सिर्फ साल 2024 में ही राज्य में 27,700 मादक पदार्थों से जुड़े मामले दर्ज किए गए, जो पंजाब से तीन गुना ज्यादा हैं। पंजाब में इसी अवधि में सिर्फ 9,000 के करीब केस दर्ज हुए। आबादी के लिहाज से देखें तो केरल में हर एक लाख लोगों पर मादक पदार्थों से जुड़े 78 केस सामने आए हैं और यह दर पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य के सभी 14 जिले इस संकट से प्रभावित हैं। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही केरल में 30 हत्याएँ हुईं, जिनमें से आधी ड्रग्स से जुड़ी थीं।

राज्यसभा में 12 मार्च 2025 को पेश किए गए आँकड़ों के अनुसार पिछले तीन सालों से एनडीपीएस एक्ट के तहत सबसे अधिक मामले केरल में ही दर्ज हो रहे हैं। साल 2022 में 26,918 केस, 2023 में 30,715 केस और 2024 में 27,701 केस दर्ज हुए। इसकी तुलना में पंजाब में यही आँकड़े 12,423, 11,564 और 9,025 रहे। महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में भी मामले इतने नहीं हैं। यह साफ इशारा करता है कि नशे से जुड़े अपराधों के मामले में केरल अब 'हॉटस्पॉट' पंजाब से कहीं आगे निकल चुका है। जानकारी के अनुसार सन 1971 में अमेरिका के हाई स्कूल में पढ़ने वाले 5 दोस्तों ने 4 बजकर 20 मिनट का समय अपने 'गांजा सेशन' के कोड के तौर पर तय किया था। आधी सदी से भी ज्यादा वक्त गुजरने के बाद यही '420 कल्चर' अब दुनिया भर के युवाओं में फैल चुका है और केरल की नई पीढ़ी भी इससे अछूती नहीं रही। यहाँ के युवाओं के बीच यह '420 कल्चर' अब एक तरह के 'बगावत के प्रतीक' के रूप में देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केरल के युवाओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर '420' शब्द वाले हैशटैग और स्लैंग खुलेआम देखे जा सकते हैं। इंस्टाग्राम, स्नैपचौट और फेसबुक पर '420' से जुड़ी मीम्स और वीडियो यह दर्शाते हैं कि किस तरह नशे की संस्कृति को अब कूल बना दिया गया है और यह युवाओं के बीच लोकप्रिय होता जा रहा है। गांजा को अक्सर एक 'हल्का नशा' मान लिया जाता है। लेकिन जमीनी हकीकत देखने पर समझ आता है कि यह नशे की लत को बढ़ाता ही जाता है। कई किशोर नशेड़ियों ने अधिकारियों को दिए बयानों में बताया कि उनका नशे की लत का सफर स्कूल के दिनों में दोस्तों के साथ गांजा पीने से शुरू हुआ और फिर धीरे-धीरे यह एमडीएमए , कोकीन और मेथ जैसे खतरनाक ड्रग्स तक पहुँच गया।

एक सरकारी अध्ययन में पाया गया कि केरल के 10वीं कक्षा के 37 प्रतिशत और 8वीं कक्षा के करीब 23 प्रतिशत छात्रों ने कभी न कभी कोई अवैध नशा या इनहेलेंट आजमाया है। इनमें सबसे अधिक प्रचलित गांजा ही है। स्थानीय मीडिया ने इस संकट को 'उड़ता केरल' नाम दिया है, ठीक उसी तरह जैसे 'उड़ता पंजाब' फिल्म ने पंजाब के नशे की हकीकत उजागर की थी। अधिकतर मामलों में केरल के युवाओं की नशे की शुरुआत गांजा से होती है लेकिन अब यह आसानी से उपलब्ध भी है। राज्य की पुलिस और एक्साइज विभाग के मुताबिक, आज केरल के बाजार में 'हाइड्रोपोनिक गांजा' नाम की एक बेहद शक्तिशाली किस्म फैली हुई है जिसमें टीएचसी का स्तर 40 प्रतिशत से भी अधिक होता है। यह गांजा खेतों में नहीं बल्कि लैब में तैयार किया जाता है और अधिकतर दक्षिण-पश्चिम एशिया से तस्करी करके लाया जाता है। 2022 में ऐसे गांजे की तस्करी लगभग ना के बराबर थी, लेकिन 2024-25 में ही अधिकारियों ने 89 किलो से अधिक गांजा एयरपोर्ट्स पर पकड़ा। 2025 के शुरुआती 7 महीनों में यह जब्ती 129.7 किलो तक पहुँच गई है।

केरल में नशे की समस्या के पीछे कई गहरे और आपस में जुड़े कारण हैं, जिन्होंने इस राज्य को नशे की लत के प्रति बेहद संवेदनशील बना दिया है। भौगोलिक स्थिति यहाँ वरदान भी है और अभिशाप भी। केरल का 590 किलोमीटर लंबा समुद्र तट अरब सागर से जुड़ा है। यह जहाँ अंतरराष्ट्रीय व्यापार को आसान बनाता है, वहीं दूसरी ओर मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक खुला दरवाजा भी बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में तस्करों ने केरल के तटवर्ती अंतरराष्ट्रीय जहाज मार्गों का खुलकर फायदा उठाया है। इसके अलावा, राज्य की नजदीकी बड़े ट्रांजिट हब्स जैसे बेंगलुरु और चेन्नई से होने के कारण यहाँ जमीन के रास्ते बनी नशे की सप्लाई चेन और भी मजबूत हो गई है। कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केरल में अब नशे की होम डिलीवरी उसी तरह हो रही है जैसे पिज्जा ऑर्डर किया जाता है। बाइक पर घूमने वाले डिलीवरी एजेंट्स ग्राहकों के दरवाजे तक नशा पहुँचा रहे हैं। कई पेडलर (तस्कर) सुपरबाइक्स पर नकली नंबर प्लेट लगाकर घूमते हैं और शक से बचने के लिए खुद को 'युवा जोड़ों' के रूप में पेश करते हैं। इस 'ई-कॉमर्स स्टाइल' नशे के धंधे ने पुलिस की नींद उड़ा दी है क्योंकि उन्हें लगातार अपनी जाँच और ट्रैकिंग तकनीक को अपडेट करना पड़ रहा है ताकि इन स्मार्ट तस्करों से निपटा जा सके। सप्लाई चेन के अलावा, केरल के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं ने भी नशे के लिए उपजाऊ जमीन तैयार की है। केरल में बेरोजगारी भी इस समस्या को बढ़ाने वाला बड़ा कारण है। राज्य में हर साल हजारों ग्रेजुएट निकलते हैं लेकिन उनके सपनों के मुकाबले अवसर बहुत कम हैं। कई युवा बिना नौकरी के खाली बैठे रहते हैं और इसी खालीपन को नशा भर देता है। धीरे-धीरे कई लोग खुद नशा बेचने लगते हैं ताकि कुछ कमाई कर सकें। इसके अलावा, केरल से बड़ी संख्या में लोग विदेशों खासकर खाड़ी देशों में काम करने जाते हैं। उनके बच्चे यहाँ अकेले रह जाते हैं।

भारत के कुल नशीले पदार्थों के व्यापार का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान से जुड़ी डी-कंपनी (दाऊद इब्राहिम सिंडिकेट) के नियंत्रण में है, जो परंपरागत रूप से उत्तर भारत के रास्ते ड्रग्स की सप्लाई करती थी। लेकिन अब केरल इस नेटवर्क का नया ठिकाना बन चुका है। 2024 से राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ अपने अभियानों को तेज किया है। 'ऑपरेशन डी-हंट' के तहत विशेष दस्तों ने अचानक छापेमारी अभियान चलाए। 22 फरवरी से 1 मार्च 2025 के बीच पुलिस ने 17,256 संदिग्धों की जाँच की, 2,762 एनडीपीएस मामले दर्ज किए और 2,854 लोगों को गिरफ्तार किया। इसी के दौरान, एजेंसियों ने 1.3 किलो एमडीएमए, 153.5 किलो गांजा, और थोड़ी मात्रा में हेरोइन व हैश ऑयल जब्त किया। इसके बाद 11 सितंबर 2025 को पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई, जिसमें 146 गिरफ्तारियाँ और 140 नए केस दर्ज हुए। एमडीएमए और गांजा दोनों बरामद हुए। प्रमुख कार्रवाइयों में अगस्त 2024 में हैदराबाद में एक फार्मा यूनिट के नाम पर चल रही एमडीएमए लैब का भंडाफोड़ और सितंबर 2024 में ओडिशा में गांजा की खेती चला रहे एक केरल निवासी की गिरफ्तारी शामिल थी। एनसीआरबी के मुताबिक, 2022 में केरल में एनडीपीएस कानून के तहत हुई कुल गिरफ्तारियों में से करीब 93.7 प्रतिशत मामले 'निजी इस्तेमाल' के थे। लगभग 26,600 गिरफ्तारियों में से केवल 1,660 तस्कर थे जबकि 24,959 लोग 'कम मात्रा' में ड्रग्स रखने वाले उपभोक्ता थे।

लंदन के चांदी भंडार खाली

चांदी की बिक्री की सुनामी सिर्फ भारत में ही नहीं आई है, बल्कि इसकी मांग का सैलाब लंदन तक पहुंच गया है। कहां तो उम्मीद की जा रही थी लंदन में बसे भारतीय धनतेरस पर जमकर खरीदारी करेंगे। वे लक्ष्मीजी की पूजा के लिए चांदी खरीदने की तैयारी कर ही रहे थे कि पता चला पिछले हफ्ते की शुरुआत में भारत की सबसे बड़ी कीमती धातु रिफाइनरी में चांदी के स्टॉक खाली हो चुका है। जानकार बताते हैं कि इस तरह की घटना इतिहास में पहली बार हुई है। पता चला है कि पिछले हफ्ते के अंत चांदी खरीदने का ऐसा उन्माद लंदन के चांदी बाजार तक फैल गया था। लंदन में दुनिया के सबसे बड़े बैंक भारी मात्रा में खरीद-बिक्री करते हैं। वहां भी उपलब्ध चांदी खत्म हो गई। चांदी का कारोबारियों का कहना है कि इससे बाजार में भूकंप जैसा माहौल बन गया था, बाजार लगभग टूट गया था। बड़े बैंक भी कीमतें बताना बंद कर रहे थे क्योंकि उन्हें ग्राहकों के गुस्से और थकान से भरे फोन कॉल्स का सामना करना पड़ रहा था। भारत में वैश्विक कीमतों से ऊपर चांदी के प्रीमियम (जो आमतौर पर कुछ सेंट प्रति औंस से अधिक नहीं होते थे) वे भई 0.50 डॉलर से ऊपर और फिर 1 डॉलर से ऊपर बढ़ने लगे। इस तरह की भारी मांग के बाद बाद भी आपूर्ति कम हो गई। खास बात यह कि जब भारत की मांग बढ़ रही थी तो चीन का बाजार एक सप्ताह की छुट्टी के लिए बंद हो गया। चीन आपूर्ति का एक प्रमुख स्रोत माना जाता रहा है। ऐसे में बुलियन डीलरों ने लंदन का रुख किया। उन्हें जल्द ही पता चला कि शहर के कीमती धातु के वॉल्ट (सुरक्षित तिजोरियां) काफी हद तक बिक चुके थे। हालांकि लंदन के वॉल्ट वैश्विक बाजार को सहारा देते हैं, उनमें 36 अरब डॉलर से अधिक की चांदी है। लेकिन इसका अधिकांश हिस्सा एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के निवेशकों के स्वामित्व में था। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक 9 अक्टूबर तक (धनतेरस से कुछ दिन पहले) लंदन का चांदी बाजार सबसे बड़े संकट से जूझ रहा था। कंसल्टेंसी मेटल्स फोकस के अनुसार, रातोंरात चांदी उधार लेने की लागत सालाना 200% तक पहुंच गई। जैसे ही लंदन पर हावी बड़े बैंकों ने चांदी बाजार से पीछे हटना शुरू कर दिया, वैसे ही खरीद और बिक्री मूल्य का अंतर इतना बढ़ गया कि व्यापार लगभग असंभव हो गया। चांदी की भारी मांग की वजह से देखते ही देखते लंदन के भंडार चांदी से खाली हो गए। लंदन बाजार में हर दिन लगभग 250 मिलियन औंस चांदी के कारोबार को सहारा देने के लिए बहुत कम धातु बची। मेटल्स फोकस के अनुसार अक्टूबर की शुरुआत तक लंदन चांदी बाजार में ईटीएफ के स्वामित्व वाले धातु के फ्री फ्लोट (खुले बाजार में उपलब्ध धातु) घटकर 150 मिलियन औंस से कम हो गए थे। बहरहाल, खुशी की बात है कि भारतीय बाजार में चांदी आसानी से उपलब्ध रही। यह बात अलग है कि आम खरीदारों की पहुंच से बाहर हो गई थी। इसके बावजूद खरीदारी में कोई कमी नहीं रही। बढ़ती मांग को देखते हुए बाजार का अनुमान है कि चांदी जिस रफ्तार से बढ़ रही है इससे आगामी दिनों में दो लाख रुपए किलो तक पहुंच जाएगी।

कुंभ मेला में इंडियन रेलवे ने लिखी थी सफलता की कहानी

इति पांडे पीसीसीएम

2025 में प्रयागराज में हुआ कुंभ मेला दुनिया के सबसे बड़े इंसानों के जमावड़े में से एक था, जो भीड़ को कंट्रोल करने के बड़े पैमाने और बारीकी, दोनों का उदाहरण है। लाखों लोग अमृत काल में संगम में पवित्र डुबकी लगाने के लिए इकट्ठा हुए, यह एक ऐसा इवेंट है जो 12 साल में एक बार होता है। इस साल अंदाज़न 670 मिलियन लोग इस इवेंट में शामिल हुए। एक दिन में सबसे ज्यादा लोग 29 जनवरी 2025 को आए, जब 76 मिलियन लोग शामिल हुए। इंडियन रेलवे ने इस इवेंट की प्लानिंग में महीनों लगाए। इस दौरान कई अहम कदम उठाए गए। ट्रेन के आसान ऑपरेशन के लिए टेम्पररी टर्मिनल और सैटेलाइट स्टेशन खोले गए। एआई बेस्ड क्राउड डेंसिटी टूल और ड्रोन सर्विलांस का चौबीसों घंटे इस्तेमाल किया गया। रेलवे, पुलिस और सिविल अधिकारियों के बीच रियल टाइम कोऑर्डिनेशन फ्रंट लाइन स्टाफ को शांत रहने और साफ़-साफ़ बात करने के लिए बिहेवियरल ट्रेनिंग। सपोर्ट के तौर पर एपीएई, एआआ और एनालिटिक्स वाली टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया। समय-समय पर री-डिज़ाइन और मॉक ड्रिल के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार था। इंडियन रेलवे ने रिकॉर्ड 17152 ट्रेनें चलाई और तीर्थयात्रियों की भीड़ को मैनेज करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और पैसेंजर सुविधाओं को काफी बेहतर बनाया। प्रयागराज और आस-पास के दूसरे स्टेशनों को बड़े पैमाने पर अपग्रेड किया गया, जिसमें 48 नए प्लेटफॉर्म, 21 फुट ओवर ब्रिज और 21 रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज शामिल हैं। प्रयागराज, फाफामऊ, रामबाग और झूसी में कई यार्ड रीमॉडलिंग का काम किया गया। पीक टाइम में भीड़ को मैनेज करने के लिए परमानेंट होल्डिंग एरिया बनाए गए। पैसेंजर फ्लो को मैनेज करने के लिए कंट्रोल रूम में लाइव फीड वाले 1186 सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों का इस्तेमाल किया गया। मल्टी-लिंगुअल मोड में अनाउंसमेंट से कम्युनिकेशन आसान हो गया। ट्रैफ़िक मैनेजमेंट के लिए 9 स्टेशनों का इस्तेमाल किया गया और भगदड़ रोकने के लिए पैसेंजर की एक तरफ से आवाजाही को अपनाया गया। प्रयागराज में अपनाया गया भीड़ मैनेजमेंट का यह मॉडल अब इंडियन रेलवे सिस्टम भर में अपनाया जा रहा है। जैसे-जैसे भारत नासिक (2027) में सिंहस्थ कुंभ, राजमुंड्री (2027) में पुष्करम और उज्जैन (2028) में कुंभ के लिए तैयार हो रहा है, इन सभी स्टेशनों पर कैपेसिटी बढ़ाने के लिए बड़े रीडेवलपमेंट का काम किया जा रहा है। प्रयागराज में इंडियन रेलवे की सफलता की कहानी देश भर में सुरक्षित भीड़ मैनेजमेंट के तरीकों को अपनाने का एक तरीका है। सिमुलेशन मॉडल, साफ़ साइनेज, भीड़ की मूवमेंट मैपिंग और इमरजेंसी कम्युनिकेशन सिस्टम के साथ बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड, असरदार भीड़ मैनेजमेंट के लिए बहुत ज़रूरी हैं। नतीजा यह है कि भीड़ बढ़ती रहेगी; जमावड़े बंद नहीं होंगे। लेकिन अगर समझदारी और सहानुभूति के साथ मैनेज किया जाए, तो वे वही रह सकते हैं जो उन्हें होना चाहिए – सामूहिक मकसद की झलक, सामूहिक घबराहट की नहीं। कुंभ और भारत के हर भीड़ भरे प्लेटफॉर्म से सबक हमेशा एक जैसा रहने वाला है; बहुत से लोगों को एक साथ लाने के लिए हमें पहले मन को समझना होगा। इंडियन रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए होल्डिंग एरिया बनाकर बड़े त्योहारों के मौसम और गर्मियों की भीड़ के दौरान भीड़ मैनेजमेंट को संभालने की योजना शुरू की है। देश के सबसे बिज़ी टर्मिनल में से एक पर पैसेंजर के अनुभव को काफ़ी बेहतर बनाने के लिए, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर नया यात्री सुविधा केंद्र (परमानेंट होल्डिंग एरिया) बनाया गया है। यह सेंटर किसी भी समय लगभग 7,000 पैसेंजर के लिए बनाया गया है, जिससे प्री-बोर्डिंग आराम और फ़्लो काफ़ी बढ़ गया है। यह स्टेट ऑफ़ द आर्ट यात्री सुविधा केंद्र त्योहारों के मौसम में पैसेंजर को आराम देगा क्योंकि पैसेंजर की संख्या में काफ़ी बढ़ोतरी होती है। देश के दूसरे स्टेशनों पर भी यात्री सुविधा केंद्र बनाए जाएंगे।

भाई दूज: प्रेम और अपनापन कैसे बना रहे?

डॉ. प्रियंका सौरभ

दीवाली के बाद का शांत उजाला जब धीरे-धीरे घरों में उतरता है, तब आती है भाई दूज की सुबह - मिठास और ममता से भरी। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती करती हैं और मन ही मन यह कामना करती हैं कि उनका भाई सदा सुखी रहे। बदले में भाई बहन को उपहार देता है और यह वादा कि जीवनभर उसका साथ निभाएगा। यह दृश्य जितना सरल लगता है, उतना ही गहरा भी है। क्योंकि यह सिर्फ एक तिलक नहीं, रिश्तों में भरोसे, सुरक्षा और प्रेम की लकीर खींचने का संस्कार है।

लेकिन आज जब समय बदल रहा है, रिश्तों की परिभाषाएँ बदल रही हैं, तब यह सवाल उठता है कि क्या भाई दूज का वही अपनापन और स्नेह अब भी पहले जैसा है? क्या भाई-बहन का रिश्ता अब भी उतना ही सहज, निर्भीक और भावनाओं से भरा है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी और आँगन की धूप में होता था? कभी भाई दूज सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव हुआ करता था। बहनें सवेरे से तैयार होकर भाई की प्रतीक्षा करती थीं, घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दूर से बहन के घर पहुँचते थे, क्योंकि यह दिन मिलन का होता था। न कोई दिखावा, न औपचारिकता-बस भावनाओं का सच्चा प्रवाह। उस समय रिश्तों में दूरी नहीं, दिलों की गर्माहट थी।

आज भी भाई दूज मनाया जाता है, पर उसकी आत्मा कहीं धुंधली पड़ने लगी है। अब भाई दूज का तिलक कई बार व्हाट्सएप पर भेजे गए इमोजी से लग जाता है, राखी और तिलक दोनों ऑनलाइन ग्रीटिंग्स में सिमट गए हैं। "भाई दूज मुबारक" का संदेश सोशल मीडिया पर चमकता है, पर उसके पीछे की नज़रों में अब वो अपनापन नहीं दिखता जो किसी बहन की आँखों में तब झलकता था जब वह अपने भाई का चेहरा देखती थी। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, संवेदना का भी है। समय ने हमें जोड़ा जरूर है, पर जोड़े हुए रिश्ते अब दिलों से ज़्यादा डिवाइसों में रहने लगे हैं। भाई दूज जैसे पर्व जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक थे, अब "स्टेटस अपडेट" बनते जा रहे हैं। इस बदलाव की जड़ें आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिकता और आत्मकेंद्रित सोच में हैं, जिसने हमें अपनों से दूर कर दिया है। भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा नहीं, बल्कि उस भावनात्मक संतुलन का प्रतीक भी है, जिसमें भाई सुरक्षा देता है और बहन संवेदना। दोनों एक-दूसरे की जरूरत बनकर रिश्तों के समाज का ढांचा खड़ा करते हैं। लेकिन आज की पीढ़ी में यह रिश्ता धीरे-धीरे औपचारिक होता जा रहा है। शहरों में बढ़ती व्यस्तता, प्रवास, और आत्मनिर्भर जीवनशैली ने भाई-बहन के रिश्तों को एक 'मौके की मुलाकात' बना दिया है। जहाँ पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर दिन भर का समय उसके परिवार के साथ बिताता था, अब वह मुलाकात कुछ मिनटों या वीडियो कॉल तक सीमित रह जाती है। बहनें भी अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, भावनात्मक रूप से मज़बूत हैं, और जीवन के हर फैसले खुद लेती हैं। यह बदलाव सकारात्मक भी है, क्योंकि अब बहनें "सुरक्षा की मोहताज" नहीं, बल्कि बराबरी के आत्मसम्मान की प्रतीक हैं। मगर इस बराबरी के दौर में भी रिश्तों की गर्माहट बनी रहना जरूरी है। त्योहारों का उद्देश्य ही यही होता है-रिश्तों को दोबारा गढ़ना, दूरी मिटाना। भाई दूज हमें हर साल यह याद दिलाती है कि रिश्तों का पोषण केवल खून से नहीं, व्यवहार से होता है। लेकिन आधुनिकता की रफ्तार ने हमें इतना व्यस्त कर दिया है कि हम भावनाओं को भी समय-सारिणी में बाँधने लगे हैं। कभी-कभी लगता है कि रिश्ते अब कैलेंडर पर टिके कुछ त्योहारी दिनों के मेहमान बन गए हैं। आज की बहनें केवल उपहार नहीं, भावनात्मक साझेदारी चाहती हैं। उन्हें यह नहीं चाहिए कि भाई बस त्योहार पर पैसे या गिफ्ट दे दे; वे चाहती हैं कि भाई उन्हें समझे, उनका सम्मान करे, उनके निर्णयों में साथ खड़ा रहे। और भाई भी चाहते हैं कि बहन सिर्फ स्नेह की मूर्ति नहीं, बल्कि सहयोग और संवेदना की साझेदार बने। यही रिश्ते का नया रूप है-बराबरी और आत्मीयता का संतुलन। भाई दूज अब केवल बहन की सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और संवाद का भी प्रतीक बनना चाहिए। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ बचपन का नहीं होता, वह उम्रभर का साथ है। भले जीवन के रास्ते अलग हों, पर दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए। आज का समाज रिश्तों को "प्रोडक्टिविटी" और "प्रोफेशनलिज़्म" की कसौटी पर तौलने लगा है। हम दोस्ती में भी फायदे ढूँढ़ते हैं, तो पारिवारिक रिश्ते भी कभी-कभी बोझ लगने लगते हैं। भाई दूज ऐसे ही समय में हमें झकझोरती है-कि प्रेम का कोई विकल्प नहीं होता। तकनीक रिश्ते बना सकती है, पर आत्मीयता केवल स्पर्श, मुस्कान और अपनापन से आती है। यह सही है कि समय बदल रहा है और रिश्तों की शैली भी बदलनी चाहिए। लेकिन हर बदलाव में भावनाओं का बीज बचा रहना जरूरी है। भाई दूज के पर्व को नया अर्थ देना होगा-जहाँ भाई और बहन दोनों एक-दूसरे की भावनाओं, संघर्षों और स्वतंत्रता का सम्मान करें। त्योहार तभी जीवित रहते हैं जब वे समय के साथ अपनी आत्मा को बचाए रखते हैं। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि समानता चाहती हैं; और भाई भी यह समझने लगे हैं कि बहन की स्वतंत्रता उसकी शक्ति है, विद्रोह नहीं। यह समझदारी इस रिश्ते को और गहरा बना सकती है। भाई दूज अब उस सामाजिक ढांचे का प्रतीक बन सकता है जहाँ पुरुष और स्त्री के बीच सहयोग और संवेदना का रिश्ता हो, न कि संरक्षण और निर्भरता का। कभी-कभी लगता है कि त्योहारों की भी अपनी भाषा होती है, जो हमें वह सब याद दिलाती है जिसे हम रोज़मर्रा की ज़िंदगी में भूल जाते हैं। भाई दूज की भाषा है-स्मृति और स्नेह की। यह पर्व हमें उस समय में ले जाता है जब हम बिना कारण किसी की परवाह करते थे, जब रिश्ते लेन-देन नहीं, जीवन का आधार थे। इस पर्व के बहाने हमें अपने भीतर झाँकना चाहिए-क्या हम अब भी उतने ही आत्मीय हैं जितने बचपन में थे? अगर इस सवाल का उत्तर 'हाँ' है तो यह त्योहार जीवित है। और अगर उत्तर 'न' है, तो हमें इसे फिर से जीवित करना होगा-किसी सोशल मीडिया पोस्ट से नहीं, बल्कि सच्चे व्यवहार से। किसी बहन के घर जाकर उसका हाल पूछने से, किसी भाई को गले लगाने से, किसी बचपन की याद को फिर से जीने से। भाई दूज का असली अर्थ यही है कि रिश्तों की दीवारों पर समय की धूल जम जाने के बावजूद उनका रंग न फीका पड़े। यह पर्व हमें सिखाता है कि प्रेम का रिश्ता कभी पुराना नहीं होता, बस हमें उसे झाड़-पोंछकर चमकाना आना चाहिए। आज जब दुनिया 'डिजिटल रिश्तों' की ओर बढ़ रही है, तो ऐसे पर्व हमें धरती से जोड़ते हैं। हमें बताते हैं कि मानवीय भावनाएँ अब भी सबसे बड़ी पूँजी हैं। इसलिए भाई दूज का तिलक केवल माथे पर नहीं, मन पर लगाना चाहिए-जहाँ अपनापन, स्मृति और कृतज्ञता की लकीरें स्थायी रहें। भाई दूज का संदेश बहुत सीधा है-रिश्तों को निभाने के लिए कोई बड़ी रस्म नहीं चाहिए, बस छोटी-छोटी संवेदनाएँ चाहिएं। कभी एक फोन कॉल, कभी एक पत्र, कभी बिना कारण किया गया धन्यवाद-यही वो छोटे तिलक हैं जो भाई-बहन के रिश्ते को जीवित रखते हैं। समय बदलेगा, त्योहार भी रूप बदलेंगे, पर प्रेम और अपनापन अगर मन में बसा रहा, तो रिश्ते कभी टूटेंगे नहीं। भाई दूज हमें यह याद दिलाने आया है कि जीवन चाहे जितना तेज़ हो जाए, एक दिन रुककर किसी प्रिय को तिलक लगाना, उसकी आँखों में अपनेपन की रोशनी देखना-यही सच्चा त्योहार है।

फैशनी रिश्ते

डॉ. सुरेश कुमार

घर के पुराने आँगन में, जहाँ चौके की तवे पर रोटियाँ केवल घी-संस्कार से फूला करती थीं, आजकल वहाँ गैजेटों की खटर–पटर सुनाई देती है, जैसे रिश्ते अब मोबाइल के नोटिफिकेशन की तरह वक़्त–वक़्त पर केवल बजते हैं और फिर चुप्पी साध लेते हैं। बेटे और बहू की दुनिया ही कुछ ऐसी है कि लगता है, वो दोनों किसी अदृश्य एप्लिकेशन में लॉगिन हो गए हैं और घर का वाई-फ़ाई उनका निजी रोमांस बनाए रखने के लिए ही चल रहा है। बहू बेटे से सटी रहती है जैसे पुराने ज़माने का बंधन नहीं, बल्कि आज का 'कॉम्पैक्ट चार्जिंग वायर', जो हमेशा सॉकेट से जुड़ा रहे तो ही काम करता है। भोजन अब थाली में नहीं, बल्कि कैमरे पर सर्व होता है-पहले फोटो, फिर बाइट, और फिर थोड़ी-सी मुस्कान-बाकी पेट भरे या न भरे, भगवान जाने! माँ जब पूछती है कि कुछ चाहिए? तो जवाब आता है, मम्मी, हमने स्विगी कर दिया! जैसे अब माँ अर्ज़ी लेने वाली कोई पुरानी चौकीदार हो और बेटे-बहू की इच्छाएँ ऑनलाइन शॉपिंग कार्ट में बंद हों। सास को याद आता है कि जब उसके ज़माने में पति तम्बाकू पीते थे तो वह बिना कहे पानी का गिलास रख देती थी, और सच पूछो तो वही सेवा कहलाती थी, मगर आजकल तो सेवा केवल नेटवर्क कवरेज है-जहाँ दिल मिलते हों, वहीं से कॉल क्लियर हो जाते हैं। माँ सोचती है कि क्या वक़्त भी एक ऐप है, जिसे बच्चे 'अपडेट' कर चुके हैं और वह अभी भी उसके पुराने वर्ज़न पर फँसी हुई है, जहाँ सास-बहू की रसोई की परिभाषा आलू-भरता और खिचड़ी से लिखी जाती थी, न कि पिज़्ज़ा और पास्ता से। रिश्तों पर भी 'सेल' लग चुकी है-एक के साथ, एक फ्री-लव के साथ फ्री कैजुअलनेस, और मर्यादा की बोलियों को जैसे नीलाम कर दिया गया हो किसी मॉल की उद्घोषणा में। उसकी आँखों में जलन नहीं, धुंध है-वह धुंध जो तब बनती है जब चूल्हे के धुएँ को कोई चिमनी चूस ले, पर देह की गंध और आत्मा की पीड़ा वहीं पड़ी रह जाए। घर अब घर नहीं, किसी शो-रूम की तरह हो गया है जहाँ 'लिविंग रिलेशन' नाम की कुर्सी रखी हुई है, जिस पर उसका बेटा और बहू हाथों संभालकर बैठे रहते हैं, और वह खुद... खुद तो बस कोने में वही पुरानी झूला-कुर्सी लिये एक सजीव मूर्ति बन चुकी है। उसे लगता है, वह अब चाह कर भी अपने ही घर की मेहमान रह गई है-जैसे विरासत कोई टूटा हुआ संदूक है, जिसे बच्चे अपने नए फ्लैट में रखने की जगह भी नहीं बनाना चाहते। उसके कानों में बेबी... जान... स्वीट... हनी... बार–बार गूँजता है और उसके होंठों पर फिसलता है वही भूला-बिसरा प्रश्न-मुझे क्या कहोगे? लेकिन जवाब कहीं आता नहीं।

भारतीय स्वदेशी लड़ाकू विमान आसमान में मना रहे दीपावली

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत की आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति को इस दीवाली एक नई बुलंदी मिली जब देश के उन्नत स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1एने आज सफलतापूर्वक अपनी पहली उड़ान भरी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के नासिक स्थित एयरक्राफ्ट मैन्यूफैक्चरिंग डिविजन से इस लड़ाकू विमान ने उड़ान भरकर आसमान में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस ऐतिहासिक पल के गवाह खुद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बने, जिन्होंने इस उपलब्धि को देश के लिए एक मील का पत्थर बताया।

तेजस की यह पहली उड़ान भारत में अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के निर्माण की दिशा में एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है। इस विशेष अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एलसीए एमके1ए की तीसरी प्रोडक्शन लाइन का भी उद्घाटन किया, जिससे विमानों के उत्पादन में और तेजी आएगी।

इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एचएएल के नए 'मिनी स्मार्ट टाउनशिप' प्रोजेक्ट का उद्घाटन करते हुए संस्थान की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि एचएएल ने इस प्रोजेक्ट के जरिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट (सतत विकास) में एक मिसाल कायम की है। राजनाथ सिंह ने कहा, "जब पूरी दुनिया पर्यावरण बचाने की बात कर रही है, ऐसे में HAL का यह मॉडल दूसरी इंडस्ट्रीज के लिए एक बेंचमार्क बनेगा।"

हालांकि, तेजस एमके1ए को भारतीय वायुसेना के बेड़े में कब शामिल किया जाएगा, इसकी आधिकारिक तारीखों का ऐलान अभी नहीं हुआ है। लेकिन, एचएएल के अनुसार, आने वाले चार वर्षों के भीतर भारतीय वायुसेना को 83 तेजस मार्क1ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति कर दी जाएगी। बताया जा रहा है कि अमेरिकी इंजन की आपूर्ति में देरी के कारण इसके निर्माण में कुछ विलंब हुआ है।

नासिक स्थित एचएएल की डिविजन में हर साल आठ लड़ाकू विमान बनाने की क्षमता है। इसके अलावा बेंगलुरु में स्थित दो प्रोडक्शन लाइनों पर हर साल 16 तेजस विमान बनाए जाते हैं। नई प्रोडक्शन लाइन शुरू होने से यह क्षमता और भी बढ़ जाएगी, जिससे वायुसेना की ताकत में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एलसीए मार्क 1ए का पहली बार उड़ान भरना निःसंदेह देश को गर्वांवित करने वाला है, क्योंकि विमानन और रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस लड़ाकू विमान का उड़ान भरना भारत की रक्षा उद्योग की परिपक्वता, नीति-दिशा और दीर्घकालिक रणनीति को प्रमाणित करने के साथ ही 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों को एक नई ऊर्जा प्रदान करता है। यह इस बात का संकेत है कि रणनीतिक दृष्टिकोण और राजनीतिक इच्छाशक्ति से कैसे सामरिक क्षमताओं को सहजता से एकीकृत किया जा सकता है। इस उपलब्धि को सिर्फ एक तकनीकी मील का पत्थर नहीं मानना चाहिए, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता तथा विदेश नीति में बदलती परिदृश्यों के बीच विवेकपूर्ण संतुलन का प्रतिबिंब है। दरअसल तेजस मार्क 1ए का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा भारत में निर्मित है और यह एक उन्नत, बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। यह स्वदेशी 4.5-पीढ़ी का विमान है, जो सभी मौसमों में काम करने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) का यह एडवांस वर्जन है और यह चौथी पीढ़ी का मल्टी-रोल फाइटर जेट है हल्का, तेज और सटीक वार करने में सक्षम है। सबसे बड़ी बात है कि यह हर मौसम, दिन-रात और हर ऑपरेशन में यह पूरी तरह सक्षम है। यह विमान 5.5 टन से अधिक हथियार ले जाने की क्षमता रखता है और एक साथ कई लक्ष्यों पर हमला कर सकता है। इसमें एईएसएस रडार, वियॉन्ड विजुअल रेंज (बीवीआर) मिसाइल सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट और हवा में ईंधन भरने की सुविधा है। एक और बड़ी बात है कि इस विमान में किसी भी अपग्रेड या बदलाव के लिए भारत को विदेशी अनुमति की जरूरत नहीं होगी। यह पूरी तरह से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की भावना को आगे बढ़ाने वाला प्रोजेक्ट है। इस विमान के निर्माण से देश के रक्षा और एयरस्पेस उद्योग को नई दिशा मिली है और यह सिर्फ एक विमान नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल का प्रतीक है। इसलिए तेजस मार्क-1ए की पहली उड़ान न केवल भारत की वैज्ञानिक और औद्योगिक उपलब्धि है, बल्कि यह देश की रणनीतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन करते हुए ठीक कहा है कि इससे वायु सेना की ताकत कई गुना बड़ जायेगी। उन्होंने बताया कि एक समय था जब देश अपनी रक्षा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था और लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे, लेकिन आज यह स्थिति चदल गई है। अब भारत 65 प्रतिशत विनिर्माण अपनी धरती पर कर रहा है। बहुत जल्द, हम अपने घरेलू विनिर्माण को भी 100 प्रतिशत तक ले जाएंगे।

लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त सही समय

दिवाली लक्ष्मी पूजन मंत्र

ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीभ्यो नमः

ॐ श्रीं ल्कीं महालक्ष्मी महालक्ष्मी एह्येहि सर्व सौभाग्यं देहि मे स्वाहा

ॐ श्री ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मयै नमः

धनदाय नमस्तुभ्यं निधिपद्माधिपाय च। भगवान त्वत्प्रसादेन धनधान्यादिसम्पदः

लक्ष्मी पूजा की सरल और सही विधिः-

माता लक्ष्मी की करें षोडशोपचार पूजाः- षोडशोपचार पूजन अर्थात 16 तरह से पूजन करना। ये 16 प्रकार हैं- 1.ध्यान-प्रार्थना, 2.आसन, 3.पाद्य, 4.अर्ध्य, 5.आचमन, 6.स्नान, 7.वस्त्र, 8.यज्ञोपवीत, 9.गंधाक्षत, 10.पुष्प, 11.धूप, 12.दीप, 13.नैवेद्य, 14.ताम्बूल, दक्षिणा, जल आरती, 15.मंत्र पुष्पांजलि, 16.प्रदक्षिणा-नमस्कार एवं स्तुति।

माता लक्ष्मी की पूजा में लगने वाली प्रमुख पूजन सामग्रीः

प्रतिमा/चित्रः- माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा या चित्र (लक्ष्मी जी की बैठी हुई मुद्रा शुभ मानी जाती है)।

सजावट एवं आसनः- चौकी/पट्टा, लाल/पीला वस्त्र (आसन के लिए), रंगोली बनाने का सामान।

स्नान और शुद्धिः- गंगाजल, शुद्ध जल, पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल/चीनी का मिश्रण)।

वस्त्र और आभूषणः- देवी-देवताओं के लिए नए वस्त्र, आभूषण, चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, काजल, मेंहदी।

पुष्प और मालाः- कमल का फूल (अति आवश्यक), गुलाब या अन्य सुगंधित फूल, फूलों की माला।

अर्घ्य और भोगः- अक्षत (चावल), कुमकुम (रोली), हल्दी, चंदन, अबीर, गुलाल।

प्रकाश और धूपः- दीपक/दीये, तेल/घी, रुई की बाती (नई), माचिस, धूप/अगरबत्ती, कपूर।

नैवेद्य (भोग):- मिठाई, फल (जैसे सिंघाड़ा, गन्ना), बताशे, खील (धान का लावा), पान के पत्ते, सुपारी, इलायची, लौंग।

अन्य महत्वपूर्णः- कौड़ी, कमलगट्टा, धनिया के दाने, दक्षिणा (पैसे/सिक्के), कलश, आम के पत्ते, पंचपल्लव।

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन में कमल का फूल, खील-बताशे और धनिया रखना बहुत शुभ माना जाता है।

दीपक जलाने के लिए घी या तिल के तेल का प्रयोग करें।

पूजा से पहले पूरे घर और पूजा स्थान को अच्छी तरह से साफ कर लें।

लक्ष्मी पूजा (दीपावली पूजन) की एक

सरल और क्रमबद्ध विधिः-

पूजन की तैयारीः

1. स्नान और शुद्धताः सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र (हो सके तो नए या धुले हुए) धारण करें। माथे पर तिलक लगाएँ।

2. स्थान और आसनः पूजा के लिए एक शांत और स्वच्छ स्थान चुनें। एक चौकी या पट्टे पर लाल या पीला वस्त्र बिछाएँ।

3. मूर्ति स्थापनाः चौकी पर भगवान गणेश को दाईं ओर (आपके बाएँ) और माता लक्ष्मी को बाईं ओर (आपके दाएँ) स्थापित करें। (गणेश जी को पहले पूजना शुभ होता है)।

4. कलश स्थापना (संक्षिप्त): एक कलश (लोटा) में जल भरकर, उसमें सुपारी, सिक्का, और कुछ अक्षत डालें। कलश के मुख पर आम के पत्ते लगाकर उस पर एक नारियल रखें। यह कलश वरुण देव का प्रतीक है।

5. धन की स्थापनाः मूर्तियों के सामने एक लाल कपड़े पर अपने गहने, धन (सिक्के/नोट), बही-खाते, और व्यापार से संबंधित वस्तुएं रखें।

6. दीपकः घी या तेल का दीपक जलाएँ और उसे अक्षत/हल्दी के आसन पर रखें।

2. पूजा का क्रमः पूजा हमेशा भगवान गणेश से शुरू करें, उसके बाद माता लक्ष्मी की पूजा करें।

1. पवित्रीकरण- हाथ में जल लेकर स्वयं पर और पूजा सामग्री पर छिड़कें।

2. संकल्प- हाथ में थोड़ा जल, फूल और अक्षत लेकर, मन में अपनी मनोकामना कहें और संकल्प करें कि आप माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करने जा रहे हैं। फिर जल को जमीन पर छोड़ दें।

3. गणेश जी का पूजन- गणेश जी को रोली, अक्षत, दूर्वा, फूल और मोदक/लड्डू अर्पित करें। मंत्रः ॐ गं गणपतये नमः।

4. लक्ष्मी जी का आह्वान- माता लक्ष्मी का ध्यान करें। हाथ में फूल लेकर उन्हें अर्पित करें और उनका आह्वान करें।

5. स्नान (पंचामृत)- माता लक्ष्मी की प्रतिमा को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, चीनी) और फिर शुद्ध जल से स्नान कराएँ। प्रतिमा को पोंछकर पुनः स्थापित करें।

6. वस्त्र/आभूषण- माता लक्ष्मी को लाल चुनरी, वस्त्र, और आभूषण (जैसे चूड़ी, बिंदी) अर्पित करें।

7. तिलक और पुष्प- माता लक्ष्मी को रोली (कुमकुम), हल्दी और अक्षत से तिलक करें। उन्हें कमल का फूल (अति आवश्यक) या कोई अन्य लाल/पीला फूल चढ़ाएँ।

8. धूप-दीप- धूप और अगरबत्ती जलाएँ। घी का दीपक प्रज्वलित रखें।

9. नैवेद्य (भोग)- माता लक्ष्मी को खील, बताशे, मिठाई, फल (सिंघाड़ा, गन्ना), पान-सुपारी, और जल अर्पित करें।

10. विशेष समर्पण- कौड़ी, कमलगट्टा, धनिया के दाने और सिक्के माता लक्ष्मी के चरणों में अर्पित करें।

11. मंत्र जाप- लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें या निम्न मंत्र का जाप करेंः ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।

12. आरती- कपूर या दीपक से भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की आरती करें।

13. क्षमा प्रार्थना- हाथ जोड़कर पूजा में हुई किसी भी भूल के लिए क्षमा माँगें।

4. प्रसाद वितरण- सभी को प्रसाद बाँटें और घर के हर कोने में दीपक जलाएँ।

पूजा के बाद (अगले दिन): पूजा में चढ़ाए गए सिक्के, कमलगट्टा और कौड़ियों को एक लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी या धन स्थान पर रखें। बाकी प्रसाद (खील-बताशे) का पूरे परिवार और पड़ोसियों में वितरण करें।

दीपावली की आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता,
मैय्या जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशदिन सेवत,
हरि विष्णु विधाता॥ ॐ जय...
उमिया, रमा, तुम हो जग-माता।
सूर्य-चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता॥ ॐ जय...
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख सम्पत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्यावत, नित मंगल पाता॥ ॐ जय...
तुम पाताल-निवासिनी, तुम ही शुभदाता।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता॥ ॐ जय...
जिस घर में तुम रहतीं, सब सद्गुण आता।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता॥ ॐ जय...
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता॥ ॐ जय...
शुभ गुण मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता॥ ॐ जय...
आरती लक्ष्मी माता, जो कोई गाता।
उर आनंद समाता, पाप मिट जाता॥ ॐ जय...

दिवाली प्रदोष काल

ज्योतिषियों के मुताबिक 20 अक्तूबर 2025 को दिवाली पर प्रदोष काल शाम 05 बजकर 36 मिनट से लेकर रात 08 बजकर 07 मिनट तक रहेगा। इसमें स्थिर लग्न वृष का समावेश 06 बजकर 59 मिनट से लेकर 08 बजकर 56 मिनट तक रहेगा।

पूजन सामग्री

पूजा के लिए मां लक्ष्मी और गणेश जी की प्रतिमा और कलावा अवश्य रखें।
भगवानों के वस्त्र और शहद शामिल करें।
गंगाजल, फूल, फूल माला, सिंदूर और पंचामृत।
बताशे, इत्र, चौकी और लाल वस्त्र के साथ कलश।
शंख, आसन, थाली, चांदी का सिक्का।
कमल का फूल और हवन कुंड।
हवन सामग्री, आम के पत्ते और प्रसाद
रोली, कुमकुम, अक्षत (चावल), पान।
इस दौरान सुपारी, नारियल और मिट्टी के दीए संग रुई भी शामिल करें।

लक्ष्मी पूजा विधि

लक्ष्मी पूजन से पहले घर की साफ-सफाई का खास महत्व है, इसलिए सभी जगह गंगाजल का छिड़काव करें।
घर के मुख्य दरवाजे पर रंगोली और तोरण द्वार बनाएं।
अब लक्ष्मी पूजन के लिए सर्वप्रथम एक साफ चौकी पर लाल रंग का नया वस्त्र बिछाएं।
अब चौकी पर लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति स्थापित करें और सजावट का सामान से चौकी सजाएं।
माता लक्ष्मी और गणेश भगवान की मूर्ति को वस्त्र पहनाएं और इस दौरान देवी को चुनरी अवश्य अर्पित करें। अब साफ कलश में जल भरें और चौकी के पास रखें दें।
प्रथम पूज्य देवता का नाम लेते हुए भगवानों को तिलक लगाएं ।
लक्ष्मी-गणेश को फूल माला पहनाएं और ताजे फूल देवी को अर्पित करें। इस दौरान कमल का फूल चढ़ाना न भूलें।अब अक्षत, चांदी का सिक्का, फल और सभी मिठाई संग भोग अर्पित करें।
यदि आपने किसी वस्तु या सोना-चांदी की खरीदारी की है, तो देवी लक्ष्मी के पास उसे रख दें।
शुद्ध देसी घी से दीपक जलाएं और इसके साथ ही घर के कोने में रखने के लिए कम से कम 21 दिए भी इसके साथ जलाएं।
अब भगवान गणेश जी आरती करें और गणेश चालीसा का पाठ भी करें
देवी लक्ष्मी की आरती और मंत्रों का जाप करें।
अब घर के सभी कोनों में दीपक रखें और तिजोरी में माता की पूजा में उपयोग किए फूल को रख दें। अंत में सुख-समृद्धि की कामना करते हुए पूजा में हुई भूल की क्षमा मांगे।

सोने-चांदी से सजेंगी मां कामाक्षी

दिवाली के पावन अवसर पर मां कामाक्षी देवी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और भव्य पालकी यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस दिन मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन यहां एक विशेष परंपरा के कारण हर कोई देवी के दर्शन नहीं कर पाता। दरअसल, मां कामाक्षी के गर्भगृह में प्रवेश को लेकर कुछ धार्मिक नियम और मर्यादाएं तय हैं, जिनका पालन करना बहुत जरूरी है। मान्यता है कि देवी कामाक्षी, शक्ति की दिव्य स्वरूपा हैं और दिवाली के दिन उनका जागरण और विशेष श्रृंगार किया जाता है। इस अवसर पर सोने-चांदी के आभूषणों से मां का श्रृंगार किया जाता है और मंदिर में दीपों की अद्भुत सजावट होती है। शाम को निकाली जाने वाली पालकी यात्रा में देवी की प्रतिमा को पारंपरिक संगीत और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नगर भ्रमण कराया जाता है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, गर्भगृह में सीमित पुजारियों को ही प्रवेश की अनुमति होती है, ताकि धार्मिक अनुशासन और परंपरा बनी रहे। माना जाता है कि जिस किसी के भी माता-पिता की मृत्यु हो जाती है, या दोनों में से किसी एक की भी मौत हो जाती है, तो वो लोग मंदिर में मां कामाक्षी के दर्शन के लिए नहीं आ सकते हैं। मृत्यु के एक साल बाद मंदिर में दर्शन करने की परंपरा है। श्रद्धालु मंदिर परिसर में स्थापित विशेष मंडप से देवी के दर्शन कर सकते हैं। दिवाली के दिन मां कामाक्षी के दर्शनों से सुख-समृद्धि और सौभाग्य प्राप्त होने की मान्यता है।

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन का समय कारखाने के लिए दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक पूजन होगा और शोरूम अथवा प्रतिष्ठान पर समय 5:30 बजे 9:00 बजे तक पूजन कर सकते हैं। घरों में पूजन का समय 9:00 बजे से लेकर 11:30 बजे तक रहेगा।

दिवाली की रात का शगुन

दिवाली के दिन महालक्ष्मी अपने वाहन उल्लू पर सवार होकर पृथ्वी भ्रमण के लिए आती हैं। इसलिए लोग अपने घर और छत की सफाई करते है। घर में रंगोली बनाकर देवी लक्ष्मी का स्वागत करते हैं। कहते हैं कि इस रात कुछ ऐसे शगुन होते हैं जो बताते हैं कि महालक्ष्मी का घर में आगमन हुआ है।

2025 में कब है मुहूर्त ट्रेडिंग?

मुहूर्त ट्रेडिंग 2025 में 20 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। इस दिन स्टॉक मार्केट एक घंटे के लिए विशेष रूप से खुला रहेगा। सामान्य ट्रेडिंग सेशन शाम 6:15 बजे शुरू होगा और 7:15 बजे समाप्त होगा। ट्रेडिंग के दौरान विभिन्न सेगमेंट्स में ट्रेडिंग की जा सकेगी, जिसमें इक्विटी, डेरिवेटिव्स, और करेंसी ट्रेडिंग भी शामिल हैमुहूर्त ट्रेडिंग को शुभ मानते हुए निवेशक इस समय में नई शुरुआत करते हैं, और इसे दीवाली के साथ जुड़ी एक महत्वपूर्ण ट्रेडिंग परंपरा के रूप में देखा जाता है।

जुबीन गर्ग के निधन को एक महीना पूरा, अब भी शोक मना रहे फैंस सिंगर के आखिरी पलों की जानकारी का कर रहे इंतजार

हर तरफ दिवाली की तैयारियां चल रही हैं। लोग त्योहार की खुशियों में मगन हैं। मगर, असम इस वक्त शोक में डूबा है। असम गमगीन है, क्योंकि राज्य का चहेता सिंगर जुबीन गर्ग साथ नहीं है। आज 19 अक्तूबर को जुबीन के निधन को एक महीना हो गया, मगर फैंस के आंसू नहीं सूखे हैं। लोग त्योहार नहीं शोक मना रहे हैं और इंतजार कर रहे हैं सिंगर के आखिरी पलों की जानकारी का।

पत्नी बोलीं- 'कानूनी व्यवस्था पर भरोसा है'

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, असमिया सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के एक महीने बाद भी असम के लोग शोक मना रहे हैं। वे गायक के अंतिम क्षणों के बारे में जानकारी चाहते हैं। बता दें कि 19 सितंबर को जुबीन का सिंगापुर में निधन हो गया। उनकी मौत कथित तौर पर स्कूबा डाइविंग के दौरान हुई। हालांकि, इस मामले की जांच चल रही है। जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा ने कहा कि परिवार और राज्य के लोग यह जानना चाहते हैं कि उनके अंतिम क्षणों में क्या हुआ था? उन्होंने सच्चाई सामने लाने के लिए कानूनी व्यवस्था पर भरोसा जताया।

जुबीन को श्रद्धांजलि देने उमड़े फैंस

जुबीन के निधन के एक महीना होने पर आज रविवार को गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में जुबीन गर्ग के अंतिम संस्कार स्थल पर आज सुबह से ही सैकड़ों लोग अपने प्रिय गायक-संगीतकार को श्रद्धांजलि देने उमड़ पड़े। जुबीन के प्रशंसक और दोस्त भी शहर के काहिलीपाड़ा इलाके में उनके आवास और जू रोड इलाके में उनके स्टूडियो में उनके परिवार को सांत्वना देने और सिंगर को याद करने के लिए पहुंचे।

एसआईटी कर रही जांच

राज्य पुलिस की सीआईडी का 10 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) जुबीन गर्ग की मौत के मामले की जांच कर रही है, जिसमें अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सिंगापुर पुलिस भी जांच कर रही है और असम से एसआईटी अधिकारी अपनी जांच के तहत दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश का दौरा करने वाले हैं। बता दें कि जुबीन के निधन के बाद वैदिक अनुष्ठान परिवार द्वारा उनके स्टूडियो में आयोजित किए गए, जिसमें जुबीन गर्ग के पिता, पत्नी, बहन और अन्य लोग शामिल हुए।

मल्लिका शेरावत ने बढ़ाया 'पति पत्नी और पंगा' का पारा

इन दिनों टीवी पर एक रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो में कई सेलिब्रिटी कपल शामिल हैं। हाल ही में बतौर गेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत भी इस शो का हिस्सा बनी हैं। मल्लिका के आने से 'पति पत्नी और पंगा' का पारा बढ़ गया।

मल्लिका ने शो में किया फ्लर्ट

मल्लिका शेरावत ने जब शो में एंट्री ली तो कुछ पुरुष प्रतियोगी उनसे फ्लर्ट करते दिखे। जब मल्लिका ने स्वरा भास्कर के पति के गालों को खींचा तो अभिषेक कुमार नाराज हो गए। इस बात पर शो के होस्ट मुनव्वर फारूखी से शिकायत करते दिखे। जब अभिषेक कुमार शिकायत कर रहे थे तो मल्लिका उनके करीब आती हैं और उनके गालों को हाथ लगा देती हैं। इस पर अभिषेक शरमा जाते हैं।

यूजर्स ने दिए रिएक्शन

यूजर्स ने भी अभिषेक कुमार और मल्लिका शेरावत वाले वीडियो पर रिएक्शन दिए हैं। कुछ अभिषेक को कंटेंट किंग कह रहे हैं। वहीं कुछ लोगों को स्वरा भास्कर के लिए बुरा लगा, क्योंकि मल्लिका ने उनके पति के साथ सबसे पहले फ्लर्ट किया। कुछ लोगों को अभिषेक ओवर एक्टिंग की दुकान लग रहे हैं।

परिणीति चोपड़ा ने दिया बेटे को जन्म, पति राघव चड्ढा ने दी जानकारी; बोले - 'वो आ गया, अब हम पूरे हुए'

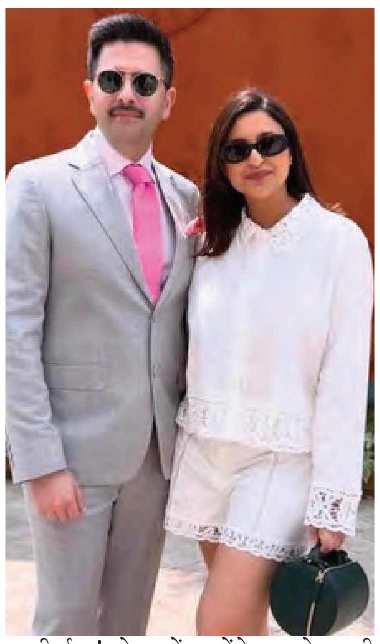

हाल ही में खबर आई थी कि अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को प्रेग्नेंसी की वजह से दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब उनके पति राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर जानकारी दी है कि वह मां बन गई हैं। आइए देखते हैं राघव चड्ढा ने पोस्ट में और कौन सी जानकारी दी है?

राघव ने पोस्ट में क्या लिखा?

इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए राघव चड्ढा ने लिखा है 'मेरा बेटा अब मेरे पास है। बाहें और हमारे दिल भरे हुए हैं। पहले हम दोनों थे, अब हम पूरे हैं।' राघव चड्ढा ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में एक नजर का निशान बनाया है। कई यूजर्स इस पोस्ट को लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं।

पोस्ट पर सेलेब्स ने किए कमेंट

राघव चड्ढा की इस पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है और कई सेलेब्स ने कमेंट किए हैं। अभिनेत्री अनन्या पांडे ने दिल वाले इमोजी कमेंट किए हैं। कृति सेनन ने शुभकामनाएं दी हैं। हुमा कुरैशी ने भी दिल वाले इमोजी कमेंट किए हैं। भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने परिणीति और राघव को शुभकामनाएं दी हैं।

हाल ही में दी थी प्रेग्नेंसी की जानकारी

अगस्त 2025 में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर जानकारी दी थी कि वह अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाले हैं। उन्होंने एक संयुक्त पोस्ट में लिखा था, 'हमारा छोटा बच्चा आने वाला है। आशीर्वाद।' पोस्ट में उन्होंने एक केक की तस्वीर शेयर की थी। इस पर बच्चे के पैरों के निशान बने थे।

परिणीति और राघव की शादी

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की सगाई मई 2023 में दिल्ली में हुई थी। सितंबर 2023 में दोनों ने राजस्थान के उदयपुर में शादी की थी।

राघव ने अगस्त में 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में संकेत दिया था कि वे जल्द ही पिता बनने वाले हैं। उन्होंने कहा था, 'आपको जल्दी गुड न्यूज देंगे!'

यूजर्स ने मानुषी छिल्लर के फैसले पर उठाया सवाल, मिस वर्ल्ड ने दिया करारा जवाब

अभिनेत्री मानुषी छिल्लर दिलजीत दोसांझ के साथ नए गाने 'कुफर' को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स इस गाने को पसंद कर रहे हैं, तो वहीं कुछ ऐसे भी लोग हैं जिन्होंने पूर्व मिस वर्ल्ड पर कटाक्ष किया है और सवाल उठाया है कि क्या उनकी मौजूदगी 'छोटे-मोटे डांस अपीयरेंस तक ही सीमित रह गई है।' इस पर मानुषी ने जवाब दिया है।

फैंस ने मानुषी के फैसले पर उठाया सवाल

मानुषी का नया गाना 'कुफर' जब से रिलीज हुआ है तब से मानुषी की पोस्ट पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। कई यूजर्स ने उनके अभिनय की तारीफ की है तो वहीं कई यूजर्स ने मानुषी के फैसले पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा 'मानुषी क्या आपने एमबीबीएस डिग्री पूरी कर ली?' एक और यूजर ने लिखा 'काश वह मिस वर्ल्ड के बाद एमबीबीएस की डिग्री जारी रखती।'

एक यूजर ने लिखा 'एसटीएस से डॉक्टर बनने तक, मिस वर्ल्ड बनने तक, फिर महत्वाकांक्षी फिल्म स्टार बनने तक, अब छोटे-मोटे डांस शो तक सीमित? क्या यही मिस वर्ल्ड है?'

मानुषी ने दिया करारा जवाब

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, मानुषी ने कहा 'मैंने हमेशा उन लोगों की तारीफ की है जो शिक्षा को महत्व देते हैं। लेकिन मैंने यह भी सीखा है कि कला और अभिव्यक्ति के हर रूप का सम्मान करने में ही समझदारी है। दुनिया को विचारकों और रचनाकारों, दोनों की जरूरत है। जब वे दूसरों को ऊपर उठाने के लिए मदद करते हैं तो उनमें से कोई भी 'कम' नहीं होता। हर कदम, कहानी और गीत का अपना उद्देश्य होता है, कोई भी दूसरे से कम नहीं होता।'

मानुषी के बारे में

मानुषी छिल्लर ने मिस वर्ल्ड 2017 प्रतियोगिता जीती। उन्होंने 2022 में अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। इस साल उनकी दो फिल्में रिलीज हुईं- राजकुमार राव के साथ 'मालिक' और जॉन अब्राहम के साथ 'तेहरान'।

क्या 'थामा' से पटरी पर लौटेगा आयुष्मान खुराना का करियर?

2020 के बाद से ही आयुष्मान खुराना का करियर बड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहा। 2023 में आई 'ड्रीम गर्ल 2' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में आयुष्मान ने कोई बड़ी हिट नहीं दी। अब दिवाली रिलीज 'थामा' को समीक्षक आयुष्मान का रीसेट मूमेंट मान रहे हैं।

कोरोना के बाद से धीमा हुआ करियर

आयुष्मान ने हमेशा कमर्शियल सिनेमा और कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों के बीच तालमेल बनाए रखा। 2017 से 2019 के बीच उन्होंने 'अंधाधुंध', 'बधाई हो', 'आर्टिकल 15' और 'बाला' जैसी हिट फिल्में दीं। लेकिन महामारी के बाद स्थिति बदल गई। 2020 से 2022 के बीच आयुष्मान की अधिकांश फिल्में औसत या फ्लॉप रहीं। इनमें 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान', 'गुलाबो सिताबो', 'चंडीगढ़ करे आशिकी', 'अनेक', 'डॉक्टर जी' और 'एन एक्शन हीरो' जैसी फिल्में शामिल रहीं।

एक्सपर्ट्स की राय

'थामा' का समय और जॉनर आयुष्मान के लिए सहीः सुमित

आयुष्मान के करियर ग्राफ पर ट्रेड एनालिस्ट सुमित कडेल ने अमर उजाला से बात करते हुए कहा, 'महामारी का सबसे बड़ा असर आयुष्मान पर पड़ा। पिछले पांच साल में सिर्फ 'ड्रीम गर्ल 2' हिट रही। 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' औसत रही, लेकिन बाकी फिल्में फ्लॉप रहीं। इन फ्लॉप फिल्मों के बावजूद उनका फैन-बेस मजबूत रहा। अब 'थामा' का समय और जॉनर दोनों उनके लिए सही हैं। साथ ही दिवाली पर रिलीज का भी फायदा मिलेगा। यह फिल्म उन्हें थिएटर में दोबारा पकड़ मजबूत करने में मदद कर सकती है।'

सही कहानी का किया इंतजारः गिरीश वानखेड़े

ट्रेड और मार्केटिंग एक्सपर्ट गिरीश वानखेड़े मानते हैं कि आयुष्मान की खामोशी रणनीति का हिस्सा थी। वो कभी गायब नहीं हुए। 'ड्रीम गर्ल 2' के बाद भले ही उन्होंने फिल्मों से थोड़ा ब्रेक लिया हो, लेकिन विज्ञापनों, इवेंट्स और मीडिया के जरिए लगातार नजर में रहे। कभी-कभी कम दिखना भी स्टार के लिए फायदेमंद होता है। कुछ फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद उन्होंने जल्दबाजी में प्रोजेक्ट नहीं चुना। उन्होंने सही कहानी और भरोसेमंद प्रोडक्शन टीम का इंतजार किया। लंबे करियर के लिए लगातार फिल्में नहीं, बल्कि मजबूत स्क्रिप्ट और सही सहयोगी जरूरी होते हैं।'

मजबूत हैं आयुष्मान के आगामी प्रोजेक्ट्स

आयुष्मान के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो 'थामा' के अलावा वो सूरज बड़जात्या की एक फिल्म कर रहे हैं। साथ ही सारा अली खान के साथ एक जासूसी कॉमेडी में नजर आएंगे। इसके बाद भूषण कुमार और जुनो चोपड़ा की कॉमेडी फिल्म में उनका अलग अंदाज देखने को मिलेगा। सही स्क्रिप्ट, मजबूत प्रोडक्शन और समझदारी भरी रिलीज रणनीति के साथ वह फिर से अपनी जगह बना सकते हैं।

सनी देओल ने करियर के लिए छिपाई शादी : शाहरुख से 16 साल नहीं की बात, गदर 2 ने कमाए 525 करोड़, 2026 में आएंगी 3 फिल्में

सनी देओल आज अपना 68वां जन्मदिन मना रहे हैं।

सनी देओल... ये वो नाम है, जिन्होंने न सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग, बल्कि जबरदस्त डायलॉग डिलीवरी के जरिए लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाई। भले ही उनके पिता धर्मेंद्र फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता रहे हैं, लेकिन सनी ने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर खुद की अलग पहचान बनाई।

अपने करियर में उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए, जो हमेशा चर्चा में रहे। चाहे वह गुपचुप शादी करना हो, अपने वैवाहिक जीवन को लंबे समय तक सार्वजनिक न करना या फिर बॉलीवुड से नजरअंदाज किए जाने के बाद खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू करना।

आज सनी देओल के 68वें जन्मदिन पर जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ बड़े फैसलों के बारे में...

14 साल की उम्र में की सगाई, फिर छिपाई शादी

सनी देओल की पर्सनल लाइफ हमेशा से ही चर्चा में रही खासकर उनकी शादी। महज 14 साल की उम्र में ही सनी देओल की सगाई पूजा से हो गई थी। हालांकि, जब पूजा के पिता को यह पता चला कि सनी फिल्मों में काम करने वाले हैं, तो उन्हें यह चिंता सताने लगी कि फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद सनी उनकी बेटी को छोड़ सकते हैं।

ऐसे में उन्होंने सनी के पिता और दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र पर दोनों की जल्द शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। धर्मेंद्र लगातार पूजा के पिता को यह समझाते रहे कि वह फिल्म 'बेताब' की रिलीज तक इंतजार करें, उसके बाद वह सनी और पूजा की शादी करवा देंगे।

1983 में सनी की डेब्यू फिल्म बेताब रिलीज हुई और वह रातों-रात स्टार बन गए। इसके ठीक एक साल बाद 1984 में 26 साल की उम्र में एक्टर ने पूजा से शादी कर ली। हालांकि, कई जगह ऐसे भी दावे हैं कि दोनों की शादी सनी के डेब्यू से दो साल पहली ही हो चुकी थी।

फिर सनी ने अपने फिल्मी करियर को ध्यान में रखते हुए अपनी शादी को लंबे समय तक छिपाए रखा। उनका मानना था कि अगर लोगों को पता चल गया कि वह शादीशुदा हैं, तो इसका असर उनके रोमांटिक हीरो की छवि पर पड़ेगा और उनके करियर को नुकसान हो सकता है।

शादी के शुरुआती कुछ सालों तक पूजा लंदन में ही रहीं। उस दौरान सनी चोरी-छिपे लंदन जाकर उनसे मिलते थे। बाद में जब मीडिया में सनी और पूजा की शादी की खबरें आने लगीं, तो सनी ने इन खबरों से इनकार कर दिया था। लेकिन आखिरकार 1984 में दोनों की शादी की तस्वीरें सामने आ ही गईं, जिससे यह सच पूरी दुनिया के सामने आ गया।

फिल्म मशाल हुई ऑफर, पिता के कहने पर छोड़ा

सनी देओल ने 1983 में फिल्म बेताब से बॉलीवुड में कदम रखा और पहली ही फिल्म से उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बना ली। फिल्म की सफलता के बाद उन्हें कई बड़े ऑफर्स मिलने लगे। उन्हीं में से एक था यश चोपड़ा की फिल्म मशाल। इस फिल्म में सनी देओल को दिलीप कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करना था। ट्रेड मैगजीन और अखबारों में बाकायदा घोषणा भी हो चुकी थी कि सनी देओल इस फिल्म का हिस्सा होंगे।

फिल्म इंडस्ट्री के लिहाज से यह उनके करियर के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही थी, क्योंकि यश चोपड़ा जैसे नामी निर्देशक और दिलीप कुमार जैसे दिग्गज अभिनेता के साथ काम करने का मौका मिलना हर नए कलाकार का सपना होता है।

लेकिन तभी उनके पिता धर्मेंद्र ने उन्हें एक सलाह दी। धर्मेंद्र को लगा कि सनी का करियर अभी शुरुआत में है और उन्हें पहले खुद को एक सोलो हीरो के तौर पर स्थापित करना चाहिए। उनका मानना था कि उस वक्त दिलीप कुमार जैसे दिग्गज के साथ स्क्रीन शेयर करना जल्दबाजी हो सकती है और इससे सनी की खुद की पहचान कमजोर पड़ सकती है।

पिता की सलाह को पर सनी ने मशाल छोड़ दी। बाद में यह रोल अनिल कपूर को मिला और फिल्म 1984 में रिलीज हुई। मशाल की कहानी और गाने पसंद किए गए, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म खास कमाल नहीं दिखा सकी। उस दौर के हिसाब से इसे एक बड़ी फ्लॉप माना गया।

डिंपल से बढ़ीं नजदीकियां, घर छोड़ने वाली थीं पत्नी पूजा

सनी और डिंपल कपाड़िया ने मंजिल-मंजिल, अर्जुन, आग का गोला, नरसिम्हा और गुनाह जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया। मंजिल-मंजिल (1984) की शूटिंग के दौरान सनी की डिंपल से नजदीकियां बढ़ीं। बताया जाता है कि जब डिंपल कपाड़िया और राजेश खन्ना अलग हो चुके थे, उसी वक्त सनी देओल और डिंपल एक-दूसरे के करीब आए।

सनी अक्सर डिंपल के घर जाया करते थे और उनकी दोनों बेटियां ट्विंकल खन्ना और रिंकी खन्ना उन्हें छोटे पापा कहकर बुलाने लगी थीं। दोनों 11 साल तक रिलेशन में रहे और लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहे। इस दौरान सनी की पत्नी पूजा मुंबई में ही थीं, लेकिन सनी ज्यादातर समय डिंपल के साथ बिताते थे।

हालांकि, जब यह खबर सनी की पत्नी पूजा तक पहुंची, तो उन्होंने सनी से साफ कहा कि अगर उन्होंने डिंपल से दूरी नहीं बनाई, तो वह उन्हें और घर को छोड़ देंगी। इसके बाद सनी और डिंपल ने अलग होने का फैसला लिया।

सालों तक नहीं की थी शाहरुख से बात, YRF से भी बनाई दूरी

सनी देओल अपने करियर के पीक पर थे, जब उन्हें यश चोपड़ा की फिल्म 'डर' ऑफर हुई। इस फिल्म में वह लीड हीरो थे, जबकि शाहरुख खान विलेन की भूमिका में थे। उस वक्त शाहरुख बॉलीवुड में नए थे और सनी देओल की पॉपुलैरिटी अपने चरम पर थी।

फिल्म की शूटिंग के दौरान धीरे-धीरे सनी को यह अहसास होने लगा कि कहानी में विलेन का रोल कहीं ज़्यादा प्रभावशाली और लंबा है। उन्हें यह भी महसूस हुआ कि दर्शकों की सहानुभूति भी कहीं न कहीं शाहरुख के किरदार की तरफ

जा रही है। उन्होंने डायरेक्टर यश चोपड़ा से सीन में बदलाव की बात की, लेकिन यश जी इसके लिए तैयार नहीं हुए। बात इतनी बढ़ गई कि सनी गुस्से में अपना आपा खो बैठे। कहा जाता है कि उस वक्त उनका हाथ पैंट की जेब में था और गुस्से के दौरान उन्होंने इतनी जोर से मुट्ठी बांधी कि उनकी जेब फट गई।

सनी ने लगभग 16 सालों तक शाहरुख से कोई बात नहीं की और यहां तक कि यशराज फिल्म्स के साथ भी फिर कभी काम नहीं किया। हालांकि, साल 2023 में फिल्म 'गदर 2' की सक्सेस पार्टी के दौरान यह पुरानी दूरियां मिटती दिखीं। पार्टी में सनी देओल और शाहरुख खान एक-दूसरे से गले मिलते नजर आए।

इससे उन्हें क्या खुशी मिली? मैंने पूरी ईमानदारी से काम किया है और कभी यह नहीं सोचा कि इस फिल्म में ये सीन है, तो चलो इसे कॉपी करते हैं। मैं हमेशा इस सोच के खिलाफ रहा हूं कि किसी दूसरी फिल्म से सीधे कॉपी किया जाए और मैंने ऐसे सुझावों को साफ तौर पर मना कर दिया।उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में गुटबाजी चलती है। कैंप बने हुए हैं। ऐसे में हमने अपनी खुद की प्रोडक्शन कंपनी शुरू की और अपनी फिल्में बनानी शुरू कीं। इसी कारण हमने बॉबी देओल, अभय देओल और अन्य नए एक्टर्स को भी अपनी कंपनी के जरिए लॉन्च किया। सनी देओल ने स्वीकार किया कि उन्होंने बतौर प्रोड्यूसर बहुत नुकसान झेला है।

बता दें, सनी देओल की डेब्यू फिल्म 'बेताब' उनके अपने प्रोडक्शन हाउस विजयता फिल्म्स प्रा. लि. के बैनर तले बनी थी। बॉबी देओल की पहली फिल्म 'बरसात' भी इसी बैनर के तहत प्रोड्यूस की गई और अभय देओल की डेब्यू फिल्म 'सोचा ना था' को भी देओल परिवार की इसी प्रोडक्शन कंपनी ने लॉन्च किया था।

एक नजर सनी देओल की लव लाइफ और विवाद पर...

शादी की खबर सुनकर अमृता ने तोड़ा था सनी से रिश्ता

फिल्म बेताब सिर्फ सनी की ही नहीं बल्कि अमृता सिंह की भी डेब्यू फिल्म थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान अमृता सनी को पसंद करने लगी थीं। अमृता को लगता था कि सनी उनके लाइफ एकदम सही लाइफ पार्टनर होंगे, लेकिन सनी इसके लिए तैयार नहीं थे।

हालांकि, जैसे ही अमृता को जब सनी और पूजा की शादी के बारे में पता चला तो उन्होंने खुद ही इस रिश्ते को तोड़ दिया। इसके बाद अमृता की लाइफ में सैफ अली खान की एंट्री हुई। सैफ और अमृता ने साल 1991 में शादी की थी। कपल के दो बच्चे भी हुए, लेकिन फिर दोनों का तलाक हो गया।

गदर 2 से किया दमदार वापसी

सनी देओल की गदर 2 उनके करियर की सबसे सफल फिल्म है। उन्होंने इस फिल्म से शानदार कमबैक किया। हालांकि, फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा इसे सनी का कमबैक नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, 'लोग कहते हैं कि गदर 2 से सनी देओल का कमबैक हुआ। मैं इस बात को नहीं मानता। वो तो कभी गए ही नहीं थे, तो कमबैक कहां से होगा।' बता दें, फिल्म ने 525 करोड़ का कलेक्शन किया था।

मंत्री तुम्मला ने दालों और ज्वार के बीज बांटने का आदेश दिया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने रविवार को अधिकारियों को नेशनल फ़ूड सिक्योरिटी स्कीम के तहत दालों और ज्वार के बीज बांटने का आदेश दिया। उन्होंने ये आदेश इस हफ़्ते के रैतू नेस्थम प्रोग्राम के दौरान जारी किए।

इस मौके पर बोलते हुए, तुम्मला ने कहा कि हर स्कीम को फिर से शुरू करने के वादे के मुताबिक पिछले हफ़्ते नेशनल ऑयलसीड्स मिशन शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग ने एग्रीकल्चरल मैकेनाइज़ेशन स्कीम के तहत लाभार्थियों को चुनने का काम पहले ही शुरू कर दिया है और कहा कि पिछले सीज़न में ज़िले के एक चुने हुए मंडल में 1,39,000 मिट्टी के सैंपल इकट्ठा करने, उनका एनालिसिस पूरा करने और नतीजे जमा करने का इंतज़ाम किया गया था, जबकि दूसरे 1,70,000 मिट्टी के सैंपल के नतीजे एनालिसिस स्टेज में हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य में नेचुरल खेती करने के लिए क्लस्टर की पहचान और ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जब से कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है, एग्रीकल्चर और हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट ने सेंट्रल और स्टेट शेयर से लागू सभी स्कीमों को एक-एक करके फिर से शुरू करने और किसानों को ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा पहुँचाने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली सरकार के स्टेट शेयर जारी न करने के फ़ैसले की वजह से पिछले दस सालों में राज्य के किसानों को लगभग 3000 करोड़ का नुकसान हुआ है और कहा कि अगर सेंटर सरकार ने भी राज्यों को ऐसे फंड दिए होते, तो सेंटर सरकार कम से कम राज्यों के बुनियादी अधिकारों और ऐसे राज्यों के किसानों के हितों की रक्षा करने का मौका तो देती। साथ ही, उन्होंने कहा कि ऐसा न करके, उस समय की राज्य सरकार की राजनीतिक द्वेष की वजह से किसानों को नुकसान हुआ है। मंत्री तुम्माला ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सेंट्रल सरकार से राज्य को मिलने वाले फंड का पूरा इस्तेमाल करने और स्टेट शेयर के बराबर फंड जारी करने और राज्य के किसानों के आर्थिक विकास में योगदान देने का पक्का इरादा कर लिया है।

उन्होंने कहा कि किसानों का हित उनकी पब्लिक सरकार की सबसे बड़ी चिंता है। उन्होंने कहा कि जैसे ही फ़ाइनेंशियल फ़्लेक्सिबिलिटी मिलेगी, हर स्कीम को उसी हिसाब से फिर से शुरू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चावल के साथ-साथ राज्य में दालों और तिलहन की खेती को बढ़ाने के लिए सभी कदम उठाएगी। इस स्कीम के तहत, मंत्री ने कहा कि कृषि विभाग ने 14 जिलों में 2.68 करोड़ रुपये की सब्सिडी के साथ 19,397 एकड़ के लिए 5825 क्विंटल मूंगफली के बीज बांटने का इंतज़ाम किया है।

देश को एक करने में सरदार पटेल का रोल बहुत बड़ा : रामचंद्र राव

प्रदेश स्तरीय कार्यशाला भाजपा प्रदेश ने दिए कई निर्देश

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव की अध्यक्षता में हुई। इस मौके पर रामचंद्र राव ने पार्टी नेताओं को कई निर्देश दिया। एन. रामचंद्र राव ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर, भारत सरकार ने 6 अक्टूबर को औपचारिक रूप से "एक भारत - आत्मनिर्भर भारत" प्रोग्राम शुरू किया। यह प्रोग्राम 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत, देश भर में अधिकारियों और लोगों की भागीदारी के साथ अलग-अलग प्रोग्राम हो रहे हैं। दिल्ली में भी इस प्रोग्राम पर एक खास कार्यशाला हुई। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम सुनते ही तेलंगाना के लोगों का दिल गर्व से भर जाता है। क्योंकि उन्हीं की कोशिशों की वजह से आज तेलंगाना भारत का हिस्सा है। हालांकि कुछ पार्टियां राजनीतिक फायदे के लिए इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करती हैं और सच्चाई को छिपाती हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी लोगों को असली इतिहास साफ-साफ बता रही है। हालांकि तेलंगाना सरकारें अधिकारिक तौर उस दिन को नहीं मनातीं जब 17 सितंबर, 1948 को हैदराबाद स्टेट का भारत में विलय हुआ था, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार बीजेपी की देखरेख में इसे "हैदराबाद लिबरेशन डे" के तौर पर मना रही है। देश को एक करने में सरदार पटेल का रोल बहुत बड़ा है। उन्होंने 560 रियासतों को एक झंडे के नीचे लाकर भारत को एक किया। सरदार वल्लभभाई पटेल पर "आयरन मैन ऑफ इंडिया" का टाइटल सूट करता। वह ऐसे लीडर थे जिन्होंने जूनागढ़, हैदराबाद और कश्मीर जैसे इलाकों को भी भारत में मिलाया था। उन्होंने कहा कि भले ही दूसरी पॉलिटिकल पार्टियां उन्हें भूल जाएं, लेकिन देशभक्त भारतीय जनता पार्टी उन्हें हमेशा याद रखेगी। भले ही वह कांग्रेस के लीडर हों, देश के लिए उनकी सेवा हमारे लिए इंस्पिरेशन है। अब विदेशी ताकतें इस देश के खिलाफ साज़िश कर रही हैं। जॉर्ज सोरोस जैसे लोग कांग्रेस पार्टी को फंडिंग करके देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। एक तरफ सरदार पटेल ने देश को एक किया, वहीं उसी पार्टी के कुछ लोग आज देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, हमारे नए सरदार पटेल और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में, देश से लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज़्म (नक्सलिज़्म) लगभग खत्म हो गया है।

मनमोहन सिंह के राज में कहा जाता था कि नक्सलिज़्म को खत्म करना मुश्किल है , लेकिन आज के गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सलिज़्म को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। यह कहना कोई बढ़ा-चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि अमित शाह इस पीढ़ी के सरदार पटेल हैं। उन्होंने अपने कड़े फैसलों से पूरे देश में शांति कायम की है। हाल ही में सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने खुलासा किया है कि तेलंगाना में कुछ नेता अभी भी माओवादियों के संपर्क में हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। राज्य सरकार को तुरंत इसकी जांच करवानी चाहिए और लोगों को सच्चाई बतानी चाहिए।

रेवंत ने यादव कम्युनिटी को मदद देने का वादा किया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि यादव कम्युनिटी को राजनीति में मौके देने के साथ-साथ सभी कल्याणकारी योजनाओं का फायदा पहुंचाने में अहमियत दी जा रही है। रविवार को हैदराबाद में श्री कृष्ण सदर सम्मेलन उत्सव कमेटी द्वारा आयोजित "सदर सम्मेलन" में हिस्सा लेते हुए, मुख्यमंत्री ने यादवों को सरकार की ओर से कम्युनिटी को हर तरह की मदद का भरोसा दिलाया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह यादव कम्युनिटी की सभी शिकायतों को दूर करने के लिए तैयार हैं और जब भी कम्युनिटी उनसे मिलना चाहेगी, वह हमेशा मिलने के लिए मौजूद हैं। रेवंत रेड्डी ने आगे कहा कि, भले ही देर हो जाए, सरकार हर राजनीतिक मौका देगी और कम्युनिटी को पूरा सम्मान देगी।

उन्होंने यादवों से हैदराबाद के विकास के लिए सहयोग देने की अपील की। "यादवों का खादर.. हैदराबाद सदर" एक मशहूर कहावत है, मुख्यमंत्री ने कहा कि यादव कम्युनिटी भरोसे और भरोसे का भी दूसरा नाम है। उन्होंने तेलंगाना राज्य के बनने और विकास में समुदाय की अहम भूमिका को याद किया और कहा कि लोगों की सरकार ने सदर उत्सव को राज्य का त्योहार भी घोषित किया और फंड भी दिया।

मूसापेट मेट्रो स्टेशन पर यात्री के पास से गोली बरामद

सुरक्षाकर्मियों ने बैग जांच के दौरान 9 एमएम की गोली देखी, युवक हिरासत में

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मूसापेट मेट्रो स्टेशन पर शनिवार रात एक यात्री के बैग से 9 एमएम की गोली बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि युवक की पहचान बिहार निवासी मोहम्मद के रूप में हुई है, जो शहर में एक फैब्रिकेशन यूनिट में काम करता है। घटना का पता तब चला जब मोहम्मद ने मेट्रो में चढ़ने से पहले अपना बैग स्क्रीनिंग के लिए रखा। सुरक्षाकर्मियों ने जांच के दौरान गोली देखी और उच्च अधिकारियों को सूचित किया। युवक को हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया गया और कुकटपल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। जांच जारी है कि गोली उसके पास कैसे आई।इस बीच, मूसापेट मेट्रो स्टेशन पर पिछले महीने चाकूबाजी की एक घटना हुई थी, जिसमें 19 साल की लड़की अपने प्रेमी के हमले में घायल हो गई थी। पुलिस के अनुसार, दोनों का पिछले समय से प्रेम संबंध था और आरोपी की शराब की लत के कारण संबंध बिगड़ गया था। तेलंगाना के निज़ामाबाद में पुलिस एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या के आरोपी की तलाश कर रही है। 17 अक्टूबर को बाइक चोरी के मामले में पकड़े जाने के दौरान 24 वर्षीय आरोपी ने 42 वर्षीय कांस्टेबल ई. प्रमोद पर चाकू से हमला किया, जिसमें प्रमोद की मौत हो गई और उनके भतीजे का इलाज चल रहा है। पुलिस आरोपी और उसके साथियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।

केटीआर ने भ्रष्टाचार के लिए सरकार को ठहराया जिम्मेदार

अतिक्रमण पर भेदभाव को लेकर की कड़ी आलोचना

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने रविवार को तेलंगाना में रियल एस्टेट के पतन और जमीन की कीमतों में भारी गिरावट के लिए रेवंत रेड्डी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सरकार अतिक्रमण के नाम पर गरीबों के घर तो ध्वस्त कर रही है, लेकिन प्रभावशाली नेताओं और कांग्रेस नेताओं द्वारा किए गए अतिक्रमण को छोड़ रही है।

तेलंगाना भवन में नव-नियुक्त नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रामा राव ने कहा कि संपत्ति बाजार में गिरावट के कारण आम नागरिकों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने रेवंत रेड्डी और उनके मंत्रियों की संपत्तियों पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि भ्रष्ट आचरण उजागर करने वाले मंत्री कोंडा सुरेखा का भी अपमान किया गया।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 480 चालक गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शनिवार रात शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच के दौरान 480 लोगों को पकड़ा। इसमें 371 दोपहिया, 19 तिपहिया, 85 चार पहिया और पांच भारी वाहन चालक शामिल हैं। सबसे ज्यादा 82 लोगों को मियापुर पुलिस ने पकड़ा, उसके बाद जीदीमेटला ने 54, शमशाबाद 44, राजेंद्रनगर 40 और शादनगर व गाचीबोवली ने 38-38 लोगों को पकड़ा। उम्र के हिसाब से सबसे ज्यादा 180 लोग 21 से 30 साल के और 177 लोग 31 से 40 साल के बीच हैं। पकड़े गए 19 लोगों का ब्लड अल्कोहल स्तर 301 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से अधिक था।

भारत ने दिया ट्रंप के टैरिफ का जवाब

गैर–अमेरिकी बाजारों में बढ़ गया देश का एक्सपोर्ट

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।भारत का अमेरिका को निर्यात कम हुआ है, जबकि गैर-अमेरिकी देशों में निर्यात मजबूत बना हुआ है और पिछले वृद्धि के आंकड़ों को पार कर गया है. रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अक्टूबर की अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है. रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त, 2025 में 7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज करने के बाद सितंबर में अमेरिका को व्यापारिक निर्यात 11.9 प्रतिशत घटकर 5.5 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया. एजेंसी ने कहा कि टैरिफ बढ़ोतरी से पहले खेप लोड नहीं होती तो यह गिरावट और भी तेज होती. इसके उलट गैर-अमेरिकी बाजारों में निर्यात सितंबर में 10.9 प्रतिशत बढ़ा, जो अगस्त, 2025 में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि से तेज है. अमेरिका को होने वाले निर्यात में गिरावट की वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर लगाया गया है 50 फीसदी टैरिफ है, जो 27 अगस्त से प्रभावी हो गया है. भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लग रहा है.

निर्यात के सामने ये चुनौतियां

क्रिसिल ने आगाह किया है कि भारत के व्यापारिक निर्यात को अमेरिकी शुल्क वृद्धि और वैश्विक वृद्धि में व्यापक सुस्ती के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. विश्व व्यापार संगठन ने अनुमान लगाया है कि 2025 में वैश्विक व्यापारिक व्यापार की मात्रा 2.4 प्रतिशत बढ़ेगी, जबकि 2024 में यह 2.8 प्रतिशत रही है.

जीडीपी के मोर्च पर अच्छी उम्मीद

इन चुनौतियों के बावजूद, क्रिसिल को उम्मीद है कि भारत का चालू खाते का घाटा (कैड) मजबूत सेवा निर्यात और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के कारण प्रबंधन के दायरे में रहेगा. इसने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि चालू वित्त वर्ष में कैड सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक प्रतिशत रहेगा, जो पिछले वर्ष के 0.6 प्रतिशत से अधिक है.

दिवाली से पहले 7 कंपनियां हुईं मालामाल

एक हफ्ते में कमाए 2 लाख करोड़ से ज्यादा

मुंबई,, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूरे देश में दिवाली का माहौल है. जिसकी तैयारियां हफ्ता 10 दिन पहले से ही शुरू हो जाती है. कुछ ऐसा ही शेयर बाजार में भी देखने को मिला. दिवाली से पहले हफ्ते में शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है. जिसकी वजह से देश की टॉप कंपनियों के शेयरों में भी जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है.

आंकड़ों को देखें तो देश की टॉप 10 में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2,16,544.29 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है. वहीं तीन कंपनियों के मार्केट कैप में 61,798.23 करोड़ रुपए कमी देखने को मिली है. खास बात तो ये है कि देश की टॉप आईटी कंपनियों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है. जबकि देश की सरकारी इंश्योरेंस कंपनी को भी नुकसान उठाना पड़ा. वहीं देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ है. वैसे बीते हफ्ते में शेयर बाजार के प्राइमरी मार्केट में दो सबसे बड़े आईपीओ भी आए थे. जिन्हें निवेशकों को काफी प्यार मिला है. वहीं दोनों में से किसी ने भी नुकसान नहीं पहुंचाया. जिसका फायदा शेयर बाजार को भी हुआ है. आंकड़ों को देखें तो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में 1.75 फीसदी की तेजी देखने को मिली है. वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी में करीब

2 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश की किस कंपनी को कितना फायदा हुआ है.

इन कंपनियों को हुआ नुकसान

वहीं दूसरी ओर इस रुख के उलट इन्फोसिस का मूल्यांकन 30,306.35 करोड़ रुपए घटकर 5,98,773.87 करोड़ रुपए रह गया. टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 23,807.01 करोड़ रुपए घटकर 10,71,894.61 करोड़ रुपए और एलआईसी का मूल्यांकन 7,684.87 करोड़ रुपए घटकर 5,60,173.42 करोड़ रुपए रह गया. शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही. इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस और एलआईसी का स्थान रहा.

सोने की तेजी देख मत ललचाओ... सिर्फ दिखावटी उछाल?

एक्सपर्ट का ये लॉजिक उतार देगा बुखार

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से केंद्रीय बैंकों ने सोने की बंपर खरीद की है। इसने पीली धातु की कीमतों में तेजी को बढ़ावा दिया है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर नीलेश शाह ने यह बात कही। उन्होंने सीएनबीसी-टीवी18 के साथ बातचीत में बताया कि सोने के बाजार में जो एक चीज बदल गई है, वह है केंद्रीय बैंकों की खरीद। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की ओर से रूस के 500 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार को जब्त करने के बाद दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने अपने भंडार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। चूंकि रूस के केंद्रीय बैंक का सोना उसकी अपनी कस्टडी में रहा। इसलिए कई देशों ने अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा प्रतिभूतियों से हटाकर सोने में लगाना शुरू कर दिया। शाह ने बताया कि अमेरिका, जर्मनी और स्विट्जरलैंड जैसे पश्चिमी देशों के केंद्रीय बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार का 60 से 70% हिस्सा सोने में है। वहीं, जापान, भारत और चीन जैसे पूर्वी देशों का यह आवंटन लगभग 10% है। अब पूर्वी देशों के केंद्रीय बैंकों को सोने में अपना निवेश बढ़ाना होगा। कुछ देशों ने तो चांदी

में भी अपना निवेश दोगुना करना शुरू कर दिया है। इसलिए, पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीय बैंकों की यह खरीद ही सोने की कीमतों में इस तरह की तेजी का कारण बनी है।

कोई फंडामेंटल नहीं जो तय करता हो मूल्य जब सोने के अंतर्निहित मूल्य के बारे में पूछा गया तो शाह ने कहा कि सोने या चांदी का कोई निश्चित अंतर्निहित मूल्य नहीं होता। उन्होंने समझाया कि सोने से न तो कोई डिविडेंड मिलता है, न ही कोई बोनस, न ही कोई कैश फ्लो होता है। इसका कोई ऐसा फंडामेंटल नहीं है जिससे इसका मूल्य तय किया जा सके। सोने का मूल्य हजारों साल के इतिहास के कारण एक मूल्य के भंडार के रूप में है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसलिए भी कारोबार योग्य है क्योंकि हर कोई इस इतिहास पर विश्वास करता है। यही विशेषताएं सोने और चांदी को खास बनाती हैं।शाह ने निवेशकों को सलाह दी कि इन दोनों संपत्तियों में तेज उछाल के बावजूद आपके पोर्टफोलियो का एक सीमित हिस्सा ही इन्हें होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये ऐसी संपत्तियां हैं जिनकी फंडामेंटल वैल्यू नहीं है या जिसकी फंडामेंटल वैल्यू निर्धारित करने का कोई तरीका नहीं है। इनका मूल्य इस विश्वास पर टिका है कि कोई और आपसे इसे ऊंची कीमत पर खरीदेगा। ऐसे में सोने और चांदी में निवेश करें, लेकिन यह ध्यान रखें कि इनका मौलिक रूप से मूल्यांकन करना मुश्किल है। इसलिए इन्हें आपके पोर्टफोलियो का एक छोटा हिस्सा ही होना चाहिए।

यह पूछे जाने पर कि क्या मौजूदा तेजी बनी रहेगी, शाह ने कहा कि वह 100% मानते हैं कि वस्तुओं की कीमतें घटती-बढ़ती रहती हैं। अगर कीमतें बढ़ी हैं तो वे नीचे भी आएंगी। और जब इतनी तेज उछाल आता है तो करेक्शन भी होता है। उन्होंने कहा कि दो बातों पर ध्यान देना होगा। पहला, केंद्रीय बैंकों का हस्तक्षेप। जब तक वैश्विक केंद्रीय बैंक एक भारतीय गृहिणी की तरह व्यवहार करते हैं यानी सोना खरीदते हैं और बेचते नहीं हैं, तब तक सोने की कीमतें बढ़ती रहेंगी। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि हर दिन कीमत बढ़ेगी।

यूक्रेन के इस खजाने पर है रूस की नजर

पुतिन ने जंग के बदले रखी ये शर्त

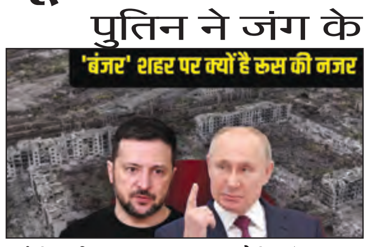

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात करते हुए कहा कि अगर यूक्रेन डोनेत्स्क इलाका रूस को सौंप दे, तो युद्ध खत्म किया जा सकता है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत की जानकारी दो वरिष्ठ अधिकारियों ने दी है। सवाल उठता है कि जंग में बारूदी हमलों से बंजर हो चुका डोनेत्स्क शहर आखिर अब भी रूस के लिए इतना जरूरी क्यों है?

11 साल से कब्जे की कोशिश

पुतिन पिछले 11 सालों से डोनेत्स्क पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक यूक्रेनी सेना ने हर बार रूस को पीछे धकेल दिया है। यूक्रेन के लिए यह इलाका बहुत अहम माना जाता है, क्योंकि यह रूस की राजधानी की ओर बढ़ने के रास्ते में एक मजबूत रक्षा दीवार की तरह काम करता है। अधिकारियों का कहना है कि पुतिन अब भी अपनी पुरानी मांगों पर अड़े हुए हैं, जिससे युद्ध खत्म करने की कोशिशें अटक गई हैं। हालांकि ट्रंप इस मुद्दे को बातचीत से सुलझाने को लेकर आशावादी हैं। रूस और उसके समर्थक विद्रोही 2014 से डोनेत्स्क के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण रखते हैं, लेकिन पूरा क्षेत्र कभी नहीं जीत पाए।

आर्थिक रूप से क्यों है जरूरी

डोनेत्स्क इलाका रूस के लिए रणनीतिक और आर्थिक दोनों ही रूप से बहुत अहम माना जाता है। यहां प्राकृतिक संसाधन, इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर और भौगोलिक स्थिति इसे खास बनाते हैं। हालांकि, चल रहे युद्ध और तबाही की वजह से इसकी असली आर्थिक भूमिका फिलहाल बहुत सीमित हो गई है। साल 2014 तक डोनेत्स्क यूक्रेन का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र था और देश के कुल औद्योगिक उत्पादन का लगभग 20% इसी क्षेत्र से आता था। यह इलाका यूरोप के चौथे सबसे बड़े कोयला भंडार के लिए भी जाना जाता है।

ट्रंप ने पुतिन की मांग पर चुप्पी साधी

अब तक राष्ट्रपति ट्रंप ने डोनेत्स्क को रूस को देने की पुतिन की मांग पर कोई टिप्पणी नहीं की है। शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात के बाद भी ट्रंप ने इसका जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा, अब वक्त है खून-खराबा रोकने का और एक समझौता करने का! दोनों पक्ष जीत का दावा करें और इतिहास तय करे कि असली विजेता कौन है। बातचीत के दौरान पुतिन ने कहा कि अगर रूस को पूरा डोनेत्स्क मिल जाए, तो वह यूक्रेन के ज़ापोरीझिया और खेरसोन इलाकों के कुछ हिस्सों को छोड़ने को तैयार हैं।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर केंद्रीय मंत्री ने दिया बड़ा बयान

इन क्षेत्रों में समझौता नहीं करेगा भारत

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर बातचीत बहुत सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण माहौल में चल रही है. उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों (एमएसएमई) के हितों की पूरी सुरक्षा करेगा. गोयल ने कहा, मुझे लगता है कि बातचीत अच्छे माहौल में चल रही है. मैंने कई बार कहा है कि व्यापार समझौते (एफटीए) या कोई भी व्यापार वार्ता समय सीमा पर नहीं, बल्कि देश के हितों पर आधारित होती है. जब तक भारत के किसानों, मछुआरों और एमएसएमई सेक्टर के हित पूरी तरह सुरक्षित नहीं होंगे, तब तक कोई समझौता नहीं होगा. केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि बातचीत रचनात्मक तरीके से जारी है और जब भी कोई फैसला होगा, हम आपको जरूर बताएंगे. यह बयान तब आया है जब अमेरिका भारत के कृषि क्षेत्र में कुछ रियायतें मांग रहा है.

भारत-अमेरिका व्यापार बढ़ाना है मकसद

भारत की तरफ से वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में हाल ही में अमेरिका में व्यापारिक बातचीत हुई थी. पिछले महीने खुद पीयूष गोयल न्यूयॉर्क में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ इन चर्चाओं में शामिल हुए थे. इस प्रस्तावित द्विपक्षीय

व्यापार समझौते का मकसद भारत-अमेरिका के व्यापार को मौजूदा 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है.

अमेरिका सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका लगातार चौथे साल (202425) में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा. दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 131.84 अरब डॉलर का रहा, जिसमें 86.5 अरब डॉलर भारत के निर्यात रहे. हालांकि, कुछ अमेरिकी टैरिफ की वजह से दोनों देशों के बीच व्यापार पर असर पड़ा है. जैसे कुछ भारतीय उत्पादों पर 25% अतिरिक्त टैक्स और रूसी कच्चे तेल पर 25% आयात शुल्क. भारत ने इन टैक्सों को अनुचित और गैर-जरूरी बताया है.सरकारी सूत्रों का कहना है कि दोनों देशों के बीच कई स्तरों पर बातचीत जारी है और दोनों विन-विन समाधान की दिशा में काम कर रहे हैं. भारत का अमेरिका को निर्यात लगातार बढ़ रहा है, और लगभग 45% भारतीय निर्यात अमेरिकी टैक्स से बाहर हैं.

एयर इंडिया की फ्लाइट ने फिर दिया धोखा

इटली से चले और वहीं अटके रह गए 256 यात्री, अब दिवाली कैसे मनेगी?

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। एयर इंडिया की फ्लाइट में खराबी रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला इटली के शहर मिलान से दिल्ली आ रही फ्लाइट का है। दिवाली मनाने घर लौट रहे 256 यात्रियों और 10 से ज्यादा क्रू मेंबर्स का प्लान उस वक्त खराब हो गया जब मिलान से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की ड्रीमलाइनर फ्लाइट में खराबी आ गई और उसे रद्द करना पड़ा। यह फ्लाइट शुक्रवार को उड़ान भरने वाली थी। एक यात्री जिसका शेंगेन वीजा 20 अक्टूबर को एक्सपायर हो रहा था उन्हें दूसरी एयरलाइन में रीबुक किया गया है ताकि वे दिवाली से पहले दिल्ली पहुंच सकें। बाकी यात्रियों को सोमवार के बाद दूसरी फ्लाइट्स से घर भेजा जाएगा। यानी उन्हें दिवाली इटली में ही मनानी पड़ सकती है।

एयर इंडिया ने जारी किया बयान

एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि एआई 138, जो 17 अक्टूबर को मिलान से दिल्ली आने वाली थी, उसे रद्द कर दिया गया। ऐसा विमान में आई एक तकनीकी खराबी के कारण हुआ, जिसे ठीक करने में ज्यादा समय लग रहा था। हमने सभी यात्रियों और क्रू की सुरक्षा को सबसे ऊपर रखा। एयर इंडिया ने बताया कि सभी प्रभावित यात्रियों को होटल में ठहराया गया है। हालांकि, होटल की सीमित उपलब्धता के कारण, कुछ यात्रियों को एयरपोर्ट के आसपास के इलाके से थोड़ी दूर ठहराना पड़ा।

20 अक्टूबर के बाद भरेंगे उड़ान

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि यात्रियों को 20 अक्टूबर या उसके बाद की वैकल्पिक उड़ानों में रीबुक किया गया है। यह एयर इंडिया और दूसरी एयरलाइनों में सीट की उपलब्धता के आधार पर किया गया है। खास तौर पर, एक यात्री जिनका शेंगेन वीजा 20 अक्टूबर को खत्म हो रहा है, उन्हें दूसरी एयरलाइन की फ्लाइट में रीबुक किया गया है जो 19 अक्टूबर को मिलान से रवाना होगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि उनका वीजा एक्सपायर न हो।एयर इंडिया ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। कंपनी ने कहा कि वे सभी प्रभावित यात्रियों को जरूरी जमीनी सहायता, जैसे कि खाना, मुहैया करा रहे हैं। एयर इंडिया ने यात्रियों और क्रू की सुरक्षा और भलाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

इटली पहुंची लेकिन वापस नहीं लौट सकी

यह बोइंग 787 ड्रीमलाइनर, जिसका रजिस्ट्रेशन वीटी-एएनएन है, शुक्रवार (17 अक्टूबर) को दोपहर 2:54 बजे दिल्ली से एआई 137 के तौर पर रवाना हुई थी। यह फ्लाइट पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से बचते हुए एक लंबा रास्ता तय करके करीब नौ घंटे बाद इटली पहुंची थी।

महंगाई के मोर्चे पर आई अच्छी खबर

जीएसटी से आम आदमी को ऐसे मिली राहत

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में रिटेल महंगाई अक्टूबर 2025 में और घटने की उम्मीद है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह गिरावट खाद्य पदार्थों की कीमतों में मौसमी देरी और हाल ही में लागू हुए जीएसटी सुधारों के पूरे असर के कारण हो सकती है। रिपोर्ट का कहना है कि आने वाले महीनों में कीमतों में सिर्फ मामूली बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर महीने के लिए हमारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की अनुमानित दर इस समय 0.50% से कम है। खाद्य महंगाई में भी तेज गिरावट की उम्मीद है और सर्दियों के महीनों में यह निगेटिव जोन में बनी रह सकती है, क्योंकि बाढ़ का असर अब कम हो गया है।

8 सालों में सबसे निचले स्तर पर महंगाई

महंगाई में तेज गिरावट आई है और यह पिछले 8 सालों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। इसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी और जीएसटी दरों में सुधार है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सीपीआई महंगाई अनुमान को घटाकर 2.6% कर दिया गया है। पहले यह 3.1% था। अनुमान है कि पूरे साल महंगाई लक्ष्य से नीचे रहेगी और केवल आखिरी तिमाही में थोड़ा इजाफा होगा।

सितंबर में भी घटी महंगाई

सितंबर महीने के आंकड़ों में भी खुदरा महंगाई में पिछली बार के मुकाबले स्पष्ट गिरावट देखी गई, जिससे यह साबित होता है कि कीमतों में कुल मिलाकर राहत आई है। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स -2.28% रहा, यानी जून 2025 से ही खाद्य वस्तुओं की कीमतें लगातार घट रही हैं।

ग्रामीण इलाकों में घटी महंगाई

डेटा के अनुसार, ग्रामीण इलाकों में महंगाई दर 1.07% रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 2.04% दर्ज की गई। खाद्य महंगाई दोनों जगह नकारात्मक रही।

ग्रामीण में 2.17%, और शहरी में -2.47%, जो सब्जियों और खाने के तेल की गिरती कीमतों को दिखाती है। सरकार ने इस गिरावट का कारण बताया कि अनुकूल आधार प्रभाव और सब्जियां, तेल-घी, फल, अनाज, दालें, अंडे और ईंधन जैसी प्रमुख वस्तुओं की कीमतों में कमी आई है।"

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 06-13
सूर्यास्त. 17-48

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण सोमवार 20 October
तिथि - चतुर्दशी 15-45 तक उपरान्त अमावस्या
नक्षत्र - हस्त 20-16 तक उपरान्त चित्रा
योग - वैधृति 02-34 तक उप विष्कुंभ
करण - शकुनि 15-45 तक उप चतुष्पाद
व्रत रूप चतुर्दशी
त्योहार अरूणोदय स्नान

गृह स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य - तुला मे	तुला----- 06-03 बजे
चंद्र - कन्या मे	वृश्चिक...08-12 बजे
मंगल-तुला मे	धनु...... 10-26 बजे
बुध - तुला मे	मकर... 12-33 बजे
गुरु - मिथुन मे	कुंभ.... 14-23 बजे
शुक्र -कन्या मे	मीन.... 16-01 बजे
शनि मीन मे	मेष..... 17-37 बजे
राहु कुंभ मे	वृष.... 19-21 बजे
केतु सिंह मे	मिथुन.. 21-22 बजे
	कर्क... 23-35 बजे
	सिंह--- 01-46 बजे
	कन्या-- 03-53 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-39 से 09-06 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-13 - 07-38	शुभ	चंचल	17-48 - 19-23	शुभ
काल	07-39 - 09-06	अशुभ	रोग	19-23 - 20-55	अशुभ
शुभ	09-06 - 10-33	शुभ	काल	20-55 - 22-28	अशुभ
रोग	10-33 - 12-01	अशुभ	लाभ	22-28 - 00-01	शुभ
उत्पात	12-01 - 13-28	अशुभ	उत्पात	00-01 - 01-34	अशुभ
चंचल	13-28 - 14-55	शुभ	शुभ	01-34 - 03-06	शुभ
लाभ	14-55 - 16-23	शुभ	अमृत	03-06 - 04-39	शुभ
अमृत	16-23 - 17-48	शुभ	चंचल	04-39 - 06-13	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए । यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें । आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं । हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें ।आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दिवाली और छठ पर यात्रियों के लिए चलेंगी 1,702 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।सेंट्रल रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए दीवाली और छठ पूजा के मौके पर 1,702 स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है, ताकि लोग आसानी से अपने घर जाकर त्योहार अपने परिवार के साथ मना सकें. सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल निला ने बताया, सेंट्रल रेलवे दीवाली और छठ के लिए पूरी तैयारी कर रहा है. हम 1,702 स्पेशल ट्रेनें चला रहे हैं ताकि यात्री अपने घर तक आसानी से पहुंच सकें और त्योहार परिवार के साथ मना सकें.ये ट्रेनें छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, पुणे, कोल्हापुर और नागपुर से चलेंगी. इनमें से 800 से ज्यादा ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए होंगी. इसके अलावा, देश के अन्य हिस्सों में भी ट्रेनें चलाई जाएंगी. उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए बड़े स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर लगाए गए हैं.सीपीआरओ ने कहा, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए बड़े स्टेशनों पर 3,000 से अधिक यात्रियों की क्षमता वाले वेटिंग एरिया बनाए गए हैं, जिनमें खाना, पानी, टॉयलेट और पंखे जैसी सुविधाएं दी गई हैं. टिकट बुकिंग के लिए मोबाइल यूटीएस सेवा उपलब्ध है और अतिरिक्त टिकट काउंटर भी खोले गए हैं ताकि लंबी लाइनों से बचा जा सके. शनिवार को भारतीय रेल ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर रेलवे से जुड़ी भ्रामक या पुराने वीडियो शेयर करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

1970 में आज ही के दिन रचा गया इतिहास

जब देश ने गढ़ा पहला स्वदेशी सुपरसोनिक लड़ाकू विमान, मिग-21 की कहानी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 1970 का अक्टूबर महीना भारतीय रक्षा इतिहास में सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि 'आत्मनिर्भरता' की पहली और सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा का प्रमाण था। उस दिन, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के इंजीनियरों ने पसीने और संकल्प से पहला पूर्ण स्वदेशी सुपरसोनिक लड़ाकू विमान, मिग-21 गढ़ा था। यही नहीं मिग-21एफएल, टाइप 77 को इसी दिन गर्व से भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल किया गया।

जब भारत को स्वदेशी फाइटर जेट

यह महज एक 'हैंडओवर' नहीं था। यह विदेशी जंजीरों को तोड़ने के अटल संकल्प की दहाड़ थी, जिसने भारतीय एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र की आधारशिला रखी। आजादी के तुरंत बाद ही भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों ने घेर लिया। 1956 में पाकिस्तान ने जब अमेरिका से नॉर्थ अमेरिकन एफ-86 सब्रेस हासिल किए और बाद में मॉडर्न लॉकहीड एफ-104 स्टारफाइटर उनके बेड़े में शामिल हुए तो भारतीय वायुसेना के सामने एक गंभीर 'जेट गैप' पैदा हो गया।

आईएफ में सोवियत लड़ाकू विमानों की एंट्री

एफ-104 मैक 2.0 प्लस क्षमता वाला विमान था, जिसके सामने भारत के पास कोई सीधा मुकाबला नहीं था। इस भू-राजनीतिक अनिवार्यता ने भारत को पश्चिम के पारंपरिक हथियार आपूर्तिकर्ताओं से विमुख होने और सोवियत संघ की ओर रुख करने के लिए मजबूर किया। यह एक ऐसा रणनीतिक बदलाव था जिसने भारतीय वायुसेना में सोवियत लड़ाकू विमानों के प्रभुत्व के एक नए युग की शुरुआत की।

इसलिए फाइटर जेट की उठी डिमांड

1962 के चीन युद्ध ने इस आवश्यकता को 'जल्द से जल्द' एक सक्षम तकनीक हासिल करने की मजबूरी में बदल दिया। इसी रणनीतिक मजबूरी के तहत, 1963 में सोवियत-निर्मित मिग-21एफ-13 संस्करण भारतीय वायुसेना का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान बना। सोवियत संघ के साथ 1962-64 में हुआ लाइसेंस उत्पादन समझौता सिर्फ विमान खरीदने का सौदा नहीं था, बल्कि तकनीकी हस्तांतरण का एक मास्टरस्ट्रोक था।

'मिग कॉम्प्लेक्स' मिला नाम

मिग-21 के लाइसेंस उत्पादन के लिए सोवियत योजना ने भारत में एक अभूतपूर्व औद्योगिक बुनियादी ढांचा स्थापित किया, जिसे 'मिग कॉम्प्लेक्स' के नाम से जाना जाता है। यह कॉम्प्लेक्स आधुनिक भारत के एयरोस्पेस औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का जन्मस्थान था, जो तीन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संयंत्रों पर टिका था। नासिक एयरफ्रेम फैक्ट्री, जो आज तक लड़ाकू जेट विनिर्माण की धुरी है।

इतिहास के पन्नों में

मिग-21 कार्यक्रम में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर

कोरापुट आर-11 जेट इंजन जैसे जटिल इंजनों के उत्पादन के लिए इंजन फैक्ट्री है। हैदराबाद, जो एवियोनिक्स और अन्य संवेदनशील इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री है। मिग-21 कार्यक्रम ने प्रौद्योगिकी के अवशोषण के लिए एक सावधानीपूर्वक चरणबद्ध रणनीति अपनाई। शुरुआती वर्षों (1966-1969) में आयातित घटकों (सीकेडी/एसकेडी किट) से असेंबली की गई। खुफिया रिपोर्टों ने इसे 'अत्यधिक आशावादी' माना था, लेकिन एचएएल के इंजीनियरों और तकनीशियनों ने इन आशंकाओं को ध्वस्त कर दिया।

एचएएल ने तैयार किया स्वदेशी विमान

एचएएल की ओर से भारत में पूरी तरह से स्क्रैच से निर्मित पहला मिग-21एफएल (टाइप 77) विमान आधिकारिक तौर पर आईएएफ को सौंपा गया।

यह मील का पत्थर देश के भीतर पूर्ण घटक निर्माण की शुरुआत का प्रतिनिधित्व करता था। उन्नत आर2एल रडार और बेहतर एवियोनिक्स से लैस, मैक 2.05 की अधिकतम गति वाला टाइप 77, आईएएफ के लिए गेम चेंजर साबित हुआ।

अक्टूबर 1970 में पूर्णस्वदेशी उत्पादन

अक्टूबर 1970 में पूर्ण स्वदेशी उत्पादन की शुरुआत ने भारतीय वायुसेना को 1971 के युद्ध से पहले अपनी शक्ति बढ़ाने में सक्षम बनाया। इस क्षमता ने सुनिश्चित किया कि आईएएफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों या आयात व्यवधानों पर निर्भर हुए बिना एक प्रमुख संघर्ष में अपनी लड़ाकू शक्ति को बनाए रख सके।

एचएएल सुपरसोनिक विनिर्माण महाशक्ति

1987 तक, एचएएल ने विभिन्न वेरिएंट में 600 से अधिक यूनिट्स घरेलू स्तर पर निर्मित करके शानदार सफलता हासिल की थी और 1990 के दशक तक, मिग-21 घटकों का 60 फीसदी से अधिक स्वदेशीकरण हासिल कर लिया गया था, जिसमें लैंडिंग गियर और इजेक्शन सीटें जैसे महत्वपूर्ण पुर्जे शामिल थे। 1970 का वह क्षण भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर पहली बड़ी छलांग थी। मिग-21 ने एचएएल को न केवल एक विमान असेंबलर, बल्कि एक सुपरसोनिक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में स्थापित किया।

ऐसे भारत ने तैयार किया मिग-21 एफएल

इस डील में न केवल मिग-21 एयरफ्रेम, शक्तिशाली आर-11 जेट इंजन और के-13 एयर-टू-एयर मिसाइल के उत्पादन की व्यापक योजना थी, बल्कि यह भुगतान स्थानीय मुद्रा (रुपया-रूबल) में करने का विकल्प भी देता था। सबसे महत्वपूर्ण, इसमें भारत में 'लाइसेंस उत्पादन' की पेशकश थी। इस तकनीकी एकीकरण ने भारत के औद्योगिक आधार में एक चिरस्थायी निवेश किया।

लड़ाकू विमान की एंट्री की पूरी कहानी

हालांकि, मिग-21 को अपनाने का निर्णय भारत के महत्वाकांक्षी स्वदेशी सपने, डॉ. कर्ट टैंक की ओर से डिजाइन किए गए एचएएल एचएफ-24 मारुत कार्यक्रम के लिए एक बड़ा झटका था। मारुत को मैक 2-सक्षम होने के लिए डिजाइन किया गया था, लेकिन उपयुक्त उन्नत इंजन हासिल करने में विफलता के कारण यह एक सबसोनिक विमान ही रह गया। 1962 के बाद, देश का रणनीतिक ध्यान मैक 2 क्षमता पर केंद्रित हो गया, जिससे मारुत प्रोजेक्ट प्रभावी रूप से दरकिनार हो गई। रणनीतिक आवश्यकता ने स्वदेशी डिजाइन की लंबी अवधि की प्रगति पर विजय प्राप्त की।

दो नाबालिग लड़कियों से सामूहिक दुष्कर्म

मालिक और तीन कर्मचारी गिरफ्तार

जमशेदपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में जमशेदपुर के साकची थाना स्थित होटल में दो नाबालिग लड़कियों (14 वर्ष) के साथ सामूहिक दुष्कर्म की गंभीर घटना सामने आई है। पुलिस ने होटल के मालिक और तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

नशे में लड़कियों के साथ दुष्कर्म

जानकारी के अनुसार, गोलमुरी टुइलाडूंगरी की दो नाबालिग लड़कियों को गुरुवार की शाम बहला-फुसलाकर होटल में ले जाया गया। वहां होटल के मालिक और उसके तीन कर्मचारी शराब के नशे में लड़कियों के साथ दुष्कर्म करने लगे। आरोपियों की उम्र 19 से 20 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस ने पीड़िताओं की निशानदेही पर होटल के कमरे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान शराब और बीयर की खाली बोतलें, आपत्तिजनक सामग्री और आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त किए गए।

जांच के दौरान सभी आरोपी पुलिस पूछताछ में अपने अपराध को स्वीकार कर चुके हैं। साकची थाना प्रभारी आनंन्द मिश्रा ने बताया कि दोनों पीड़िताओं का मेडिकल परीक्षण कराया गया और उन्हें उचित सुरक्षा और मानसिक सहायता प्रदान की जा रही है। पुलिस ने यह भी कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिसकर्मी की पत्नी को रेपकर धारदार हथियार से काटा

बेटी के कपड़े उतारकर चाकू मारे, कातिलों में एनएसयूआई नेता, कबाड़-कारोबारी, अबतक 33 गवाह कोर्ट में पेश

सूरजपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरजपुर में हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी और बेटी को 3 कातिलों ने मिलकर काट डाला। पुलिसकर्मी की पत्नी से रेप कर हत्या की गई, जबकि मासूम बेटी को कई चाकू मारे। इसके बाद मां-बेटी को नग्न कर लाश घर से 5 किलोमीटर दूर फेंक दिए थे। डबल मर्डर केस में 5 आरोपी जेल में बंद हैं। हत्याकांड का मास्टरमाइंड कुलदीप साहू है। एनएसयूआई नेता सीके चौधरी समेत 3 लोगों ने मिलकर मर्डर किया। 2 और साथियों ने भागने में मदद की थी। आरक्षक पर खौलता तेल फेंका था और पुलिस पर फायरिंग की थी।

वारदात के बाद भड़के लोगों ने मुख्य आरोपी कुलदीप साहू की गाड़ियों में आग लगा दी थी। चक्काजाम कर प्रदर्शन किया था। आरोपियों के एनकाउंटर की मांग उठी थी। बवाल के बीच सरकार ने एसपी एमआर अहिरे को हटा दिया था। हालांकि सूरजपुर सिटी कोतवाली थाना प्रभारी विमलेश दुबे अभी भी वहीं पदस्थ हैं। अभियोजन पक्ष के वकील संजय अंबष्ट ने बताया कि डबल मर्डर केस सूरजपुर के फास्ट ट्रैक कोर्ट में विचाराधीन है। अब तक 33 से अधिक गवाहों की गवाही पूरी हो गई है। पुलिस, फोरेंसिक और साइबर सेल की गवाही बाकी है। जल्द ही बयान दर्ज किए जाएंगे। कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। मामला रेयर ऑफ रेयरेस्ट है।

दरअसल, 9 अक्टूबर की रात शहनाज अख्तर का जगराता कार्यक्रम था। हत्याकांड का मुख्य आरोपी कुलदीप साहू के भाई संदीप साहू का नवापारा के कुछ लड़कों से झगड़ा हुआ था। 2 दिन बाद पुलिस संदीप साहू को भाजपा नेताओं के दबाव में उठाकर ले गई। इसके बाद थाने में बेदम पीटा। हालांकि संदीप साहू के खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

कुलदीप साहू
(आदतन अपराधी)

- **काम:** सूरजपुर जिले का सबसे बड़ा कबाड़ी
- **क्राइम:** आर्म्स एक्ट, चोरी, मारपीट
- शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचने सहित अन्य धाराओं में 2 दर्जन FIR
- फिल्टर प्लांट सहित अन्य संपत्ति की बार-बार चोरी होने पर नगर पालिका ने जिला बदर का प्रस्ताव पारित किया था।

इसरो को मिली बड़ी सफलता

चंद्रयान-2 ने पहली बार दी सूरज के प्रभाव की जानकारी

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर उतरकर इतिहास रचने वाले चंद्रयान-2 ने एक बार फिर नई जानकारी जुटाई है। सूर्य के चांद पर पड़ने वाले असर का चंद्रयान-2 ने पता लगाया है। इसरो ने इसकी जानकारी साझा की है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इस अवलोकन से चंद्रमा के बाह्यमंडल, चंद्रमा के अत्यंत विरल वायुमंडल और उसकी सतह पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी।

सूर्य के तूफान ने फुला दिया चांद का पतला वायुमंडल

इसरो ने बताया कि भारत के महत्वाकांक्षी मिशन चंद्रयान-2 के लूनर ऑर्बिटर ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक बहुत बड़ी और पहली बार देखी गई घटना दर्ज की है। चंद्रयान-2 पर लगे वैज्ञानिक उपकरण चेस-2 ने सूर्य से निकलने वाले कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) के प्रभावों को चंद्रमा के बाह्यमंडल यानी उसके बेहद पतले वायुमंडल पर सीधे देखा है। चंद्रयान-2 के अवलोकनों से पता चला है कि जब सूर्य का यह विशाल तूफान चंद्रमा से टकराया, तो चंद्रमा के दिन के समय के बाह्यमंडल का कुल दबाव अचानक बढ़ गया। इसरो के मुताबिक चेस-2 ने रिकॉर्ड किया कि वातावरण में परमाणुओं और अणुओं का घनत्व दस गुना से भी अधिक बढ़ गया था। चंद्रयान-2 पहला मिशन है जिसने इसे वास्तव में होते हुए देखा है। यह घटना 10 मई, 2024 को हुई जब सूर्य ने सीएमई की एक श्रृंखला अंतरिक्ष में फेंकी। चूंकि चंद्रमा के पास पृथ्वी की तरह कोई सुरक्षात्मक चुंबकीय क्षेत्र या सघन वायुमंडल नहीं है, इसलिए सीएमई के आवेशित कण सीधे चंद्रमा की सतह पर टकराए। इन कणों की टक्कर से चंद्रमा की सतह से बड़ी संख्या में परमाणु और अणु उछलकर बाह्यमंडल में मुक्त हो गए, जिससे वातावरण अचानक फूल गया।

सीएमई का क्या प्रभाव पड़ता है?

चंद्रयान-2 ने पहली बार वैज्ञानिक रूप से यह अवलोकन किया है कि सूर्य की कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) यानी सूर्य से विशाल मात्रा में ऊर्जा और कणों का विस्फोट चंद्रमा के वातावरण को कैसे प्रभावित करता है। यह जानकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दी। कोरोनल मास इजेक्शन तब होता है, जब सूर्य अपनी निर्माण सामग्री, जिसमें मुख्यतः हीलियम और हाइड्रोजन आयन होते हैं, जिनका महत्वपूर्ण मात्रा में उत्सर्जन करता है। ये प्रभाव चंद्रमा पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि चंद्रमा एक वायुहीन पिंड है और वह भी किसी भी वैश्विक चुंबकीय क्षेत्र से रहित है, जिसकी उपस्थिति इसकी सतह पर सौर प्रभावों को रोक सकती थी। इसरो ने कहा कि इस अवलोकन से चंद्रमा के अत्यंत पतले वायुमंडल (लूनर एक्सोस्फीयर) की बेहतर समझ और अंतरिक्षीय मौसम के चंद्र सतह पर प्रभाव का अध्ययन संभव हो सकेगा।

लगातार डेटा भेज रहा ऑर्बिटर

चंद्रयान-2 मिशन को 22 जुलाई 2019 को श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एमके-III-एम1 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया था। यह मिशन आठ वैज्ञानिक उपकरणों के साथ गया था और 20 अगस्त 2019 को यह सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर गया था। हालांकि 7 सितंबर 2019 को विक्रम लैंडर से संपर्क टूट गया था, लेकिन ऑर्बिटर अभी भी चंद्रमा की 100 किमी x 100 किमी की कक्षा में सक्रिय है और निरंतर वैज्ञानिक डेटा भेज रहा है। इसरो ने यह भी कहा कि यह खोज वैज्ञानिक दृष्टिकोण से चंद्रमा और अंतरिक्ष मौसम की समझ को आगे बढ़ाने के साथ-साथ भविष्य में चंद्रमा पर बनने वाले बेस (चंद्र आवासों) के लिए भी चेतावनी है। चंद्रमा पर मानव मिशन या स्थायी ठिकाने बनाने से पहले वैज्ञानिकों को इस तरह के सौर तूफानों और उनके प्रभावों को ध्यान में रखना होगा।

ट्रम्प के खिलाफ सबसे बड़ा प्रदर्शन

- नो किंग प्रोटेस्ट में 2600 से ज्यादा रैलियां निकलीं
- 70 लाख प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे

वॉशिंगटन, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ। इस प्रदर्शन में देश के अलग-अलग शहरों में 2600 से ज्यादा रैलियां निकाली गईं। इन रैलियों में करीब 70 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। इन प्रदर्शनों को 'नो किंग्स' प्रोटेस्ट नाम दिया गया है। दरअसल प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ट्रम्प के शासन में देश तेजी से तानाशाही की ओर बढ़ रहा है। इससे पहले जून में हुए पहली 'नो किंग्स' प्रदर्शन के दौरान लगभग 2100 जगह रैलियां निकाली गई थीं।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर, बोस्टन, अटलांटा और शिकागो के पार्कों में भारी भीड़ जुटी। वॉशिंगटन, लॉस एंजिल्स और कई रिपब्लिकन शासित राज्यों में भी लोग सड़कों पर उतरे। रिपब्लिकन पार्टी ने इन प्रदर्शनों को हेट अमेरिका रैली (अमेरिका से नफरत करने वाले प्रदर्शन) करार दिया।

ट्रम्प के कार्यकाल में तीसरा बड़ा विरोध प्रदर्शन

राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में हुआ यह तीसरा बड़ा प्रदर्शन है। खास बात यह है कि इस वक्त अमेरिका में शटडाउन लगा हुआ है। कई सरकारी सेवाएं ठप हैं। ट्रम्प प्रशासन के ताकतवर रवैये को लेकर संसद और न्यायपालिका के साथ टकराव बढ़ गया है।

ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शनकारियों ने नाराजगी जताई

प्रदर्शन में शामिल लोगों ने लोकतंत्र, न्याय और सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। ह्यूस्टन में अमेरिकी मरीन कोर के पूर्व सैनिक डैनियल गेमेज ने कहा, "मैं समझ नहीं पा रहा कि देश में अभी क्या हो रहा है।"

विशाखापट्टनम रेल मार्ग पर टला बड़ा हादसा

जगदलपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जगदलपुर से विशाखापट्टनम जाने वाला रेल मार्ग अवरुद्ध हो गया है। सुबह करीब 3 बजे एक बड़ा सा पत्थर रेलवे ट्रैक के ऊपर आ गिरा, इस घटना से मालगाड़ी से लेकर यात्री ट्रेन दोनों को रोक दिया गया, जिसकी वजह से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घटना की जानकारी लगते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और पत्थर को हटाने का काम शुरू किया गया। जानकारी के मुताबिक, आज सुबह केके रेल लाइन पर सुबह एक बड़ा पत्थर आ गिरा। बताया जा रहा है ट्रेन जैसे ही टायडा और चिमड़ीपल्ली के नजदीक पहुंची कि एक पत्थर ऊपर से सीधा ट्रैक पर गिरा, इस दौरान ट्रेन बेपटरी हो गई। घटना की जानकारी लगते ही देर रात टीम मौके पर पहुंची।

उत्तराखंड में बढ़ी उल्लू की तस्करी, करोड़ों में कीमत

अमीर बनाने का सपना दिखाते हैं तांत्रिक, ज्योतिषी बोले-पुण्य के नाम पर ये पाप

दिवाली पर उल्लू की बलि

देहरादून, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली नजदीक आते ही उत्तराखंड के जंगलों में उल्लुओं की जान फिर खतरे में पड़ गई है। मां लक्ष्मी के वाहन माने जाने वाले इन पक्षियों को लेकर अंधविश्वास और तांत्रिक मान्यताओं के कारण तस्कर सक्रिय हो जाते हैं। माना जाता है कि दीपावली पर तंत्र साधना या सिद्धि पाने के लिए उल्लू की बलि देने से धन प्राप्त होता है। इसी अंधविश्वास के चलते हर साल दीपावली से पहले उल्लुओं के शिकार और अवैध व्यापार की घटनाएं बढ़ जाती हैं। तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी समेत राज्यभर में वन विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। विभाग ने जंगलों में गश्त तेज कर दी है और सभी फील्ड स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं।

हल्द्वानी डीएफओ प्रकाश चंद्र ने बताया कि दीपावली पर प्रतिबंधित वन्यजीवों की तस्करी की आशंका अधिक होती है, इसलिए सभी वनकर्मियों को 24 घंटे की निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल रिपोर्ट करने को कहा गया है। ज्योतिषाचार्य डॉ. नवीन चंद्र जोशी के अनुसार, उल्लू की बलि देना महापाप है। उन्होंने कहा- उल्लू मां लक्ष्मी का वाहन है, इसलिए उसकी हत्या से देवी कभी प्रसन्न नहीं होतीं। यह सिर्फ अंधविश्वास है, जो पुण्य के नाम पर पाप की राह दिखाता है। दिवाली के समय कई तांत्रिक दावा करते हैं कि उल्लू के पंख, नाखून, चोंच या आंख से तंत्र साधना करने पर धन की प्राप्ति होती है। इसी झूठे विश्वास में लोग इन पक्षियों की तस्करी का हिस्सा बन जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में दिवाली से पहले उल्लू की अवैध बिक्री का बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो जाता है। तंत्र-मंत्र के लालच में इनकी कीमत 1 लाख से लेकर 1 करोड़ रुपए तक लगाई जाती है। सबसे ज्यादा डिमांड "पांच पंजे वाले" और "ढाई किलो वजन वाले" उल्लुओं की बताई जाती है। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक, यूपी, एमपी, राजस्थान और बंगाल से लेकर अब उत्तराखंड तक इनकी तस्करी होती है। तस्कर इन्हें जंगलों से पकड़कर तांत्रिकों और कुछ उच्चवर्गीय लोगों तक पहुंचाते हैं।

पूरे विश्व में उल्लू की करीब 225 प्रजातियां पाई जाती हैं। भारत में लगभग 36 और उत्तराखंड में 19 प्रजातियां चिह्नित की गई हैं। सबसे ज्यादा अवैध व्यापार में जो प्रजातियां आती हैं, उनमें चित्तीदार उल्लू, कॉलर वाला उल्लू, ब्राउन हॉक उल्लू और एशियाई बैरड़ उल्लू शामिल हैं। उल्लू न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण पक्षी है।यह खेतों में चूहों, कीड़ों और छोटे जीवों की संख्या को नियंत्रित करता है, जिससे फसलें सुरक्षित रहती हैं। इसी कारण इसे किसानों का मित्र पक्षी कहा जाता है। इसके घटने से पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

उल्लू हैं सबसे खास

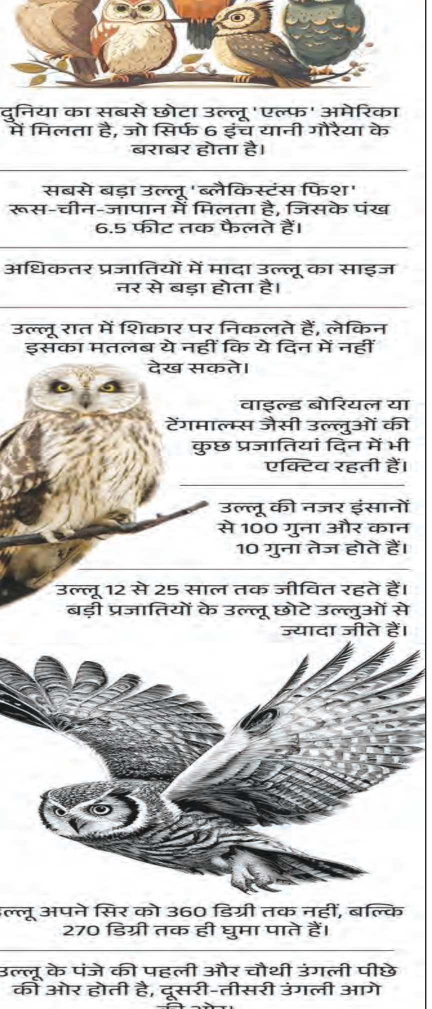

- दुनिया का सबसे छोटा उल्लू 'एल्फ' अमेरिका में मिलता है, जो सिर्फ 6 इंच यानी गौरैया के बराबर होता है।
- सबसे बड़ा उल्लू 'ब्लैकिस्टंस फिश' रूस-चीन-जापान में मिलता है, जिसके पंख 6.5 फीट तक फैलते हैं।
- अधिकतर प्रजातियों में मादा उल्लू का साइज नर से बड़ा होता है।
- उल्लू रात में शिकार पर निकलते हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि ये दिन में नहीं देख सकते।
- वाइल्ड बोरियल या टेंगमाल्म्स जैसी उल्लुओं की कुछ प्रजातियां दिन में भी एक्टिव रहती हैं।
- उल्लू की नजर इंसानों से 100 गुना और कान 10 गुना तेज होते हैं।
- उल्लू 12 से 25 साल तक जीवित रहते हैं। बड़ी प्रजातियों के उल्लू छोटे उल्लुओं से ज्यादा जीते हैं।
- उल्लू अपने सिर को 360 डिग्री तक नहीं, बल्कि 270 डिग्री तक ही घुमा पाते हैं।
- उल्लू के पंजे की पहली और चौथी उंगली पीछे की ओर होती है, दूसरी-तीसरी उंगली आगे की ओर।
- लेकिन, वे चौथी उंगली को आगे-पीछे दोनों ओर घुमा सकते हैं, जिससे उनका शिकंजा मजबूत हो जाता है।

कौन हैं जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह जो डब्ल्यूआईपीओ एडवाइजरी बोर्ड का करेंगी नेतृत्व?

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। डब्ल्यूआईपीओ एडवाइजरी बोर्ड ऑफ जजेज (2025-2027) में विभिन्न देशों के 10 प्रतिष्ठित जजों को शामिल किया गया है, इनमें दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस प्रतिभा एम सिंह भी शामिल हैं। इस एडवाइजरी बोर्ड का नेतृत्व जस्टिस प्रतिभा एम सिंह करेंगी। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह को 2017 में दिल्ली हाईकोर्ट के स्थायी जज के रूप में प्रमोट किया गया था। वह दिल्ली हाईकोर्ट के 2021-22 सत्र के प्रथम बौद्धिक संपदा प्रभाग की अध्यक्ष और पीठासीन जज भी थीं। जस्टिस सिंह 1991 में बार में शामिल हुईं और नियमित रूप से सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली हाईकोर्ट, बौद्धिक संपदा अपीलीय बोर्ड और भारतीय पेटेंट दफ्तर के समक्ष उपस्थित हुईं। उनके एडवाइजरी कार्यों में कॉपीराइट दफ्तर और पेटेंट परीक्षा को सुव्यवस्थित करना और बौद्धिक संपदा से संबंधित कानूनी संशोधनों पर संसदीय समितियों को सलाह देना शामिल था।

वह वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा गठित स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर विचार-विमर्श के लिए गठित नियामक कार्य समूह की सह-अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। जस्टिस सिंह ने पेटेंट कानून पर भारत की पहली किताब प्रतिभा एम। सिंह ऑन पेटेंट लॉ शीर्षक से लिखी।

दुनिया आज विनाश की ओर बढ़ रही...

मोहन भागवत ने क्यों कहा- रास्ता हमारे पास

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। संघ प्रमुख डॉ। मोहन भागवत ने मुंबई में 'आर्य युग विषय कोश' का लोकार्पण करते हुए भारतीय ज्ञान प्रणाली से जोड़ने की बात कही है। उन्होंने 'अति आत्मविश्वास' से मूल भूलने के खतरे पर चेताया और कहा कि हमारे पूर्वजों ने कभी धर्मांतरण नहीं किया, बल्कि लोगों को जोड़ा है। भागवत ने कहा कि दुनिया भारत की ओर देख रही है, हमें स्वदेशी विचारधारा अपनाकर विश्व को नया मार्ग दिखाना होगा। मोहन भागवत ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अनेक शास्त्रों की रचना की, लेकिन कभी किसी का धर्मांतरण नहीं किया और न ही किसी पर जबरन अपने धर्म को थोपने का प्रयास किया। यह यात्रा लोगों को जोड़ने और एकता स्थापित करने के उद्देश्य से की जाती रही है। उन्होंने कहा कि हर चार साल में भारत में ऐसे लोग आते हैं, जो दुनिया भर में हिंदू समाज से जुड़े हैं और जो अनेक कठिन परिस्थितियों में भी अपनी पहचान और परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। परंतु आज का समाज अति आत्मविश्वास के चलते अपने मूल को भूलता जा रहा है।

दुनिया आज विनाश की ओर बढ़ रही – भागवत

डॉ। भागवत ने आगे कहा कि जब विदेशी लोग भारत आए तो उन्होंने हमारी सभ्यता की गहराई को नहीं समझा, बल्कि हमारे ही ज्ञान और विचारों को अपनाकर हमें पीछे छोड़ दिया। उन्होंने चेताया कि आज भी कुछ लोग हमारी प्रगति में बाधा बन रहे हैं। ऐसे में हमें शांति और आत्मबल दोनों अर्जित करने होंगे। संघ प्रमुख ने कहा, दुनिया आज विनाश की ओर बढ़ रही है, लेकिन नया रास्ता भारत के पास है। इसलिए पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है।

हमें भारतीय ज्ञान प्रणाली से जुड़ना होगा और विदेशी प्रभाव से स्वयं को मुक्त करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम का ज्ञान समझना बुरा नहीं है, लेकिन हमारे अपने ग्रंथ, हमारी सभ्यता और हमारी जड़ें ही हमारे अस्तित्व की पहचान हैं। इसलिए भारत को अपने मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए आधुनिकता के साथ तालमेल बिठाना होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्वान, संघ के स्वयंसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे।

सब कुछ लुटा के होश में आये तो... ओवैसी ने जम्मू कश्मीर के सीएम उमर पर क्यों कसा तंज

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में जन सुरक्षा कानून को लेकर चर्चा एक बार फिर गरम हो गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा मिलते ही विवादास्पद जन सुरक्षा कानून (पीएसए) को हटा देगी। उमर के इस रुख पर एआईएमआईएम के प्रमुख असदउद्दीन ओवैसी ने तंज कसा है।

उन्होंने इस कानून के बनने से लेकर अब तक की स्थिति का जिक्र कसते हुए सीएम उमर अब्दुल्ला को आईना दिखाया है। ओवैसी ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा कि तस्करी से निपटने के लिए शेख अब्दुल्ला ने 1978 में जन सुरक्षा अधिनियम, 1978 (पीएसए) लागू किया था। फारूक अब्दुल्ला, जी.एम. शाह, मुफ्ती सईद, जीएन. आज़ाद, उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती, सभी जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वे आसानी से पीएसए को हटा सकते थे और अनगिनत कष्टों और मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोक सकते थे उन्होंने आगे लिखा कि लगभग हर निर्वाचित मुख्यमंत्री और अनिर्वाचित राज्यपाल ने इस कानून का दुरुपयोग किया है।

1978 से अब तक 20,000 से अधिक लोगों को बिना किसी आपराधिक आरोप, निष्पक्ष सुनवाई या यहाँ तक कि उचित अपील प्रक्रिया के भी जेल में डाल दिया गया है। ओवैसी ने आगे कहा कि कुछ लोगों की नजरबंदी 7-12 साल तक बढ़ा दी गई।

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने फिर लगाया चुनाव में हेराफेरी का आरोप, भाजपा ने किया पलटवार

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रवासी कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा के बयान ने एक बार फिर राजनीतिक बहस तेज कर दी है। उन्होंने दावा किया है कि भारत में चुनावों में हेराफेरी होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट इस सच्चाई को स्वीकार नहीं करते। पित्रोदा ने कहा, लोगों को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की मांग करनी चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र की शुरुआत वहीं से होती है। आप जानते हैं कि चुनावों में गड़बड़ी होती है।

हमारे पास इसके सबूत हैं, हम इसे समझते हैं। मैं ये बात लंबे समय से कह रहा हूं। कुछ लोग इसे गंभीरता से लेते हैं, कुछ नहीं। उन्होंने आगे कहा, चुनाव आयोग और वहां काम कर रहे वरिष्ठ लोग सब कुछ जानते हैं कि क्या हो रहा है। लेकिन आपको कोई सुनवाई नहीं मिलती। चुनाव आयोग नहीं मानता, सुप्रीम कोर्ट नहीं मानता। पित्रोदा ने सवाल उठाते हुए कहा, फिर क्या करें? आपके पास अब विश्वविद्यालयों में जाकर बोलने की आजादी भी नहीं है। लेकिन यही भारत है जिसमें हम जी रहे हैं और सभी लोग इसे पसंद करते हैं। उनको और शक्ति मिले, मैं क्या कहूं? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पित्रोदा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, सीरियल ऑफेंडर (आदतन अपराधी) ने फिर यह कर दिया। चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और जनता को भी विदेश की धरती से बदनाम किया। पहले राहुल गांधी और अब सैम। उन्होंने आगे कहा, इनका एक ही एजेंडा है- सिर्फ भाजपा का विरोध करने के लिए भारत को बदनाम करना। सेना से संविधान तक, ये लोग संदेह पैदा करते हैं और प्रोपेगेंडा फैलाते हैं। ये सब 'भारत बदनामी ब्रिगेड' का हिस्सा हैं।

शहजाद ने दावा किया, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस से जुड़े एक मामले में फर्जी हलफनामा देने के लिए फटकार लगाई। बिहार में मतदाता सूची पर इन्होंने कोई ठोस अपील नहीं की, महाराष्ट्र में भी कोई सबूत नहीं दे पाए और सुप्रीम कोर्ट ने आरोप खारिज कर दिए। ये लोग सिर्फ हिट एंड रन करते हैं।

डीजीपी ओपी सिंह को देर रात आया बच्चे का फोन

पिता बोले-गलती से लग गया था; सिंह ने दी सलाह

चंडीगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस प्रमुख ओपी सिंह ने एक बच्चे द्वारा देर रात को अचानक किए गए फोन कॉल को राज्यव्यापी जन-सुरक्षा परामर्श में बदल दिया है, जिससे पुलिस का ध्यान बच्चों में स्क्रीन की लत के बढ़ते खतरे को शामिल करने पर केंद्रित हो गया है। कॉल का जवाब देते हुए, सिंह ने व्यक्तिगत रूप से कॉल करने वाले व्यक्ति की कुशलक्षेम पूछी और परिवार से संक्षिप्त बातचीत करके यह सुनिश्चित किया कि सब कुछ ठीक है। पुलिस महानिदेशक ने रविवार को एक्स पर बातचीत का संक्षिप्त विवरण पोस्ट किया और इसका उपयोग जागरूकता बढ़ाने और माता-पिता को अत्यधिक स्क्रीन समय के बारे में चेतावनी देने के लिए किया। सिंह ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि देर रात एक कॉल आया - पता चला कि कॉल करने वाले के बच्चे ने गलती से डायल कर दिया था।

फोन काटने से पहले, मैंने उसे याद दिलाया कि फ़ोन तेज़ स्वाइप करना सिखाते हैं, धीमी मुस्कान नहीं। मैंने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें दिखाया गया है कि स्क्रीन कैसे बच्चों के दिमाग को नया रूप देती है। बच्चों को हाथों में कांच नहीं, बल्कि मिट्टी के साथ बड़ा होने दें। उन्होंने अभिभावकों से डिजिटल अनुशासन लागू करने का भी आग्रह किया।

नुआपड़ा उपचुनाव में चल रहा पैसे का खेल

टिटिलागढ़ स्टेशन और साप्ताहिक एक्सप्रेस से भारी नकदी बरामद

भुवनेश्वर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। नुआपड़ा उपचुनाव में सभी राजनीतिक दल अपनी ताकत आज़माने के लिए जोर-शोर से तैयारी कर रहे हैं। इसी गर्म राजनीतिक माहौल के बीच टिटिलागढ़ रेलवे स्टेशन से रेलवे पुलिस द्वारा लगभग 90 लाख रुपये जब्त किए जाने की घटना ने हड़कंप मचा दिया है। जानकारी के मुताबिक, केसिंगा और टिटिलागढ़ स्टेशन के बीच चल रही धरतियाबा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में अवैध तरीके से सामान की ढुलाई होने की सूचना आरपीएफ को मिली थी।टिटिलागढ़ आरपीएफ की एक विशेष टीम ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने दो व्यक्तियों को नीले रंग के बैग में कुछ संदिग्ध सामग्री ले जाते देखा। शक होने पर जब उनका पीछा किया गया तो दोनों ट्रेन से उतरकर भागने की कोशिश करने लगे। आरपीएफ ने उन्हें पकड़कर थाने लाया और बैग की जांच करने पर उसमें 70 लाख रुपये बरामद हुए।

जब्त राशि के संबंध में वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पकड़े गए दोनों व्यक्ति बिहार के उमेश प्रसाद और झारखंड के प्रभात साहू हैं। इस मामले की जांच के लिए संबलपुर आयकर विभाग को सूचना दी गई है। इसी तरह 'भगत की कोठी' साप्ताहिक एक्सप्रेस से भी 20 लाख रुपये जब्त किए गए हैं। तलाशी के दौरान रेलवे पुलिस ने दो अन्य व्यक्तियों को लाल रंग का बैग लिए संदिग्ध अवस्था में पाया। उन्हें थाने लाकर पूछताछ की गई। आवश्यक कागजात दिखाने पर उनकी राशि वापस लौटा दी गई। जांच के दौरान रेलवे पुलिस अधिकारी केएस। प्रकाश, हनुमान सिंह, शैलेन्द्र कुमार और अशोक बेहेरा उपस्थित थे।

टिटिलागढ़ ब्लॉक नुआपड़ा जिला सीमा के पास होने के कारण यह चर्चा है कि 70 लाख रुपये उपचुनाव में अवैध रूप से उपयोग के लिए ले जाए जा रहे थे। साथ ही, यह भी कहा जा रहा है कि बलांगीर जिले में चल रहे नशा कारोबार के लिए बिहार और झारखंड के व्यापारी यह रकम लेकर आ रहे थे।

चीन सीमा से थल सेनाध्यक्ष की पाक को चेतावनी, बोले- 'ऑपरेशन सिंदूर जारी है'

पिथौरागढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। थल सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर बंद नहीं हुआ है, वह जारी है। भारतीय सेना इसके लिए तैयार है। हमारे जवानों को नई तकनीक का मर्मज्ञ बनना होगा। तकनीक के सहारे नए तौर तरीके सीखने होंगे। थल सेनाध्यक्ष शनिवार को 12 कुमाऊं भड़कटिया खेल मैदान में सैनिकों और पूर्व सैनिकों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक सैनिक को प्रोफेशनल सैनिक बनना होगा। किसी भी ऑपरेशन में तत्काल और प्रभावी ढंग से अंजाम देने के लिए तैयार रहना होगा।किसी भी कार्य को जल्दी से जल्दी करने का कौशल विकसित करना होगा। सेनाध्यक्ष ने कहा कि हर सैनिक को तकनीकी रूप से इतना सक्षम होना होगा कि वह अपनी लोकेशन दे सके। इसके लिए सेना सैनिकों को जिम, गेम ,एडवेंचर करा रही है।उन्होंने कहा कि सैनिकों को मानवीय सहायता के लिए भी तैयार रहना होगा।

अपने संबोधन में सेनाध्यक्ष ने सैनिकों का हौसला आफजाई करते हुए कहा कि सैनिक अपने लोक व्यवहार में बदलाव में समर्थ हे जो अपने उल्लेखनीय कार्यों से अपनी विशिष्ट पहचान कर अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित कर सकते हैं। श्री द्विवेदी ने सोशल मीडिया पर बोलते हुए कहा कि यह जरुरी भी है परंतु इसके खतरे भी हैं। इसका उपयोग सोझ समझ कर ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेना सबसे बड़ी विशेषता एकता है। उन्होंने कहा के पूर्व सैनिकों की महत्ता को समझना होगा । उनके प्रति बड़ा दिल दिखाना होगा।

दीवाली पर पटाखे नहीं जला सकेंगी बंगाल की महिलाएं

ममता बनर्जी के काली पूजा की रात 8 बजे वाले आदेश पर भड़की बीजेपी

कोलकाता, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में काली पूजा और दिवाली की तैयारियां चल रही हैं, ऐसे में उत्सवों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर एक नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने इन दोनों त्योहारों की रात 8 बजे से 10 बजे के बीच पटाखे फोड़ने की अनुमति दे दी है। हालांकि, इस बात पर सवाल उठ रहे हैं कि अगर पहले जारी सरकारी आदेश के अनुसार महिलाओं को रात 8 बजे के बाद घर के अंदर ही रहना है, तो वे इन समारोहों में कैसे हिस्सा ले सकती हैं।

भाजपा की बंगाल इकाई ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा निशाना साधा है। बीजेपी

ने आरोप लगाया है कि उनकी सरकार के प्रतिबंध महिलाओं को काली पूजा और दिवाली का आनंद लेने से प्रभावी रूप से रोकते हैं।

बीजेपी ने एक्स पर किया पोस्ट

एक्स पर एक पोस्ट में बीजेपी ने राज्य प्रशासन पर आरोप लगाया। बीजेपी ने कहा कि बलात्कारियों और अपराधियों को पटाखे फोड़ने का आनंद लेने की अनुमति दी जाती है जबकि महिलाओं को घर में रहने के लिए मजबूर किया जाता है।

बीजेपी ने ममता सरकार को 'महिला विरोधी' करार दिया। बीजेपी के आधिकारिक बंगाल हैंडल ने पोस्ट किया, 'क्या महिलाएं इस काली पूजा पर पटाखे फोड़ पाएंगी? ममता पुलिस दिवाली और काली पूजा पर रात 8 से 10 बजे तक पटाखे फोड़ने की अनुमति देती है। लेकिन अगर ममता के आदेश के अनुसार महिलाओं को रात 8 बजे के बाद घर के अंदर रहना पड़े तो वे उत्सव में कैसे भाग लेंगी?' पोस्ट में आगे दावा किया गया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नीतियां महिलाओं के साथ भेदभाव करती हैं, हैशटैग #महिलाबिरोधिमामाता का उपयोग करते हुए, यह दर्शाता है कि सरकार के प्रतिबंध महिला विरोधी हैं।

ट्वीट में यह भी आरोप लगाया गया है कि केवल बलात्कारी और अपराधी ही काली पूजा और दिवाली के दौरान पटाखे फोड़ने का आनंद ले पाएंगे, जबकि कानून का पालन करने वाली महिलाएं घरों के अंदर ही रहेंगी। अभी तक, राज्य सरकार की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं आया है कि काली पूजा की रात 8 बजे के प्रतिबंध से महिलाओं को छूट मिलेगी या नहीं।

हालांकि, इस मुद्दे ने पश्चिम बंगाल के राजनीतिक रूप से व्यस्त त्योहारों के मौसम में तनाव का एक और स्तर जोड़ दिया है, जहां दिवाली से काफी पहले ही आतिशबाजी शुरू हो गई है।

'मैं कमरे में बंद हूं, ससुराल वाले मुझे मारना चाहते हैं'

विवाहिता ने बनाया वीडियो वायरल होते ही पहुंची पुलिस, ऐसे पलटा पूरा केस

इंदौर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर से एक महिला का वीडियो वायरल हुआ, जिससे पूरे सोशल मीडिया पर सनसनी मच गई। वीडियो में महिला बोले- मैं अपने बेडरूम में बंद हूं। मेरे ससुराल वाले कमरे के बाहर खड़े हैं। वो मुझे मारना चाहते हैं।

वीडियो पुलिस तक पहुंचा तो एक टीम वहां पहुंची। महिला को कमरे से बाहर निकाला गया। मगर जांच में ऐसी बात पता चली जिससे पुलिस भी सन्न रह गई। जांच में सामने आया की महिला ने खुद को कमरे में बंद कर लिया था। पति से विवाद के चलते वीडियो बनाकर वायरल किया था। मामला लसूड़िया थाना क्षेत्र के शांति निकेतन इलाके का है। यहां से एक वीडियो वायरल हुआ। वायरल वीडियो में एक महिला कहती दिखाई दी की वो कमरे में बच्चे के साथ है। कमरे के बाहर उसके ससुराल वाले उससे मारपीट करने के लिए खड़े हैं। इस वीडियो में महिला मदद मांगते नजर आई। वीडियो वायरल होने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर मौजूद महिला पुलिस कर्मी ने महिला से बात कर कमरा खुलवाया और उसके बाद उससे बात की। जब पुलिस ने जांच की तो कुछ और ही मामला निकला। महिला का उसके ससुराल वालों से विवाद चल रहा है। महिला पर लसूड़िया थाने में ही पहले से एक केस दर्ज है। खुद महिला ने भी गाजियाबाद में पति के खिलाफ एक केस दर्ज करवा रखा है। प्रारम्भिक जांच में सामने आया की महिला काफी दिनों से गाजियाबाद में ही रह रही थी, अचानक से वह इंदौर आई और घर में खुद को बंद कर वीडियो वायरल कर दिया।

गिरिराज सिंह के 'नमक हराम' वाले बयान पर संजय राउत का बड़ा बयान

'हिंदू भी उन्हें वोट नहीं दे रहे'

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं, उन्होंने मुस्लिमों के लिए नमक हराम जैसा शब्द कहा जिसको लेकर सियासी उबाल आ गया है। शिवसेना नेता (उद्धव गुट) ने बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि 2014 में मुसलमानों ने नरेंद्र मोदी को वोट दिया था और बीजेपी को बिहार-यूपी में समर्थन मिला, जबकि अब हिंदू भी बीजेपी को वोट नहीं दे रहे। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत ने गिरिराज सिंह के बयान की आलोचना करते हुए इसे समाज में बंटवारा करने वाला बताया। उन्होंने बीजेपी से इस बयान पर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के नेता संजय राउत ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गिरिराज सिंह के बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि गिरिराज सिंह ने दावा किया कि मुसलमान केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन बीजेपी को वोट नहीं देते। यह सच नहीं है। मुसलमानों ने 2014 में मोदी को वोट दिया था और बीजेपी को बिहार और उत्तर प्रदेश में वोट मिले थे। संजय राउत ने आगे कहा कि अब हिंदू भी उन्हें वोट नहीं दे रहे हैं। आप 'वोट चोरी' करके सत्ता में हैं। जब हिंदू आपको वोट नहीं दे रहे, तो क्या आप उन्हें भी 'नमक हराम' कहेंगे? प्रधानमंत्री मोदी को उन्हें मंत्रीमंडल से निकाल देना चाहिए।

उधर लखनऊ में कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने गिरिराज सिंह के बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि गिरिराज सिंह का बयान सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने वाला है। यह देश की एकता और अखंडता के खिलाफ है। केंद्र सरकार को तुरंत इस बयान पर कार्रवाई करनी चाहिए। सुरेन्द्र राजपूत ने मांग की कि भाजपा को अपने मंत्री के बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नमक हराम वाला बयान बिहार विधानसभा चुनाव रैली में दिया था, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

बटूरी गांव में आग की भेंट चढ़े दो मकान, परिवार के सदस्यों ने समय रहते बाहर निकल कर बचाई जान

सांगला, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल के किन्नौर के उपमंडल सांगला की सापनी पंचायत के बटूरी गांव में लकड़ी के दो मकान आग की भेंट चढ़ गए। घर में रखा सारा सामान भी जल गया। दोनों परिवारों के सदस्य समय से बाहर निकल गए। साथ ही गोशालाओं से मवेशियों को भी बाहर निकाल दिया। घटना शनिवार रात को हुई। बटूरी गांव के विद्या लाल और विजेंद्र सिंह की घरों में अचानक आग लग गई।

गांव में आग को बुझाने के कोई साधन नहीं थे। ग्रामीणों ने पेयजल नल से पानी लेकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। कुछ ही घंटों में दोनों घर पूरी तरह से जल गए। स्थानीय प्रशासन की टीम रविवार को मौके पर पहुंची है। स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

हिजाब विवाद पर केरल के शिक्षा मंत्री बोले- मामला खत्म हुआ, कुछ नया जोड़ने की जरुरत नहीं

तिरुवनंतपुरम, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिजाब विवाद पर केरल के शिक्षा मंत्री का बयान सामने आया है। वी। शिवनकुट्टी ने कहा, वह मामला खत्म हो चुका है। आज सुबह करीब 11 बजे तक यह सुलझ गया। मैं इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। जो कुछ भी कहना था, वह पहले ही कह दिया गया है। इसमें कुछ नया जोड़ने की ज़रूरत नहीं है। इस समय और कुछ कहने से सिर्फ़ बेवजह के मुद्दे ही पैदा होंगे।

क्या है केरल का हिजाब विवाद?

मामला हालही में कोच्चि (एर्नाकुलम जिला) के पल्लुरुथी इलाके में स्थित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल से जुड़ा है। यह एक सीबीएसई से संबद्ध अल्पसंख्यक संस्थान है, जो लैटिन कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित है। यहां कक्षा 8 की एक मुस्लिम छात्रा ने जून 2025 में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से स्कूल की यूनिफॉर्म का पालन किया, लेकिन 7 अक्टूबर 2025 को पहली बार हिजाब (हेडस्कार्फ) पहनकर स्कूल आई। स्कूल प्रबंधन ने हिजाब को यूनिफॉर्म नीति का उल्लंघन बताते हुए छात्रा को कक्षा में प्रवेश नहीं दिया। स्कूल ने 2018 के केरल हाईकोर्ट के फैसले (फातिमा थसनीम बनाम केरल राज्य) का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि व्यक्तिगत धार्मिक अधिकार संस्थागत अनुशासन पर हावी नहीं हो सकते। इस मामले पर शिक्षा मंत्री वी। शिवनकुट्टी ने स्कूल की आलोचना की, कहा कि कोई भी स्कूल छात्रों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं कर सकता। उन्होंने इसे सांप्रदायिक ताकतों की साजिश बताया और छात्रा के शिक्षा अधिकार की रक्षा पर जोर दिया।

शिक्षा मंत्री ने और क्या कहा?

शिक्षा मंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री ट्रॉफी रविवार को तिरुवनंतपुरम जिले की सीमा पर स्थित थट्टथुमाला में प्राप्त की जाएगी। कल और परसों विभिन्न स्कूलों में स्वागत समारोह आयोजित किए जाएंगे और ट्रॉफी को एक भव्य जुलूस के साथ सेंट्रल स्टेडियम लाया जाएगा। मशाल (दीपाशिका) 19 तारीख को एर्नाकुलम से अपनी यात्रा शुरू करेगी। लगभग 1,944 एथलीट समावेशी खेल श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करेंगे। उन्होंने कहा, सर्वश्रेष्ठ स्कूल समग्र चैंपियनशिप खेल स्कूलों और सामान्य स्कूलों के लिए अलग-अलग प्रदान की जाएगी।

12 स्टेडियमों में 41 स्पर्धाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बारिश होने पर भी सेंट्रल स्टेडियम में मैच जारी रहेंगे, हालांकि मौसम अन्य आयोजन स्थलों को प्रभावित कर सकता है। इस वर्ष कलारीपयट्टू को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है और यह सेंट्रल स्टेडियम में ही होगा। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, शारीरिक शिक्षा शिक्षक उचित सहयोग नहीं कर रहे हैं। उनकी मांगें पहले ही मान ली गई हैं। अगर उनसे पूछा जाए कि क्या वे हड़ताल पर हैं, तो जवाब ना होगा; लेकिन अगर पूछा जाए कि क्या वे सहयोग कर रहे हैं, तो भी जवाब ना होगा। उन्हें अपना रुख स्पष्ट करना होगा।

किसानों को 718 करोड़ का दिवाली गिफ्ट

फिर सीएम भजनलाल गरजे-कांग्रेस ने जनता को लूटा

भरतपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चौथी किस्त के रूप में राजस्थान के 75 लाख किसानों के खातों में 718 करोड़ रुपए की राशि का रिमोट के माध्यम से हस्तांतरण करने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। सीएम भजनलाल ने कहाकि कांग्रेस ने दशकों तक राजस्थान को भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और कुशासन की दलदल में फंसा दिया। कांग्रेस ने जनता की गाढ़ी कमाई लूटी, किसानों को ठगा और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। भाजपा सरकार पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार जनता की सरकार है, जिसका एक ही उद्देश्य है जनसेवा और विकास।

जनकल्याण के नए अध्याय लिख रही है भाजपा सरकार

सीएम भजनलाल ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य हर गांव, हर किसान, हर नौजवान और हर महिला तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राजस्थान की भाजपा सरकार मिलकर जनकल्याण के नए अध्याय लिख रही है। सीएम भजनलाल भरतपुर जिले के नदबई में हुई सभा में बोल रहे थे।

अब तक 1355 करोड़ से ज्यादा हस्तांतरित किए

सीएम भजनलाल ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चौथी किस्त के रूप में प्रदेश के 75 लाख किसानों के खातों में

718 करोड़ रुपए की राशि का रिमोट के माध्यम से हस्तांतरण किया। सीएम भजनलाल ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 6 हजार के अतिरिक्त 3 हजार की राशि अलग से प्रदेश के किसानों को देती है। इसके तहत अब तक 70 लाख से अधिक किसानों को 1 हजार 355 करोड़ रुपए की धनराशि हस्तांतरित की गई है। इस प्रकार केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को कुल 8,386 करोड़ रुपए से अधिक की राशि दी जा चुकी है जो एक रिकॉर्ड है। इसी क्रम में चौथी किस्त के रूप में लगभग 718 करोड़ रुपए किसानों को और दिए गए हैं।

नदबई को ईआरसीपी में जोड़ने की घोषणा

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री ने नदबई पहुंचते ही जिला अस्पताल की भूमि पर शिलान्यास कर की। उन्होंने कहा कि नदबई अब स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आधारभूत संरचनाओं में अभूतपूर्व विकास की राह पर अग्रसर होगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए नदबई को कई बड़े तोहफे दिए। नदबई को ईआरसीपी में जोड़ने एवं मिनी सचिवालय, ड्रेनेज सिस्टम और रिंग रोड का निर्माण पूरा करने की घोषणा की।

इस मौके पर मौजूद थे ये दिग्गज

इस मौके पर जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत,सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेदम, नदबई विधायक जगत सिंह, बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, वैर विधायक बहादुर सिंह कोली, पूर्व सांसद रंजीता कोली, और भाजपा जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा, पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली, विधायक पुत्र हिम्मत, हनुत सिंह, प्रधान मुन्नी देवी, नपा अध्यक्ष हरवती सिनसिनवार आदि उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन

केंद्रीय मंत्री शेखावत की स्वदेशी अपनाने की अपील

उदयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत उदयपुर ग्रामीण विधानसभा का कार्यकर्ता सम्मेलन गोवर्धन विलास स्थित सरस परिसर में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे सरस परिसर में हुई। एक के बाद एक अतिथियों ने आत्मनिर्भर भारत के विचार पर अपने विचार रखे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि विकसित भारत का मंत्र आत्मनिर्भरता है और आत्मनिर्भरता का मार्ग केवल स्वदेशी से होकर ही गुजरता है। उन्होंने कहा कि हमें

शुरुआत अपने व्यक्तिगत जीवन से करनी चाहिए- छोटे-छोटे कार्यों में स्वदेशी अपनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाना ही सच्ची देशभक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्रशासनिक और आर्थिक सुधारों की नई दिशा तय की गई है।

शेखावत ने आगे कहा कि राशन कार्ड डेटा को एकीकृत कर आज 80 करोड़ लोगों तक खाद्यान्न पहुंचाया जा रहा है। नोटबंदी और जीएसटी जैसे फैसले देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुए हैं।

शेखावत ने कहा कि गुजरात में कैबिनेट फेरबदल पूरी तरह सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा परिवर्तन किसी अन्य पार्टी में होता तो भारी विरोध होता, लेकिन भाजपा में संगठन अनुशासन सर्वोपरि है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी बिहार चुनाव में एक बार फिर एनडीए सरकार बनाने में सफल होगी।

सम्मेलन में राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, विधायक ताराचंद जैन और फूलसिंह मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह, सहकारिता प्रकोष्ठ से जुड़े प्रमोद सामर, महामंत्री पारस सिंघवी, पंकज बोराणा, देवीलाल सालवी सहित जिले के कई मंडल अध्यक्ष और पदाधिकारी मौजूद रहे।

चावल के भूसे और केमिकल से मसाला बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी

मिलावटी हल्दी-पाउडर जब्त, संचालक फरार

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। खोरा बिसल थाना पुलिस ने खाद्य विभाग की टीम के साथ मिलकर सरना डूंगर रीको में मिलावटी मसाले बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। पुलिस और खाद्य विभाग की टीम ने मसाला फै€क्ट्री पर छापा मारकर नकली मसाले जब्त किए हैं।

रेड के दौरान फै€क्ट्री से 1400 किलो मिलावटी हल्दी, 75 किलो मिलावटी मिर्ची पाउडर और अन्य मसाले बरामद हुए हैं। इसके अलावा 400 किलो चावल का भूसा भी जब्त किया गया है, जिसे मिलावट के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

थानाप्रभारी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि फै€क्ट्री मालिक सीकर निवासी राजेंद्र सिंह और अलसीसर झुंझुनूं निवासी महेंद्र सिंह हैं। दोनों आरोपी पुलिस कार्रवाई से पहले फरार हो गए। फैक्ट्री में खराब गुणवत्ता की हल्दी और मिर्ची में केमिकल मिलाकर उन्हें बाजार में बेचा जा रहा था।

ये मसाले न केवल गुणवत्ता में खराब थे। बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकते थे। खाद्य विभाग की टीम ने सैंपल इकट्ठे किए हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी महेंद्र सिंह पहले भी मिलावटी मसाला बनाने के मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

मोहनगढ़ में सागरमल गोपा शाखा नहर अचानक टूटी

लाखों गैलन पानी बर्बाद, खेतों में पानी भरने से किसानों को नुकसान

मोहनगढ़ (जैसलमेर), 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ से बड़ी खबर सामने आई है। इंदिरा गांधी नहर परियोजना की मोहनगढ़ 30 आरडी पर स्थित सागरमल गोपा शाखा नहर रविवार सुबह टूट गई।

बता दें कि स्थानीय किसानों और अधिकारियों की जानकारी के अनुसार, नहर टूटने का मुख्य कारण अवैध पानी चोरी और नहर के कमजोर पटरे हैं। अवैध "धोरी" (नहर से पानी निकालने के लिए बनाई गई गैर-कानूनी नाली) के दबाव और छेड़छाड़ के कारण नहर का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ, जिससे लाखों गैलन पानी बर्बाद हो

गया। नहर टूटने के बाद पानी आसपास के खेतों में घुस गया, जिससे खड़ी फसल को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों ने बताया कि इस क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रूप से पानी चोरी की शिकायतें मिल रही हैं, लेकिन जल संसाधन विभाग के अधिकारी इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों की कथित 'मौन सहमति' और अनदेखी के कारण ही इतना बड़ा हादसा हुआ।

मौके पर जल संसाधन विभाग के कर्मचारी पहुंचे और नहर की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। क्षेत्र के किसानों और जनप्रतिनिधियों ने नहर टूटने और अवैध पानी चोरी में अधिकारियों की भूमिका की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। नहर की मरम्मत के लिए पहले ही 10 करोड़ से अधिक की लागत वाला टेंडर हुआ था, लेकिन उस समय मरम्मत का कार्य पूरा नहीं किया गया। पटरे कमजोर होने और अवैध पानी निकालने के चलते यह हादसा हुआ।

स्थानीय किसान नहर बंद किए जाने की मांग कर रहे हैं, ताकि आगे और नुकसान रोका जा सके। मौजूदा स्थिति में यदि सागरमल गोपा शाखा नहर समय रहते बंद नहीं की गई तो खेतों में पानी भरने से किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हो सकता है। इस हादसे ने मोहनगढ़ क्षेत्र में नहरी सुरक्षा और अवैध पानी चोरी के मुद्दों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पटाखा विक्रेताओं पर कार्रवाई

बिना क्यूआर कोड वाले पटाखे जब्त; बाजार में हड़कंप

सवाई माधोपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर नगर परिषद की फायर यूनिट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने पटाखा विक्रेताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों ने पटाखा लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने पर कई दुकानों से पटाखे जब्त किए। इस कार्रवाई से पटाखा विक्रेताओं में हड़कंप मच गया। जिला प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार केवल "ग्रीन पटाखों" की बिक्री की अनुमति है। बिना क्यूआर कोड वाले पटाखों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। जिला मुख्यालय के इंदिरा मैदान में लगी पटाखा दुकानों की जांच के दौरान नगर परिषद की फायर यूनिट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने लाइसेंस शर्तों की जांच की। नियमों के उल्लंघन पर मिले पटाखों को जब्त कर लिया गया, जिन्हें बाद में नष्ट किया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद कई पटाखा विक्रेताओं ने दुकानें बंद कर दीं और कुछ ने कार्रवाई का विरोध भी किया। हालांकि, अधिकारियों ने दुकानदारों को लाइसेंस की शर्तों के बारे में समझाया और चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन की गाइडलाइन के अनुसारकेवल ग्रीन पटाखों की बिक्री की अनुमति होगी। हर पैकेट पर नारी द्वारा प्रमाणित क्यूआर कोड होना जरूरी है। क्यूआर कोड स्कैन करने से ही यह पुष्टि होगी कि पटाखा पर्यावरण के अनुकूल है।

पिंजरे में फंसा 2 दिन तक दहशत फैलाने वाला पैंथर

चचेरे भाइयों सहित 4 लोगों पर किया था हमला

उदयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर जिले में दो दिन तक दहशत फैलाने वाला पैंथर आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में फंस गया। पैंथर के आतंक से सायरा तहसील क्षेत्र के गांवों में ग्रामीण दहशत में थे। हालांकि, पैंथर के पिंजरे में कैद होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

जानकारी के मुताबिक वन विभाग चलवा गांव में रहट के समीप पिंजरा लगाया था, जिसमें रविवार तड़के पैंथर कैद हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर गोगुंदा वन विभाग के फॉरेस्टर पुष्पेंद्र सिंह भाटी सहित टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग के अधिकारियों ने पैंथर को कब्जे में लिया। इसके बाद टीम पैंथर को लेकर सज्जनगढ़ पार्क उदयपुर के लिए रवाना हुई।

पैंथर के आबादी क्षेत्र में आने से ग्रामीणों में दहशत थे। ग्रामीणों ने वन विभाग से पैंथर को पकड़ने की मांग की थी। पैंथर के पकड़ने जाने के बाद ग्रामीणों राहत की सांस ली। यह वही पैंथर है, जिसने चार लोगों पर हमला किया था। ग्रामीणों ने बताया कि पैंथर ने गांव में दो दिनों से आतंक मचा रखा था। बता दें कि चलवा गांव में घर के बाहर बैठे दो चचेरे भाइयों पर पैंथर ने हमला कर दिया था। चलवा निवासी चेतन सिंह व गजेंद्र सिंह दोनों घर के बाहर मंदिर में पूजा कर रहे थे। इसी दौरान पैंथर ने चेतन सिंह को पीछे से आकर दबोचा। साथ ही गजेंद्र सिंह पर भी झपट्टा मारा। दोनों के चिल्लाने पर आसपास के लोग मौके पर दौड़े, जिससे पैंथर वहां से भाग गया था। घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर एक बच्चे रूपलाल पर भी पैंथर ने हमला कर दिया था। ग्रामीणों ने बताया की पैंथर ने शुक्रवार को भी एक पालतू पशु व एक बाइक सवार पर हमला कर दिया था, जिसकी सूचना वन विभाग को दी परंतु कोई ध्यान नहीं दिया गया।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष एक पैंथर ने नौ जनों का शिकार कर दिया था। गोगुंदा रेंज में आदमखोर पैंथर के हमले में नौ जनों की जान चली गई थी और लगातार सर्च अभियान के बाद उसे मार गिराया था।

बर्थडे पार्टी में हत्या का खुलासा 48 घंटे में चार आरोपी गिरफ्तार

दौसा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां जन्मदिन की पार्टी के बहाने एक युवक को बुलाकर उसकी लाठी-डंडों और सरियों से पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। मंडावरी थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने महज 48 घंटे में हत्या का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या का कारण अवैध संबंध का शक था। जब मक्खनलाल मीणा को उसके परिचितों ने जन्मदिन की पार्टी में बुलाया। पार्टी के दौरान ही दिलखुश मीणा, दिलराज मीणा उर्फ धोल्या, अभिषेक मीणा उर्फ अभि, और यशपाल मीणा उर्फ पीयूष उर्फ पन्नू ने मिलकर उसकी बेरहमी से पिटाई की। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने लाठी, सरिया और बेल्ट से हमला किया, जिससे मौके पर ही मक्खनलाल की मौत हो गई।

आरोपी दिलराज ने फोन कर कहा कि तुम्हारे लड़के मक्खनलाल को हाथ-पैर तोड़कर मार डाला है, टीला वाले बाबा के रास्ते के पास खेत में फेंक दिया है। जाकर देख लो। परिवार जब वहां पहुंचा तो मक्खनलाल का शव सड़क किनारे खेत में पड़ा मिला। रिपोर्ट दर्ज होते ही मंडावरी थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने दौसा, जयपुर और सवाई माधोपुर जिलों में दबिशें दीं। जानकारी मिली कि दो आरोपी हैदराबाद भागने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर टीम ने मथुरा जंक्शन (उत्तर प्रदेश) से अभिषेक मीणा और यशपाल मीणा को गिरफ्तार किया। वहीं, दूसरी टीम ने दिलखुश मीणा और दिलराज मीणा उर्फ धोल्या को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा।

जांच में सामने आया कि मृतक मक्खनलाल मीणा के आरोपियों के परिवार की एक महिला से अवैध संबंध थे। इसी बात से नाराज होकर चारों ने साजिश रचकर जन्मदिन पार्टी के बहाने उसे बुलाया और उसकी हत्या कर दी।

एआई से अश्लील फोटो बनाने वाला युवक गिरफ्तार

सवीना पुलिस ने 8 किलो गांजे के साथ दो तस्कर दबोचे

उदयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई की है। सूरजपोल थाना पुलिस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से महिला के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बनाकर वायरल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं सवीना थाना पुलिस ने 8 किलो गांजे के साथ दो युवकों को पकड़ा है।

आपत्तिजनक फोटो-वीडियो तैयार कर वायरल किया

सूरजपोल थानाधिकारी रतन सिंह चौहान ने बताया कि 6 अक्टूबर को एक विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला ने शिकायत में कहा कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर उसके नाम से फर्जी आईडी बनाई और एआई की मदद से उसके आपत्तिजनक फोटो-वीडियो तैयार कर वायरल कर दिए। जांच में पुलिस ने आरोपी की पहचान उत्तर

प्रदेश के बरेली निवासी सादिक के रूप में की और उसे गिरफ्तार कर मोबाइल जब्त किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी विवाहिता पर दोस्ती का दबाव बना रहा था, इनकार करने पर उसने यह हरकत की। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

8 किलो 288 ग्राम गांजा बरामद हुआ

वहीं, सवीना थानाधिकारी अजय सिंह राव ने बताया कि 16 अक्टूबर की रात पुलिस गश्त के दौरान गुप्तेश्वर रोड पर दो बाइक सवार युवकों सलूंबर निवासी रतन मीणा और भींडर निवासी गोविंद कुमार मीणा को पकड़ा गया। तलाशी में उनके पास से 8 किलो 288 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने यह गांजा सलूंबर के लसाड़िया निवासी मांगीलाल मीणा से खरीदा था। पुलिस मांगीलाल की तलाश कर रही है और मामले की जांच जारी है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी का जाल, दो लोगों से 85 लाख रुपए हड़पे

अलवर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर में ऑनलाइन निवेश के नाम पर लोगों को ठगने का सिलसिला थम नहीं रहा है। साइबर अपराधियों ने शहर के दो लोगों को झांसे में लेकर करीब 85 लाख रुपए की ठगी कर ली। इस संबंध में साइबर थाने में मामला दर्ज कराया गया है। पीड़ित मनीष पुत्र शिवराम चौधरी निवासी राठ नगर ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 14 मार्च को उसकी फेसबुक पर मानसी शर्मा नाम की युवती से बातचीत हुई।

युवती ने उसे ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने की सलाह दी। मनीष ने शुरुआत में 3 हजार रुपए की ट्रेडिंग की, जिसमें उसे 2 हजार रुपए का मुनाफा हुआ। मुनाफा मिलने के बाद उस पर विश्वास कर उसने अलग-अलग तारीखों में कुल 10 लाख 92 हजार 918 रुपए का निवेश कर दिया। जब उसने बाद में साइट पर दिए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो नंबर स्विच ऑफ मिला और लिंक भी बंद हो गया।

वहीं, संजय पुत्र रमेश गुप्ता निवासी शालीमार ने भी इसी तरह की ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 20 अगस्त को उनके व्हाट्सऐप पर ऑनलाइन ट्रेडिंग से जुड़ा मैसेज आया। बात करने पर ठगों ने उन्हें निवेश के बदले मुनाफा कमाने का लालच दिया और एक लिंक भेजा। शुरुआत में कुछ प्रोफिट मिलने पर उन्होंने 74 लाख रुपए तक निवेश कर दिए। कुछ समय तक खाते में मुनाफा आता रहा, लेकिन बाद में लिंक और मोबाइल नंबर बंद कर दिए गए। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इलेक्ट्रॉनिक समान की चोरी करने वाली गैंग पर एक्शन, तीन आरोपी गिफ्तार

तीन करोड़ रु. का माल बरामद

अलवर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए फ्लिपकार्ट के ट्रकों से कीमती इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के 226 मोबाइल बरामद किए हैं, जिनमें 88 आईफोन भी शामिल हैं। बरामद माल की कुल कीमत करीब तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि पुलिस ने ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट की सप्लाई चेन में सेंध लगाने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गिरोह के सदस्य फर्जी पहचान पत्रों के सहारे ट्रांसपोर्ट कंपनियों में ड्राइवर बनकर शामिल होते थे और ट्रक में लदे महंगे मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लेते थे।

जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह को फ्लिपकार्ट के एक अंदरूनी कर्मचारी से जानकारी मिलती थी, जो यह बताता था कि किस ट्रक में महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान लदे हुए हैं। उसी जानकारी के आधार पर आरोपी रास्ते में ताले तोड़कर माल पार कर लेते थे और बाद में उसे काले बाजार में बेच देते थे।

मामला तब सामने आया जब एक ड्राइवर लखनपाल ने डिलीवरी पॉइंट पर मोबाइल गायब होने की शिकायत की। शिकायत के बाद पुलिस ने वेब प्लेटफॉर्म और मोबाइल के IMEI नंबर के जरिए ट्रैकिंग की और छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक की कार्रवाई में पुलिस ने कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन ड्राइवर और चार लोग शामिल हैं जो चोरी के मोबाइल खरीदते थे। इनमें हरियाणा और उत्तर प्रदेश के आरोपी भी हैं।

भीषण हादसे की भेंट चढ़ा परिवार

थार की टक्कर से दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत; गुस्साए लोगों ने जलाई गाड़ी

भरतपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के नदबई थाना क्षेत्र में हुए एक भयावह सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। नदबई-जनूथर मार्ग पर गांव लुहासा के पास एक तेज रफ्तार थार वाहन ने असंतुलित होकर बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दंपत्ति और उनके दो मासूम बच्चों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि थार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गई, जबकि थार वाहन सड़क किनारे खेत में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने गुस्से में पलटी हुई थार में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बड़ी मशक्कत के बाद स्थिति को काबू में किया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई।

सीएसटी और लूणी पुलिस ने पकड़ी एक करोड़ 11 लाख की एमडी ड्रग्स

जोधपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस आयुक्तालय जोधपुर की कमिश्नरेट स्पेशल टीम (सीएसटी) और लूणी थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 11 लाख रुपये मूल्य की एमडी ड्रग्स बरामद की है। इस दौरान एक सप्लायर को गिरफ्तार किया गया और तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो गाड़ी को भी जब्त किया गया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई जोधपुर में चल रहे मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान का हिस्सा है।

कार्रवाई पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश, पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विनीत कुमार बंसल और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) रोशन मीणा के निर्देशन में की गई। सीएसटी प्रभारी श्यामसिंह सउनि के नेतृत्व में टीम ने लूणी थाना क्षेत्र के काकांणी हाईवे पर नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान पाली से जोधपुर की ओर आ रही स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में सवार मगाराम उर्फ मगराज पुत्र हेमाराम (34), निवासी पंडितों का बास, चामू, जोधपुर ग्रामीण के कब्जे से 545 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी मगाराम ने स्वीकार किया कि वह यह नशीला पदार्थ प्रतापगढ़ निवासी आदिल खान से लेकर आया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत प्रकरण संख्या 230/2025 दर्ज किया है और अब आगे की जांच जारी है। मगाराम से यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह किस नेटवर्क के माध्यम से यह ड्रग्स सप्लाई करता था और जोधपुर में किन लोगों को यह मादक पदार्थ पहुंचाए जाने वाले थे।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई उन विशेष प्रयासों का हिस्सा है जिनके तहत एमडी ड्रग्स और अन्य अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जोधपुर पुलिस ने हाल के महीनों में कई ऐसी कार्रवाइयां कर युवा पीढ़ी को नशे के जाल से बचाने का प्रयास किया है।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने नक्सलियों के सरेंडर का स्वागत किया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज इस बात का स्वागत किया कि सैकड़ों नक्सली आगे आए हैं और हिंसा का रास्ता छोड़कर 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने के केंद्र सरकार के 'ऑपरेशन कगार' के तहत जीवन की मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।

एक बयान में, उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में ही 300 से ज़्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया है और कहा कि नक्सलियों का बड़े पैमाने पर सरेंडर, जिनमें से ज़्यादातर तेलुगु लोग हैं, एक खास बात है। उन्होंने कहा, जहां नक्सलवाद की वजह से कई जिले विकास से कोसों दूर रहे हैं, वहीं आज जब पूरा देश दिवाली मना रहा है, तो यह बहुत खुशी की बात है कि नक्सल प्रभावित इलाके अंधेरे से रोशनी की ओर बढ़ रहे हैं।

सरकार के उठाए गए कदमों से देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या, जो एक दशक पहले 125 थी, आज घटकर 11 रह गई है। उम्मीद है कि ये बचे हुए 11 जिले भी जल्द ही नक्सल-मुक्त हो जाएंगे।

रेड्डी ने साफ किया कि अंबेडकर के संविधान में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और कहा कि लोग अहिंसा के जरिए अपनी राय खुलकर रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह संदेश एक बार फिर साफ हो गया है कि इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में खून-खराबे और हिंसा से कुछ हासिल नहीं किया जा सकता और कहा कि नक्सलवादियों की वजह से उन इलाकों में सड़कें, स्कूल और अस्पताल भी नहीं बन पाए हैं। रेड्डी ने याद किया कि बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर के बिना लोगों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा था और कहा कि आज, मोदी सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलप करने, वेलफेयर प्रोग्राम लागू करने और नक्सल-फ्री हो चुके जिलों में युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के मौके बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने दीपावली पर बधाई दी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दीपावली के इस खुशी के मौके पर, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। रविवार को यहां एक बयान में, राज्यपाल ने कहा कि रोशनी का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा, "मुझे यकीन है कि इस तरह के मौके हमें आज के समय की बुराइयों को जीतने और एक ऐसा समाज बनाने के लिए प्रेरित करते हैं जिसमें शांति, भाईचारा और सांप्रदायिक सद्भाव बना रहे।" जिष्णु देव वर्मा ने कहा, "मैं आप सभी से अपील करता हूं कि इस त्योहार को मनाने के लिए लोकल प्रोडक्ट खरीदें ताकि आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना के साथ देसी मैन्युफैक्चरर्स की ज़िंदगी में नई रोशनी आ सके। यह दीपावली नए विचारों की शुरुआत करे और हमारे आसपास के लोगों की ज़िंदगी में रोशनी, खुशी और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए नए आदर्शों को बढ़ावा दे।" उन्होंने राज्य के लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को तेलंगाना के लोगों को दिवाली के त्योहार की बधाई दी। एक बयान में, मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की सरकार तेलंगाना के लोगों की ज़िंदगी में नई रोशनी लाई है और वह सभी वर्गों के लोगों तक कल्याणकारी योजना का फ़ायदा पहुँचाकर सबको साथ लेकर विकास करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि रोशनी का त्योहार बुरी ताकतों पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के तौर पर मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि लोग दिवाली खुशी और उल्लास के साथ मनाएँ और हर घर दीयों की रोशनी से भर जाए। रेवंत रेड्डी ने सभी उम्र के लोगों से अपील की कि वे पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना त्योहार मनाएँ और पटाखे जलाते समय ज़रूरी सावधानी बरतें।

विमेंस वर्ल्ड कप में भारत की लगातार तीसरी हार

इंग्लैंड ने 4 रन से हराकर सेमीफाइनल में एंट्री की

इंदौर, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनी। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में मेजबान भारत को लगातार तीसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। इंदौर के होलकर स्टेडियम में टीम को इंग्लैंड ने 4 रन से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लिश टीम ने सेमीफाइनल में एंट्री भी कर ली। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका भी नॉकआउट राउंड में पहुंच चुकी हैं।

रविवार को इंग्लैंड ने बैटिंग चुनी। टीम ने 8 विकेट खोकर 288 रन बनाए, पूर्व कप्तान हीथर नाइट ने 109 रन बनाए। दीप्ति शर्मा ने 4 विकेट लिए। भारत ने 41 ओवर में 3 विकेट खोकर 234 रन बना लिए थे। भारत ने यहां से अगले 4 ओवर में 3 विकेट गंवा दिए और टीम 50 ओवर में 284 रन ही बना सकी।

भारत से स्मृति मंधाना ने 88, हरमनप्रीत कौर ने 70 और दीप्ति शर्मा ने 50 रन बनाए। इंग्लैंड से कप्तान नैटली सिवर-ब्रंट ने 2 विकेट लिए। लॉरेन बेल, लिंसी स्मिथ, चार्ली डीन और सोफी एकलस्टन को 1-1 विकेट मिला।

मुख्यमंत्री 21 को पुलिस स्मृति दिवस समारोह में शामिल होंगे

तेलंगाना में दस दिनों तक पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम : डीजीपी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने घोषणा की कि पुलिस स्मृति दिवस 21 अक्टूबर को गोशामहल पुलिस स्टेडियम में मनाया जाएगा। कार्यक्रम मंगलवार सुबह 9:30 बजे शुरू होगा, और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। डीजीपी ने आगे बताया गया कि 21 से 31 अक्टूबर तक पूरे तेलंगाना राज्य में पुलिस मेमोरियल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 21 अक्टूबर को, सभी डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिस में मेमोरियल प्रोग्राम होंगे, और 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर नेशनल यूनिटी डे तक सभी पुलिस स्टेशन की सीमा में इसी तरह की एक्टिविटी जारी रहेंगी। इस साल, पूरे भारत में 191 पुलिस कर्मियों ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाई है, जिसमें तेलंगाना के पांच बहादुर ऑफिसर शामिल हैं।

पुलिस मेमोरियल डे 21 अक्टूबर 1959 से हर साल मनाया जाता है, जो उन दस सीआरपीएफ जवानों की बहादुरी की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने सब-इंस्पेक्टर करम सिंह के नेतृत्व में हॉट स्प्रिंग्स, लद्दाख में चीनी हमले के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और देश के लिए अपनी जान दे दी। यह दिन उनके बलिदान और उन सभी पुलिस कर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने तब से उनके उदाहरण को फॉलो किया है। दस दिनों के दौरान जागरूकता, रक्तादान शिविर, लेखन आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क तेलंगाना की प्रगति का प्रतीक

बीआरएस के केटी रामाराव ने पार्क को रोजगार और आर्थिक विकास का प्रमुख स्रोत बताया

वारंगल, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि वारंगल में स्थित काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना की तीव्र प्रगति का सच्चा उदाहरण है। उन्होंने बताया कि यह पार्क पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश में आज़म जाही मिल के बंद होने के बाद से रोजगार और आर्थिक योगदान का प्रमुख स्रोत बन गया है।

रामाराव ने कहा कि वारंगल कभी औद्योगिक केंद्र के रूप में फलता-फूलता था और हज़ारों लोगों को रोज़गार देता था। आज़म जाही मिल्स के बंद होने के पीछे तत्कालीन सरकार की लापरवाही थी। उन्होंने बताया कि काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना उस दृष्टिकोण का परिणाम है, जिसका उद्देश्य वारंगल के पुराने औद्योगिक गौरव को पुनर्स्थापित करना और युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा करना था।

बीआरएस नेता ने कहा कि पार्क ने पहले ही स्थानीय रोजगार पैदा करना शुरू कर दिया है और गणेश, गणेश इकोस्फीयर, यंग वन और किटेक्स जैसी कंपनियों ने अपनी इकाइयां स्थापित की हैं।

पानी की टंकी गिरने से मां-बेटे की मौत

नलगोंडा, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा ज़िले के चित्याला मंडल के पेद्दाकपर्थी गाँव में शनिवार देर रात एक अस्थायी शेड पर लगी पानी की टंकी गिर गई, जिससे एक माँ और उसके छह वर्षीय बेटे की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय पी. नागमणि और उनके बेटे वंशीकृष्णा के रूप में हुई है। परिवार उस समय भोजनालय के उद्घाटन की तैयारी कर रहा था। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, अस्थायी ढाँचे पर लगाई गई पानी की टंकी में पानी का भार अधिक होने के कारण आधी रात के आसपास वह ढह गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरटीए चेकपोस्टों पर एसीबी की छापेमारी

आदिलाबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने रविवार को आदिलाबाद जिले में अंतरराज्यीय क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के चेक पोस्टों पर छापेमारी कर कर्मचारियों से 1.31 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी जब्त की। अधिकारियों ने भोरज चेक पोस्ट से 1.26 लाख रुपये, वानकीडी चेक पोस्ट से 5,100 रुपये और बेल्थारोदा चेक पोस्ट से 3,000 रुपये बरामद किए। कथित तौर पर, परिवहन विभाग के कर्मचारी निजी सहायकों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से रिश्वत वसूल रहे थे। सरकार ने पहले भी ऐसे चेक पोस्ट हटाने का निर्णय लिया था, लेकिन ये अब भी संचालित हो रही हैं। अप्रैल में वानकीडी मंडल में भी एसीबी ने छापा मारा था और 45,000 रुपये बरामद किए थे।

देश के लिए ख़तरा बनने वाले किसी को नहीं छोड़ेंगे: केंद्रीय मंत्री बंड़ी संजय

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंड़ी संजय कुमार ने चेतावनी दी है कि देश की सुरक्षा के लिए ख़तरा बनने वाला कोई भी व्यक्ति केंद्र सरकार से बच नहीं पाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश की आंतरिक सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बंड़ी संजय ने रविवार को सोशल मीडिया पर ट्वीट कर लोकतंत्र के नाम पर माओवादियों का समर्थन करने वालों को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने कोई गलती की तो वे केंद्र सरकार के चंगुल से नहीं बच पाएंगे। उन्होंने उन्हें सशस्त्र समूहों से संबंध तोड़ने की चेतावनी दी और कहा कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उनके राज़ उजागर हो जाएँगे। संजय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, केंद्र सरकार की एजेंसियाँ केवल माओवादियों का सफ़ाया करने तक ही सीमित नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवादी संबंधों के नेटवर्क का भी पर्दाफ़ाश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों के ख़िलाफ़ बिना किसी दया के कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बंदी संजय कुमार ने चेतावनी दी कि जो भी ग़लत पक्ष में खड़ा होगा, वह गिर जाएगा।

धनवंतरि जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय आयुर्वेदिक अनुसंधान परिषद के अंतर्गत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद में धन्वंतरि जयंती मनाई गई।

संस्था द्वारा धन्वंतरि होम, आयुर्वेदिक औषधीय पौधों का वितरण, आयुर्वेदिक पोषण आहार का वितरण तथा आयुर्वेदिक ब्रोशर और पैम्फलेट के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संगठन ने राष्ट्रीय त्वचा विकार यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद और तेलंगाना औषधीय पादप बोर्ड, हैदराबाद के सहयोग से आमलकी, पिप्पली, पान की पत्ती, एलोवेरा, हडजोड़, ब्राह्मी (सरस्वती), जलब्राह्मी, इंसुलिन, रणपाला (पर्णबीज), माचपत्री, ओमु (पर्णयवानी) आदि औषधीय पौधों के वितरण का आयोजन किया। डॉ. वेम्पति राधाकृष्ण मूर्ति ने संस्था को 150 से अधिक पत्र के तेलुगु चिकित्सा ताडपत्र हस्तलिपि पुस्तक भेंट की।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुरेश जाकोटिया और डॉ. विजयलक्ष्मी शामिल हुए। रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी के निवासी, वरिष्ठ नागरिक संघ के सदस्य, मालकपेट और वेंकटाद्री नगर कॉलोनी के निवासी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। लगभग 120 अतिथियों और संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में साथ भाग लिया और संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉक्टर गोली पेंचला प्रसाद ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया

हत्या के प्रयास के आरोप में दो रिमांड पर

मदनूर, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया। बिचकुंडा सर्कल इंस्पेक्टर एम. रविकुमार ने बताया कि नौ अक्टूबर को सिरपुर गांव के बाहरी इलाके में, नांदेड़ जिले के तमलुर गांव के पीराजी, जुनैद और उसके साथी अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे थे। इन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो उन्होंन सिरपुर के शेख फारूक, अयान, कादिर, अफरोज और अयूब पर हमला कर घायल कर दिया। इस घटना के संबंध में पीड़ित शेख फारूक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मदनूर पुलिस स्टेशन में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। जिला एसपी एम. राजेश चंद्रा, आईपीएस के आदेश पर और बांसवाड़ा डीएसपी के पर्यवेक्षण में, मदनूर सीआई एम. रवि कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की और पिराजी और जुनैद को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें रिमांड पर भेज दिया गया।

सलबतपुर आरटीओ चेक पोस्ट पर एसीबी का छापा

मदनूर,19 (स्वतंत्र वार्ता) एसीबी के अधिकारियों ने मदनूर मंडल के सलबतपुर गांव स्थित आरटीओ चेक पोस्ट पर छापेमारी की। डीएसपी शेखर गौड़ ने बताया कि आधी रात से रिकॉर्ड की जांच करने के बाद उन्होंने सलबतपुर चेक पोस्ट के अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा लॉरियों से अवैध रूप से वसूले गए 36 हजार रुपये जब्त किए।

उन्होंने कहा कि लॉरियों से अवैध रूप से वसूली कर रहे एक निजी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। ज्ञात हो कि ठीक चार महीने पहले 26 जून को एसीबी के अधिकारियों ने इसी चेक पोस्ट पर छापेमारी कर लॉरियों से अवैध रूप से वसूले गए 92 हजार रुपये जब्त किए थे। गौरतलब है कि चार महीने बीतने से पहले एसीबी ने फिर से उसी चेकपोस्ट पर अपना शिकंजा कसा है। उन्होंने आगे बताए कि इस चेक पोस्ट पर निजी व्यक्ति द्वारा लॉरी वाहन चालक के पास से अवैध रुपए से वसूली कर रहे थे।

सूर्य मंदिर और समारोह हॉल के निर्माण की आधारशिला शीघ्र : महिपाल रेड्डी

पठानचेरुवु निर्वाचन क्षेत्र विविधता में एकता का प्रतीक

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर भारतीय कल्याण संघ की बैठक में पठानचेरुवु निर्वाचन क्षेत्र से विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी (जीएमआर)ने कहा कि मिनी इंडिया के रूप में विख्यात पठानचेरुवु निर्वाचन क्षेत्र विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम पठानचेरुवु निर्वाचन क्षेत्र में दशकों से रह रहे उन सभी लोगों का ध्यान रख रहे हैं, जो देश के विभिन्न राज्यों से आजीविका के लिए आए हैं, और उनकी आर्थिक प्रगति के लिए पूरा सहयोग प्रदान कर रहे हैं। रविवार को, विधायक जीएमआर ने तेलपुर नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत पाटी गाँव के बाहरी इलाके में एक निजी समारोह हॉल में आयोजित उत्तर भारतीय कल्याण संघ की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उत्तर भारतीयों द्वारा प्रतिवर्ष मनाई जाने वाली छठ पूजा की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, विधायक जीएमआर ने कहा कि राजनीति में प्रवेश के समय से ही उनका उत्तर भारतीयों से घनिष्ठ संबंध रहा है। उन्होंने कहा कि सांसद चुने जाने के बाद से तीन बार सांसद और पठानचेरुवु से विधायक बनने में उत्तर भारतीयों का सहयोग कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जब भी निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न उद्योगों में काम करने वाले उत्तर भारतीयों के साथ कोई दुर्घटना होती है, तो वे प्रबंधन से बात करते हैं और बेहतर मुआवज़ा दिलाते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में अग्रवाल रबर उद्योग और साईं बाबा सेल्यूलोज़ उद्योग में दुर्घटना का शिकार हुए श्रमिकों के परिवारों को बेहतर मुआवज़ा प्रदान किया गया है।

उन्होंने कहा कि पठानचेरुवु निर्वाचन क्षेत्र में स्थायी निवास सुनिश्चित करने के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को उचित प्राथमिकता दी जा रही है। जैसा कि पहले वादा किया गया था, साकी तालाब के किनारे उत्तर भारतीयों के लिए एक समारोह हॉल और सूर्यदेव का मंदिर जल्द ही बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि छठ पूजा के अवसर पर निःशुल्क गन्ना वितरण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने वादा किया कि आने वाले दिनों में और अधिक सहयोग दिया जाएगा। बैठक में उत्तर भारतीय कल्याण संघ के नेता संदीप शाह को श्रद्धांजलि दी गई, जिनका हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। बाद में, विधायक जीएमआर का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मेदक के भाजपा सांसद रघुनंदन राव ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में मधूसदन रेड्डी, वरिष्ठ उत्तर भारतीय नेता वीडी चौबे, संजय सिंह, विध्याचंल तिवारी, सुमित चौबे, अमित चौबे, एच. के चौबे, कृष्णा सिंह, टिंकू पटेल किशन, नीरज सिंह, नरेन्द्र सिंह आदि लोगों ने भाग लिया।

दिवाली की रौनक, बाज़ारों में उमड़ी भारी भीड़

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवाली का उल्लास रविवार को पूरे हैदराबाद में चरम पर दिखाई दिया। त्योहार से एक दिन पहले छुट्टी होने के कारण शहर के पुराने और नए इलाकों के बाज़ारों और शॉपिंग सेंटर्स में दिनभर जबरदस्त चहल-पहल रही। मिठाई, उपहार, फूल, आभूषण और पटाखों की दुकानों पर खरीदारी करने वालों की लंबी कतारें लगीं। वहीं, मॉल और सुपरमार्केट में भी भीड़ उमड़ पड़ी। शहरभर में लोग घरों, अपार्टमेंटों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सफाई और सजावट में व्यस्त दिखे।

पिछले दो दिनों से हैदराबाद के लगभग सभी इलाकों में घरों और दुकानों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है, जिससे शहर पूरी तरह रोशनी में नहाया हुआ नजर आ रहा है।

दिवाली के मौके पर बच्चों और युवाओं में पटाखे जलाने को लेकर उत्साह देखते हुए, हैदराबाद स्थित एल.वी. प्रसाद नेत्र संस्थान (एलवीपीईआई) के विशेषज्ञों ने सुरक्षा का पालन करने की सलाह दी है। संस्थान के कल्लम अंजी रेड्डी परिसर की प्रभारी (आपातकालीन सेवाएं) डॉ. नव्या चेरुकुरी ने कहा, रोशनी, पटाखे और पारिवारिक उत्सव के साथ थोड़ी सी सावधानी यह सुनिश्चित करेगी कि दिवाली सभी के लिए खुशियों भरी और सुरक्षित रहे।

ओवैसी ने की रूस में फंसे 4 भारतीयों की सुरक्षित वापसी की मांग

एआईएमआईएम अध्यक्ष ने मास्को स्थित भारतीय दूतावास को लिखा पत्र

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रूस में फंसे चार भारतीयों की सुरक्षित वापसी की अपील की है, जिन्हें कथित तौर पर उनकी इच्छा के विरुद्ध युद्ध गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया है। ओवैसी ने मास्को स्थित भारतीय दूतावास को लिखे पत्र में आग्रह किया कि फंसे हुए भारतीयों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला जाए। उन्होंने बताया कि हैदराबाद निवासी मोहम्मद अहमद, जिन्हें युद्ध क्षेत्र से निकालने का प्रयास किया जा रहा है, के अलावा हरियाणा और राजस्थान के अनूप कुमार, मनोज कुमार और सुमित कुमार भी रूस में फंसे हुए हैं।

मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी के आरोपों पर सीएम जवाब दें : सबिता

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने रविवार को सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कोई सफाई क्यों नहीं दिया, जबकि मौजूदा मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी ने उन पर आरोप लगाए थे और कहा कि रेवंत रेड्डी की ज़िम्मेदारी है कि वे आरोपों पर लोगों को जानकारी दें। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री का कोई बहुत करीबी इस कथित मामले में शामिल है, तो इसमें रेवंत रेड्डी का भी ज़रूर हाथ होगा। उन्होंने मांग की कि सीमेंट कंपनी के डायरेक्टर धमकी दी गई थी। उसका बयान पुलिस ले और उसे जनता के सामने रखे। उन्होंने सवाल किया कि आरोपी मंत्री कोंडा सुरेखा के घर पर क्यों था और उसे पनाह देना क्यों सही था? उन्होंने कहा कि अगर मंत्री आरोपी को अपनी कार में ले गईं तो क्या पुलिस को कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? उन्होंने पूछा कि मामले में असल में क्या हुआ और समझौता कहाँ हुआ? सबिता इंद्रा रेड्डी ने शहर में बीआरएस पार्टी हेडक्वार्टर तेलंगाना भवन में पार्टी की महिला नेताओं के साथ मीडिया से बात की। इस मौके पर बोलते हुए, रेड्डी ने कहा कि इस मुद्दे पर कोई साफ स्थिति नहीं है कि मिस वर्ल्ड कॉम्पिटिशन में किसी महिला के साथ अन्याय हुआ था या नहीं। उन्होंने कहा कि सीएम के अपने असेंबली इलाके में महिला पत्रकारों के खिलाफ केस दर्ज किए गए थे और दावा किया कि सीएम ने राज्य असेंबली के भरे हुए सदन में महिला एमएलए का अपमान किया। रेड्डी ने कहा कि हाल ही में जुबली हिल्स असेंबली इलाके से उनकी पार्टी की उम्मीदवार मगंती सुनीता के खिलाफ एक मंत्री द्वारा की गई गलत टिप्पणियां अपमानजनक थीं। उन्होंने दावा किया कि पूर्व सीएम केसीआर के शासन में सभी समुदायों का विकास हुआ और कहा कि कांग्रेस पार्टी के शासन में राज्य में अराजकता जारी है। पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि राज्य में शासन गलत हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति थी, जहां सीएम के घर के पास बंदूक दिखाने की धमकी दी जा रही थी। उन्होंने कहा कि मगंती सुनीता पर मंत्री की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण थी।

हादसे में बच्चा समेत तीन की मौत, एक घायल

कुमराम भीम, आसिफाबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद मंडल के मोथुगुडा गांव में रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 363 पर एक कार ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे दो परिवारों के तीन सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई और एक लड़की घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि वानकीडी मंडल के बेंडारा गाँव के जगन, उनकी बहन अनसूया (32) और भतीजे प्रज्ञाशील (4) की तेज़ रफ़्तार कार की टक्कर से मौत हुई। जगन की भतीजी भी इस हादसे में घायल हुई। जगन अपनी बहन और उसके बच्चों को दिवाली मनाने के लिए वजीरी से बेंडारा ले जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने शवों को आसिफाबाद के जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कार चालक की लापरवाही और तेज़ रफ़्तार इस हादसे की मुख्य वजह थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पहला वनडे- ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7 विकेट से हराया

कप्तान मार्श ने नाबाद 46 रन की पारी खेली, कोहली-रोहित नहीं चले

पर्थ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे क्रिकेट में शुभमन गिल की कप्तानी के सफर की शुरुआत अच्छी नहीं रही. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा. पर्थ में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने टीम इंडिया की बल्लेबाजी पस्त नजर आई. यहां तक कि लंबे समय बाद टीम में लौटे विराट कोहली और रोहित शर्मा कोई भी असर नहीं छोड़ सके. बारिश की दखल से बुरी तरह प्रभावित इस मैच में टीम इंडिया ने 136 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट खोकर ही लक्ष्य हासिल करते हुए सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली.

पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में रविवार 19 अक्टूबर को सीरीज का पहला वनडे मैच खेला गया. ये मैच दोनों टीम के लिए खास था. टीम इंडिया इस मैदान पर पहला वनडे मैच खेल रही थी. वहीं ऑस्ट्रेलिया को कभी भी इस मैदान पर जीत नहीं मिली थी. टीम इंडिया में रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हो रही थी. वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम कई सीनियर खिलाड़ियों के बिना उतर रही थी. टीम इंडिया के दोनों दिग्गज फेल हुए, जबकि ऑस्ट्रेलियाई डेब्यूटेंट (मैथ्यू रेनशॉ और मिचेल ओवन) ने अपना योगदान दिया. इसका नतीजा ये हुआ कि इस मैदान पर पिछले तीनों ओडीआई मैच हारने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली जीत मिल ही गई.

टीम इंडिया की हार की कहानी तो उसकी बैटिंग के दौरान ही लिख दी गई थी, जब पर्थ की एकदम ताजा पिच पर ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाजों ने अपना कहर बरपा दिया. इस सीरीज को और खास तौर पर इस मैच को विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी के लिए प्रचारित किया जा रहा था लेकिन दोनों स्टार बल्लेबाजों को मिचेल स्टार्क और जॉश हेजलवुड ने सिर्फ 6 ओवर के अंदर पवेलियन लौटा दिया. शुभमन गिल भी कप्तानी के डेब्यू में कुछ खास नहीं कर सके, जबकि श्रेयस अय्यर का बाउंस और हेजलवुड से 36 का आंकड़ा यहां भी बना रहा.

पंत को बीसीसीआई से फिटनेस क्लियरेंस मिला

दिल्ली से रणजी खेलेंगे; साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट टीम में वापसी कर सकते हैं

बेंगलुरु, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत को बीसीसीआई की मेडिकल टीम से फिटनेस क्लियरेंस मिल गया है। इसका मतलब है कि वे दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच में हिस्सा लेंगे। इतना ही नहीं, पंत साउथ अफ्रीका के खिलाफ होम सीरीज से टेस्ट टीम में वापसी भी कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें रणजी ट्रॉफी के दूसरे फेज में दिल्ली की ओर से खेलकर अपनी मैच फिटनेस साबित करनी होगी।

सिलेक्शन कमेटी के एक सदस्य ने दैनिक भास्कर को बताया कि उन्हें पंत के फिट होने की जानकारी एनसीए ने दी है। ऋषभ को रणजी मैच खेल कर मैच फिटनेस हासिल करने के लिए कहा गया है। दिल्ली का मैच अरुण जेटली स्टेडियम में हिमाचल प्रदेश में होना है। यह मैच 25 अक्टूबर से शुरू होगा। इस मैच में एक सिलेक्टर भी होगा।

28 साल के ऋषभ वर्तमान में बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में रिहैब कर रहे हैं। उन्होंने रिकवरी का एक वीडियो भी पोस्ट किया था।...

मैनचेस्टर टेस्ट में चोटिल हुए थे पंत

ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे में चोटिल हुए थे। मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन क्रिस वोक्स ने यॉर्कर पंत के पंजे पर लगी। इस चोट के कारण वे 5 मैचों की सीरीज का आखिरी मैच नहीं खेल सके थे। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई थी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल सके

चोट के कारण ऋषभ पंत को वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज छोड़नी पड़ी थी। उनकी जगह ध्रुव जुरेल और नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया था। टीम इंडिया ने 2 मैचों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया था।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ इंटरनेशनल सर्किट में वापसी की उम्मीद

ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी में अपनी फिटनेस साबित करके साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम में वापसी करना चाहेंगे। साउथ अफ्रीका की टीम नवंबर महीने में भारतीय दौरे पर आ रही है। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। अफ्रीकी टीम यहां 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेलेगी।

अफगान क्रिकेटर्स की मौत पर बीसीसीआई ने शोक जाहिर किया

जय शाह बोले- हम अफगानिस्तान बोर्ड के साथ; प्लेयर्स ने पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक में जान गंवाई

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के हमले में मारे गए अफगानिस्तान के 3 क्लब क्रिकेटर्स की मौत पर बीसीसीआई और आईसीसी ने शोक जाहिर किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कहा, मासूम लोगों का मरना और खासकर खिलाड़ियों की जान गंवाने की खबर दिल दुखाने वाली है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन जय शाह ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शोक जताया। उन्होंने कहा, सदमे के इस समय में हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ खड़े हैं।

जय शाह क्या बोले?

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने लिखा, 'अफगानिस्तान के युवा क्रिकेटर कबीर, आगाह, सिबघतुल्लाह और हारून की मौत से दिल दुखी है। हमले के कारण उनके सपने अधूरे रह गए। युवा खिलाड़ियों की मौत अफगानिस्तान क्रिकेट ही नहीं पूरे क्रिकेट जगत के लिए बुरी खबर है। मुश्किल के इस समय में हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ खड़े हैं।'

बीसीसीआई ने क्या कहा?

बीसीसीआई ने मीडिया एडवाइजरी में कहा, बीसीसीआई अफगानिस्तान बोर्ड के साथ खड़ा है। क्रिकेट परिवार हमले में जान गंवाने वाले लोगों और उनके परिवार के लिए सहानुभूति रखता है। बोर्ड इस तरह के हमले की कड़ी निंदा करता है। पाकिस्तान के हमले में अफगानिस्तान के 3 क्लब क्रिकेटर्स की मौत हो गई। हमले में 14 अफगानी भी मारे गए हैं जबकि 16 घायल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 48 घंटे का सीजफायर शुक्रवार शाम 6 बजे

खत्म हुआ था। इसे आगे बढ़ाने पर सहमति बन गई थी। लेकिन कुछ ही घंटे बाद पाकिस्तान ने पक्तिका प्रांत में एयर स्ट्राइक की।

अफगान मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक, इन हमलों में उर्गुन और बर्मल जिलों के कई घरों को निशाना बनाया गया। ये इलाका दोनों देशों की बॉर्डर डूरंड लाइन के पास है।

इस घटना के जवाब में, एसीबी ने नवंबर में पाकिस्तान में होने वाली ट्राई टी-20 सीरीज से हटने का ऐलान किया है। एसीबी ने कहा कि यह कदम मारे गए क्रिकेटरों के सम्मान में उठाया गया है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेने वाली थीं।

क्रिकेट मैच खेलकर लौट रहे खिलाड़ियों पर हमला हुआ

एसीबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर बताया कि यह हमला पक्तिका प्रांत की राजधानी शराना में एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच खेलकर लौट रहे खिलाड़ियों कबीर, सिब्घतुल्लाह और हारून पर हुआ। ACB ने हमले के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

हमले वाले दिन कबीर अपने गांव के टूर्नामेंट में मैन ऑफ द मैच चुने गए थे। उनकी ट्रॉफी के साथ एक तस्वीर वायरल हो रही है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान में होने वाली टी-20 सीरीज नाम वापस लिया

हमले के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नवंबर में पाकिस्तान में होने वाली ट्राई टी-20 सीरीज से नाम वापस ले लिया। टीम को 17 और 23 नवंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले खेलने थे। यह पहली बार होता जब अफगानिस्तान, पाकिस्तान की सरजमीं पर उसके खिलाफ खेलता।

हालांकि, इससे पहले अफगानिस्तान ने 2023 एशिया कप और इस साल की चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में खेले थे, लेकिन तब उसका मेजबान टीम पाकिस्तान से मुकाबला नहीं हुआ था।

डेनमार्क ओपन के सेमीफाइनल में हारे सात्विक-चिराग

जापान की जोड़ी ने छीना फाइनल का मौका

स्कैंडिनेवियाई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हारकर फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। एशियाई खेलों के चैंपियन तथा हांगकांग सुपर 500 और चाइना मास्टर्स सुपर 750 के फाइनल में जगह बनाने वाले सात्विक और चिराग ने पहला गेम हारने के बाद जबरदस्त वापसी की।

भारतीय जोड़ी निर्णायक गेम के अंतिम चरण में फीकी पड़ गई और 2021 के विश्व चैंपियन के खिलाफ 68 मिनट तक चले मुकाबले में 21-23, 21-18, 16-21 से हार गई। इस मुकाबले में तेज गति से आदान-प्रदान और तेज रैलियों का मुकाबला देखने को मिला।

सात्विक और चिराग के बाहर होने के साथ ही 950,000 अमेरिकी डॉलर इनामी टूर्नामेंट में भारत का अभियान समाप्त हो गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.